



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY GOVERNMENT

० ४०] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ३, १९७०/आश्विन ११, १८९२  
 No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3, 1970/ASVINA 11, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (i)

## PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

## MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 12th May 1970

G.S.R. 1721.—In exercise of the powers conferred by rules 2 and 8 and clause (a) of rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908) the Central Government hereby appoints until further orders not later than 31st December, 1970, in any case the person named below as Government Pleader on the Original side and the Appellate side of the High

Court at Delhi for the purpose of the said Order in relation to any suit and proceedings by or against the Central Government:—

"Shri Satya Prakash Aggarwal"

2. This notification shall be deemed to have come into force on 1st May, 1970.

[No. F. 24(9)/70-J.]

A. S. CHOUDHRI, Jt. Secy.

विधि संचालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1970

सा० का० नि० 1721 :—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 2 और 8 तथा नियम 8ख के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, ऐसे किसी वाद और कार्यवाहियों के सम्बन्ध में जो केन्द्रीय सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध की गई हों नीचे नामित व्यक्ति को अपर आदेश होने तक और किसी भी दशा में 31-12-70 के अपश्चात् तक उक्त आदेश के प्रयोजन के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय की ओरीजिनल साइड और अपील साइड में एतद्वारा सरकारी प्लीडर के रूप में नियुक्त करती है :—

"श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल

2. यह अधिसूचना 1 मई, 1970 से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

Division IOD	
Acc	1097
D	5-11-71
C	
P.O.	Filed
Date of Transfer	

[सं० फा० 24 (9)/70-न्या

ए० एस० चौधरी, संयुक्त सचिव ।

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 20th August 1970

G.S.R. 1742.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of section 3 of the Atomic Energy Act, 1952 (33 of 1952), the Central Government hereby declares the "area specified in column 2 of the Schedule below, to be a "prohibited area".

## SCHEDULE

Sl. No.	Name of the prohibited area	Boundaries or other description
---------	-----------------------------	---------------------------------

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

- 1 Bhabha Atomic Research Centre, Trombay. Bounded on one side by the sea, from Esso's Oil Pier to Survey No. 153 A of Trombay Village and on the other sides by the following Survey Numbers :

*Trombay*

Trombay Gaothan, Survey Numbers 4, 3, 1B, 119A, 158 and 10.

Payalipada Gaothan Survey No. 89.

*Mandala*

Survey Nos. 34, 79, 137 and 143.

*Manbudruk*

Survey Nos. 41, 42, 64 and 63.

*Mahul*

Survey Nos. 22, 26, 28, 30 and 31.

**परमाणु ऊर्जा विभाग**

बम्बई, 20 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1722.—परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 (सन् 1962 का 33वां अधिनियम) के अनुभाग 3 के खण्ड (घ) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार नीचे दी गई अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित क्षेत्र को एतद् द्वारा वजित क्षेत्र घोषित करती है :—

**अनुसूची**

क्रम संख्या	वजित क्षेत्र का नाम	सीमाये तथा अन्य विवरण
1	2	3

- 1 भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे यह क्षेत्र एक और ऐस्सो तेल कम्पनी के घाट से लेकर ट्राम्बे गांव की सर्वेक्षण संस्था 153 ए तक समुद्र से और अन्य विशालों में निम्नलिखित सर्वेक्षण श्रृंखला से घिरा हुआ है :—

**ट्राम्बे**

ट्राम्बे गावथा सर्वेक्षण संख्या 4,3,1 बी, 119 ए, 158 तथा 10  
पयालिपाडा गावथा सर्वेक्षण श्रृंखला 89

**मंडाला**

सर्वेक्षण श्रृंखला 34, 79, 137 तथा 143

**मान्जुशुकर**

सर्वेक्षण श्रृंखला 41, 42, 64 तथा 63

**मातुल**

सर्वेक्षण श्रृंखला 22, 26, 28, 30 तथा 31

ORDERS

*Bombay, the 20 August 1970*

**G.S.R. 1723.**—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Atomic Energy Act, 1952 (33 of 1952), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by section 19 shall in respect of the areas specified in Column (2) of the Schedule annexed hereto, being prohibited areas, be exercisable also by all or any of the officers or authorities mentioned in the corresponding entries in Column (3) of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the prohibited area	Designation of the officer or authority
(1)	(2)	(3)
	Bhabha Atomic Research Centre, Trombay.	(i) Director, Bhabha Atomic Research Centre. (ii) Directors of Groups, Bhabha Atomic Research Centre. (iii) Controller, Bhabha Atomic Research Centre. (iv) Head, Personnel Division, Bhabha Atomic Research Centre. (v) Chief Security Officer, Bhabha Atomic Research Centre. (vi) Public Relations Officer, Bhabha Atomic Research Centre.

**आदेश**

बम्बई, 20 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1723.—परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 (सन् 1962 का 33वां अधिनियम) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार यह आदेश देती है कि उपरोक्त अधिनियम की धारा 19 द्वारा उसे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में उल्लिखित क्षेत्र जो कि वजित क्षेत्र है, के सम्बन्ध में अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित अधिकारियों अथवा प्राधिकारियों में से किसी भी एक अथवा सभी द्वारा किया जा सकेगा :—

**अनुसूची**

क्रम संख्या	वजित क्षेत्र का नाम	अधिकारी अथवा प्राधिकारी का पदनाम
1	2	3
1	भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ट्राम्बे	(1) निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (2) भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वर्गों के निदेशक (3) नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (4) प्रमुख, कार्मिक प्रभाग, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (5) मुख्य सुरक्षा अधिकारी भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (6) जन सम्पर्क अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

[संख्या 7/2 (26)/69-पी० पी०]

New Delhi, the 21st August 1970

**G.S.R. 1724**—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by section 19 shall, in respect of the area specified in column (2) of the Schedule annexed hereto, being prohibited area, be exercisable also by all or any of the officers or authorities mentioned in the corresponding entries in column (3) of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the prohibited area	Designation of the officer or authority
(1)	(2)	(3)
1	Rajasthan Atomic Power Project	Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project. Chief Administrative Officer, Rajasthan Atomic Power Project. Chief Security Officer, Rajasthan Atomic Power Project. General Administration Officer, Rajasthan Atomic Power Project. Security Officer, Rajasthan Atomic Power Project.

[No. 7/2(3)/69-PP.]

G. L. GARGA, Under Secy.

बम्बई, 21 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1724.—परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (सन् 1962 का 33वां अधिनियम) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार यह आदेश देती है कि उपरोक्त अधिनियम की धारा 19 द्वारा उसे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में उल्लिखित क्षेत्र, जो कि वर्जित क्षेत्र है, के सम्बन्ध में अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित अधिकारियों अथवा प्राधिकारियों में से किसी भी एक अथवा सभी द्वारा किया जा सकेगा :—

अनुसूची

क्रम संख्या	वर्जित क्षेत्र का नाम	अधिकारी अथवा प्राधिकारी का पदनाम
1	2	3
1	राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना	मुख्य परियोजना इंजीनियर राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना मुख्य प्रशासन अधिकारी, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

1

2

3

मुख्य सुरक्षा अधिकारी, राजस्थान परमाणु  
विद्युत परियोजना

सामान्य प्रशासन अधिकारी, राजस्थान परमाणु  
विद्युत परियोजना ।

सुरक्षा अधिकारी, राजस्थान विद्युत् परमाणु  
विद्युत परियोजना ।

[संख्या 7/2(3)/69-पी० पी०]

जी० एल० गर्ग, अव्वर सचिव ।

## MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Mines and Metals)

New Delhi, the 10th September 1970

**G.S.R. 1725.**—The following draft of Coal Board Contributory Provident Fund Rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 17 of the Coal Mines (Conservation and Safety) Act, 1952 (12 of 1952), is published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 10th October, 1970.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the said date will be considered by the Central Government.

### *Draft Rules*

#### COAL BOARD CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND RULES, 1970.

##### *Short title and Definitions*

**1. Short title and commencement.**—(i) These Rules may be called the Coal Board Contributory Provident Fund Rules, 1970. (ii) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1965.

**2. Definitions.**—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

- (i) "BOARD" means the Coal Board constituted under section 4 of the Coal Mines [Conservation and Safety Act, 1952 (12 of 1952)]
- (ii) "CHAIRMAN" means the Chairman of the Board;
- (iii) "SECRETARY" means the Secretary of the Board;
- (iv) "emoluments" means pay, leave salary, or subsistence grant, as defined in the Fundamental Rules and include—
  - (a) dearness pay appropriate to pay, leave salary, or subsistence grant, if admissible;
  - (b) any wages paid by the Board to employees not remunerated by fixed monthly pay, and
  - (c) any remuneration of the nature of pay received in respect of foreign service;



(v) "family" means,—

(a) in the case of a male subscriber the wife or wives and children of a subscriber, and the widow or widows and children of a deceased son of the subscriber;

Provided that if a subscriber proves that his wife has been judicially separated from him or has ceased under the customary law of the community to which she belongs to be entitled to maintenance she shall henceforth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these rules relate, unless the subscriber subsequently intimates in writing to the Secretary she shall continue to be so regarded;

(b) in the case of a female subscriber, the husband and children of the subscriber and the widow or widows and children of a deceased son of the subscriber;

Provided that if a subscriber by notice in writing to the Secretary expresses her desire to exclude her husband from family, the husband shall henceforth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these rules relate, unless the subscriber subsequently cancels such notice in writing;

NOTE:—Child means a legitimate child and includes an adopted child where adoption is recognised by the personal law governing the subscriber;

(vi) "FUND" means the Coal Board Contributory Provident Fund;

(vii) "leave" means, any variety of leave recognised by the Fundamental Rules or the Civil Service Regulations or the Revised Leave Rules, 1933, or any other rules adopted by the Board, whichever may be applicable to the subscriber;

(viii) "schedule" means a schedule appended to these rules,

(ix) "servant of the Board" means a salaried officer or servant of the Board other than a person in the service of the Central Government or State Government whose services have been lent or transferred to the Board;

(x) "YEAR" means a financial year.

(2) Any other expression used in these rules which is defined either in the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), or in the Fundamental Rules is used in the sense therein defined.

(3) Nothing in these rules shall be deemed to have effect of terminating the existence of the Contributory Provident Fund as heretofore existing or of constituting any new Fund.

**3. Constitution of the Fund.**—(1) The Fund shall be maintained in rupees.

(2) All sums paid into the Fund under these rules shall be credited in the books of the Board to an account named "The Coal Board Contributory Provident Fund Account". Sums of which payment has not been taken within six months after they become payable under these rules shall be transferred to "Deposits" after the 31st March of the year and treated under the ordinary rules relating to Deposits.

**4. Conditions of eligibility.**—(1) These rules shall apply to every non-pensionable servant of the Board belonging to any of the services under the control of the Board, who—

(a) has been admitted to it or those employees transferred to the Board from any Department of the Government of India before these rules came into force, to the benefits of the Coal Board Contributory Provident Fund Rules; or

(b) may be admitted by Board to the Fund after these rules come into force;

Provided that these rules shall not apply to any such servant of the Board between whom and the Board an agreement subsists in respect of a provident fund other than an agreement providing for the application to him of these rules, and in the case of an agreement so providing shall apply subject to the terms of such agreement.

(2) Every servant of the Board to whom these rules apply shall be subscriber to the Fund.

(3) If a servant of the Board admitted to the benefits of the Fund was previously a subscriber to any other Contributory or non-Contributory Provident Fund of the Board, the amount of his subscriptions and Board's contribution in other Contributory Provident Fund or the amount of the subscription in the non-Contributory Provident Fund, as the case may be, together with interest thereon shall be transferred to his credit in the Fund:

Provided that the provision of this sub-rule shall not apply to a person who has retired and subsequently re-employed, with or without a break in service, or to a person who was holding the former appointment on contract.

#### *Nominations*

5. **Nominations.**—(1) A subscriber shall, at the time of joining the Fund, send to the Secretary a nomination, conferring on one or more persons the right to receive the amount that may stand to his credit in the Fund in the event of his death before that amount has become payable, or having become payable, has not been paid:

Provided that if, at the time of making the nomination the subscriber has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family:

Provided further that the nomination made by the subscriber in respect of any other Provident Fund to which he was subscribing before joining the fund, shall, if the amount to his credit in such other fund has been transferred to his credit in this fund, be deemed to be a nomination duly made under this rule until he makes a nomination in accordance with this rule.

(2) If a subscriber nominates more than one person under sub-rule (1), he shall specify in the nomination the amount or share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole of the amount that may stand to his credit in the Fund at any time.

(3) Every nomination shall be in such one of the Form specified in the First Schedule and the Second Schedule as is appropriate in the circumstances.

(4) A subscriber may at any time cancel a nomination by sending a notice in writing to the Secretary. The subscriber shall along with such notice or separately send a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

(5) A subscriber may provide in a nomination—

(a) in respect of any specified nominee that in the event of his predeceasing the subscriber, the right conferred upon that nominee shall pass to such other person or persons as may be specified in the nomination provided that such other person or persons shall, if the subscriber has other members of his family, be such other member or members. Where the subscriber confers such a right on more than one person under this clause, he shall specify the amount or share payable to each of such persons in such a manner as to cover the whole of the amount payable to the nominees.

(b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein:

Provided that if at the time of making the nomination the subscriber has no family, he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family:

Provided further that if at the time of making the nomination the subscriber has only one member of the family, he shall provide in the nomination and the right conferred upon the alternate nominee

under clause (a) shall become invalid in the event of his subsequently acquiring other member or members in family.

(6) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (a) of sub-rule (5) or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (b) of sub-rule (5) or the provisos thereto, the subscriber shall send to the Secretary a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

(7) Every nomination made and every notice of cancellation given, by a subscriber shall, to the extent that it is valid, take effect, on the date on which it is received by the Secretary.

#### *Subscriber' Account*

**6. Subscriber's Account.**—An account shall be opened in the name of each subscriber, in which shall be shown—

- (i) the subscriber's subscription;
- (ii) contributions made under rule 11 by the Board to his account;
- (iii) interest, as provided by rule 12 on subscriptions;
- (iv) interest, as provided by rule 12 on contributions; and
- (v) advances and withdrawals from the Fund.

#### *Conditions of Subscriptions*

**7. Conditions of subscriptions.**—(1) Every subscriber shall subscribe monthly to the Fund when on duty or foreign service but not during a period of suspension:

Provided that a subscriber on re-instatement after a period passed under suspension shall be allowed the option of paying in one sum, or in instalments, any sum not exceeding the maximum amount of arrears of subscriptions permissible for that period.

(2) A subscriber may, at his option, not subscribe during any period of leave other than leave on average pay or earned leave of less than one month or 30 days' duration, as the case may be.

(3) The subscriber shall before he proceeds on leave intimate his election to the Secretary not to subscribe during leave and failure to give due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe.

The option of a subscriber intimated under this sub-rule shall be final.

(4) A subscriber who has, under sub-rule (2) of rule 18 withdrawn the amount of subscriptions and interest thereon, shall not subscribe to the Fund after such withdrawal, unless he returns to duty.

#### *Rates of Subscription*

**8. Rates of subscriptions.**—(1) The amount of subscription shall be fixed by the subscriber himself subject to the following conditions, namely:—

- (a) it shall be expressed in whole rupee;
- (b) it may be any sum, so expressed, not less than 8 1/3 per cent of his emoluments and not more than his emoluments.

(2) For the purposes of sub-rule (1), the emoluments of a subscriber shall be—

(a) in the case of a subscriber who was in Board's service on the 31st March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on that date.  
Provided that—

- (i) if the subscriber was on leave on the said date and elected not to subscribe during such leave or was under suspension on the said date, his emoluments shall be the emoluments to which he was entitled on the first day after his return to duty;

- (ii) if the subscriber was on deputation out of India on the said date or was on leave on the said date and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, his emoluments shall be the emoluments to which he would have been entitled had he been on duty in India;
  - (iii) if the subscriber joined the Fund for the first time on a day subsequent to the said date, his emoluments shall be the emoluments to which he was entitled on such subsequent date;
- (b) in the case of a subscriber who was not in Board's service on the 31st March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on the first day on his service or if he joined the Fund for the first time on a date subsequent to the first day of his service, the emoluments to which he was entitled on such subsequent date:

Provided that, if the emoluments of the subscriber are of a fluctuating nature, they shall be calculated in such manner as the Chairman may direct.

(3) The subscriber shall intimate the fixation of the amount of his monthly subscription in each year in the following manner:—

- (a) if he was on duty on the 31st March of the preceding year by the deduction which he makes in this behalf from his pay bill for that month;
- (b) if he was on leave on the 31st March of the preceding year and elected not to subscribe during such leave, or was under suspension on that date, by the deduction which he makes in this behalf from his first pay bill after his return to duty;
- (c) if he has entered Board's service for the first time during the year, or joins the Fund for the first time, by the deduction which he makes in this behalf, from his pay bill for the month during which he joins the Fund;
- (d) if he was on leave on the 31st March of the preceding year, and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, by the deduction which he causes to be made in this behalf from his salary bill for that month;
- (e) if he was on foreign service on the 31st March of the preceding year, by the amount credited by him into the treasury on account of subscription for the month of April in the current year;
- (f) if his emoluments are of the nature referred to in the proviso to sub-rule (2), in such manner as the Chairman may direct.

(4) The amount of subscription so fixed may be enhanced or reduced once at any time during the course of a year:

Provided that when the amount of subscription is so reduced, it shall not be less than the minimum prescribed in sub-rule (1):

Provided further that if a subscriber is on duty for a part of a month and on leave for the remainder of that month, and if he has elected not to subscribe during leave, the amount of the subscription payable shall be proportionate to the number of days spent on duty in the month.

**9. Transfer to Foreign Service or deputation out of India.**—When a subscriber is transferred to foreign service or sent on deputation out of India, he shall remain subject to the rules of the Fund in the same manner as if he were not so transferred or sent on deputation

#### *Realisation of Subscription*

**10. Realisation of subscriptions.**—(1) The Board shall have power to deduct from the emoluments of any subscriber the subscription due from him and the principal and interest on any advance, made to him from the Fund.

(2) When emoluments are drawn from any source other than the Board's funds the subscriber shall forward his dues monthly to the Secretary.

*Contribution by the Board*

**11. Contribution by the Board.**—(1) The Board shall on the 31st March of each year make a contribution to the account of each subscriber. Provided that if a subscriber quits the service or dies during the year, contribution shall be credited to his account for the period between the close of the preceding year and the date of the casualty:

Provided further that no contribution shall be payable in respect of any period for which the subscriber is permitted under the rules not to, or does not, subscribe to the Fund.

(2) The contribution shall be such percentage of the subscriber's emoluments drawn on duty during the year or period, as the case may be, as has been or may be prescribed by Government under sub-rule (2) of Rule 11 of the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962:

Provided that if, through oversight or otherwise, the amount subscribed is less than the minimum subscription payable by the subscriber under sub-rule (1) of rule 8 and if the short subscription together with interest accrued thereon is not paid by the subscriber within such time as may be specified by the authority competent to sanction an advance for the grant of which, special reasons are required under clause (b) of rule 13, the contribution payable by the Board shall be equal to the amount actually paid by the subscriber or the amount normally payable by Board, whichever is less unless the Board, in any particular case, otherwise directs.

(3) If a subscriber is on deputation out of India, the emoluments which he would have drawn had he been on duty in India shall, for the purposes of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.

(4) Should a subscriber elect to subscribe during leave, his leave salary shall, for the purposes of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.

(5) Should a subscriber elect to pay arrears of subscriptions in respect of a period of suspension the emoluments or portion of emoluments which may be allowed for that period on reinstatement shall, for the purpose of this rule, be deemed to be the emoluments drawn on duty.

(6) The amount of any contribution payable in respect of a period of foreign service shall, unless it is recovered from the foreign employer, be recovered by the Board from the subscriber.

(7) The amount of contribution payable shall be rounded to the nearest whole rupee (fifty paise counting as the next higher rupee).

*Interest*

**12. Interest.**—(1) The Board shall pay to the credit of the account of the subscriber interest at such rate as Government may from time to time prescribe for the purpose of the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, on the amount to his credit in the Fund.

(2) Interest shall be credited with effect from the 31st March of each year in the following manner:—

(i) on the amount at the credit of a subscriber on the 31st March of the preceding year, less any sums withdrawn during the current year, interest for twelve months.

(ii) on sums withdrawn during the current year interest from the 1st April of the current year up to the last day of the month preceding the month of withdrawal.

(iii) on all sums credited to the subscriber's account after the 31st March of the preceding year interest from the date of deposit up to the 31st March of the current year;

(iv) the total amount of interest shall be rounded to the nearest rupee in the manner provided in sub-rule (7) of rule 11:

Provided that when the amount standing to the credit of a subscriber has become payable, interest shall thereupon be credited under this sub-rule in respect only of the period from the beginning of the current year or from the date of deposit, as

the case may be, up to the date on which the amount standing to the credit of the subscriber became payable.

(3) For the purposes of this rule the date of deposit shall in the case of recoveries from emoluments, be deemed to be the first day of the month in which they are recovered; and, in the case of amount forwarded by the subscriber, shall be deemed to be the first day of the month of receipt, if they are received by the Secretary before the fifth day of that month, or, if they are received on or after the fifth day of that month, the first day of the next succeeding month:

Provided that where there has been a delay in the drawal of pay or leave salary and allowances of a subscriber and consequently in the recovery of his subscription towards the Fund, the interest on such subscriptions shall be payable from the month in which the pay or leave salary of the subscriber was due under the rules, irrespective of the month in which it was actually drawn.

(4) In addition to any amount to be paid under rule 21, interest thereon up to the end of the month preceding that in which payment is made, or upto the end of the sixth month after the month in which such amount became payable, whichever of these periods be less, shall be payable to the person to whom such amount is to be paid:

Provided that no interest shall be paid in respect of any period after the date which the Secretary has intimated to that person (or his agent) as the date on which he is prepared to make payment in cash, or if he pays by cheque after the date on which the cheque, in that person's favour, is put in the post.

(5) Interest shall not be credited to the account of a subscriber if he informs the Secretary that he does not wish to receive it; but if he subsequently asks for interest, it shall be credited with effect from the 1st April of the year in which he asks for it.

#### *Advance from the Fund*

**13. Advance from the Fund.**—A temporary advance may be granted to a subscriber from the amount standing to his credit in the Fund at the discretion of the appropriate authority specified in the Third Schedule, subject to the following conditions:—

(a) No advance shall be granted unless the sanctioning authority is satisfied that the applicant's pecuniary circumstances justify it, and that it will be expended on the following object or objects and not otherwise:—

- (i) to pay expenses in connection with the illness, confinement or disability including where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any person actually dependent on him;
- (ii) to pay for the overseas passage for reasons of health or education of the applicant or any person actually dependent on him;
- (iii) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the status which by customary usage the subscriber has to incur in connection with marriages or other ceremonies of himself or of his children or of any other person actually dependent on him;

Provided that the condition of actual dependence shall not apply in the case of a son or daughter of the subscriber:

Provided further that the condition of actual dependence shall not apply in the case of an advance required to meet the funeral expenses of the parent of a subscriber:

- (iv) to pay for education *outside India* for an academic, technical, professional or vocational course of the applicant or any person actually dependent on him;
- (v) to pay for medical, engineering and other technical or specialised courses *in India* beyond the High School stage, provided that the course of study is not less than three years of the applicant or any person actually dependent on him;
- (vi) to meet the cost of legal proceedings instituted by the subscriber for vindicating his position in regard to any allegations made against him

in respect of any act done or purporting to be done by him in the discharge of his official duty, the advance in this case being available in addition to any advance from the Board admissible for the same purpose:

Provided that the advance under this sub-clause shall not be admissible to a subscriber who instituted legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his official duty or against the Board or the Government in respect of any condition of service or penalty imposed on him;

(vii) to meet the cost of his defence where the subscriber is prosecuted by the Board or by the Government in any court of law or where the subscriber engages a legal practitioner to defend himself in an enquiry in respect of any alleged official misconduct on his part.

(b) An advance shall not, except for special reasons, exceed three months pay, and shall in no case exceed the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

NOTE.—For the purpose of this rule, pay includes dearness, pay, where admissible.

(c) An advance shall not, except for special reasons, be granted until at least twelve months after the final repayment of a previous advance together with interest thereon.

(d) The sanctioning authority shall record in writing the reasons for granting the advance:

Provided that if the reason is of a confidential nature it may be communicated to the sanctioning authority personally and or confidentially.

#### *Recovery*

#### **14. Recovery of advance and recovery in the case of wrongful use of advance.—**

(1) An advance shall be recovered from the subscriber in such number of equal monthly instalments as the sanctioning authority may direct, but such number shall not be less than twelve unless the subscriber so elects, and more than twenty-four. In special cases where the amount of advance exceeds three months' pay of the subscriber under clause (b) of rule 13, the sanctioning authority may fix such number of instalments to be more than twenty-four but in no case more than thirty-six. A subscriber may, at his option, make repayment in a smaller number of instalments than that prescribed. Each instalment shall be a number of whole rupees, the amount of the advance being raised or reduced if necessary, to admit of the fixation of such instalments.

(2) Recovery shall be made in the manner provided in rule 10 for the realisation of subscription and shall commence on the first occasion after the advance is made on which the subscriber draws emoluments, other than leave salary or subsistence grant for a full month. Recovery shall not be made, except with the subscriber's consent, while he is in receipt of subsistence grant or is on leave other than leave on average pay or earned leave of less than one month or 30 days' duration, as the case may be. The recovery may be postponed, on the subscriber's written request, by the sanctioning authority during the recovery of an advance of pay granted to the subscriber.

(3) If more than one advance has been made to a subscriber, each advance shall be treated separately for the purpose of recovery.

(4) (a) After the principal of the advance has been fully repaid, interest shall be paid thereon at the rate of one fifth per cent of the principal for each month or broken portion of a month during the period between the drawal and complete repayment of the principal:

Provided that subscribers whose deposits in the Fund carry no interest shall not be required to pay into the Fund any additional instalments on account of interest on advances granted to them from the Fund.

(b) Interest shall ordinarily be recovered in one instalment in the month after complete repayment of the principal, but, if the period referred to in clause (a) exceeds twenty months, interest may, if the subscriber so desires, be recovered in two equal monthly instalments. The method of recovery shall be that provided in sub-rule (2). Payment shall be rounded to the nearest rupee in the manner provided in sub-rule (7) of rule 11.

(5) Recoveries made under this rule shall be credited, as they are made, to the account of the subscriber in the Fund.

(6) If an advance has been granted to a subscriber and drawn by him and the advance is subsequently disallowed before repayment is completed, the whole or balance of the amount withdrawn, shall, with interest at the rate provided in rule 12, forthwith be repaid by the subscriber to the Fund or in default, be ordered by the Secretary to be recovered by deduction from the emoluments of the subscriber in a lump sum or in monthly instalments not exceeding twelve, as may be directed by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under clause (b) of rule 13:—

Provided that subscriber whose deposits in the Fund carry no interest shall not be required to pay any interest.

(7) Notwithstanding anything contained in these rules, if the sanctioning authority is satisfied that money drawn as an advance from the Fund under rule 13 has been utilised for a purpose other than that for which sanction was given to the drawal of the money, the amount in question, shall with interest at the rate provided in rule 12 forthwith be repaid by subscriber to the Fund or in default, be ordered to be recovered by deduction in one sum from the emoluments of the subscriber even if he be on leave. If the total amount to be repaid be more than half the subscriber's emoluments recoveries shall be made in monthly instalments of moieties of his emoluments till the entire amount is repaid by him.

NOTE.—The term "emoluments" in this rule does not include subsistence grant.

#### *Withdrawal from the fund*

15. **Withdrawal from the Fund.**—Withdrawals may be sanctioned by the authorities competent to sanction an advance for special reasons under clause (b) of rule 13 at any time after the completion of twenty years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or ten years before the date of his retirement or superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund for one or more of the following purposes, namely:—

(a) meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of any child of the subscriber in the following cases, namely:—

(i) for education outside India for academic technical, professional or vocational course beyond the High School stage, and

(ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage, provided that the course of study is for not less than three years,

(b) meeting the expenditure in connection with the marriage of a son or a daughter of the subscriber or of any other female relation dependent on him.

(c) meeting the expenses in connection with the illness, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any person actually dependent on him;

(d) building or acquiring a suitable house for his residence including the cost of the site or repaying any outstanding amount on account of the loan expressly taken for this purpose or reconstructing, or making additions or alternations to a house already owned or acquired by a subscriber;

(e) purchasing a house site or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose before the date of receipt of the application for withdrawal but not earlier than twelve months of that date;

(f) for constructing a house on a site purchased utilising the sum withdrawn under clause (e).

NOTE.—A subscriber who has availed himself of an advance under the scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other source from the Board, shall be eligible for the grant of final withdrawal under sub-clauses (d), (e) and (f), for the purpose specified therein and also for the purpose of repayment of any loan taken under the aforesaid scheme subject to the limit specified in the proviso to sub-rule (1) of rule 16.



*Conditions for Withdrawal*

**16. Conditions for withdrawal.**—Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purposes specified in rule 15 from the amount standing to his credit in the Fund shall not ordinarily exceed one half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund or six months' pay, whichever is less. The sanctioning authority may, however, sanction the withdrawal of an amount in excess of this limit upto three-fourth of the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund having due regard to (i) the object for which the withdrawal is being made (ii) the status of the subscriber and (iii) the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund:

Provided that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other source from the Board, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid scheme or the assistance taken from any other source from the Board shall not exceed Rs. 75,000 or five years' pay, whichever is less.

(2) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under rule 15 shall satisfy the sanctioning authority within a reasonable period as may be specified by that authority that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn, and if he fails to do so the whole of the sum so withdrawn or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn, shall forthwith be repaid in one lump sum together with interest thereon at the rate determined under rule 12 by the subscriber to the Fund, and in default of such payment, it shall be ordered by the sanctioning authority to be recovered from his emoluments either in a lump sum or in such number of monthly instalments, as may be determined by the Chairman.

(3) Nothing in sub-rule (2) shall be deemed to require a subscriber whose deposits in the Fund carry no interest, to pay any interest on any sum repayable by him under that sub-rule.

**17. Conversion of an advance into a withdrawal.**—A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under rule 13 for any of the purposes specified in clause (a), (b) and (c) of sub-rule (1) of rule 15 may convert, at his discretion, by written request addressed to the Secretary through the sanctioning authority the balance outstanding against it into a final withdrawal on his satisfying the conditions laid down in rules 15 and 16.

**18. Final withdrawal of accumulations in the Fund in certain cases and in the case of retirement of subscriber.**—(1) When a subscriber quits the service of the Board, the amount standing to his credit in the Fund shall, subject to any deduction under rule 20 become payable to him:—

Provided that a subscriber, who has been dismissed from the service and is subsequently reinstated in the service, shall, if required to do so by the Board, repay any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule with interest thereon at the rate provided in rule 12 in the manner provided in sub-rule (2). The amount so repaid shall be credited to his account in the Fund, the part which represents his subscriptions and interest thereon, and the part which represents the Board's contribution with interest thereon, being accounted for in the manner provided in rule 6.

*Explanation I.*—A subscriber who is granted refused leave shall be deemed to have quit the service from the date of compulsory retirement or on the expiry of an extension of service.

*Explanation II.*—A subscriber other than one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently re-employed, with or without a break in service, shall not be deemed to quit the service when he is transferred without any break in service to a new post under a State Government or in another department of the Central Government (in which he is governed by another set of Provident Fund Rules) and without retaining any connection with his former

post. In such a case, his subscription and the Board's contribution together with interest thereon, shall be transferred, with the consent of that body—

- (a) to his account in the other Fund in accordance with the rules of that Fund, if the new post is in another department of the Central Government, or
- (b) to a new account under the State Government concerned, if the new post is under a State Government and the State Government consents, by general or special order, to such transfer of his subscription, the Board's contribution and interest.

**NOTE.**—Transfers should be held to include cases of resignations from service in order to take up appointment in another Department of the Central Government or under the State Government without any break and with proper permission of the Board. In cases where there has been a break in service, it shall be limited to the joining time allowed on transfer to a different station.

The same shall hold good in cases of retrenchments followed by immediate employment whether under the Board or different Government.

**Explanation III.**—When a subscriber is transferred, without any break, to the services under a body corporate owned or controlled by Government, the amount of subscription and the Board's contribution, together with interest thereon shall not be paid to him but shall be transferred with the consent of that body, to his new provident Fund account under that body.

(2) When a subscriber—

- (a) has proceeded on leave preparatory to retirement, or
- (b) While on leave, has been permitted to retire or declared by competent medical authority to be unfit for further service, the amount of subscription and interest thereon standing to his credit in the Fund, shall, upon application made by him in that behalf to the Secretary, become payable to the subscriber :

Provided that the subscriber, if he returns to duty, shall, if required to do so by the Board, repay to the Fund, for credit to his account, the whole or part of any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule, with interest thereon at the rate provided in rule 12 in cash or securities, or partly in cash and partly in securities, by instalments or otherwise, by recovery from his emoluments or otherwise as may be directed by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under clause (b) of rule 13.

**19. Procedure on death of subscriber.**—Subject to any deduction under rule 20, on the death of a subscriber, before the amount standing to his credit has become payable, or where the amount has become payable, before payment has been made :

(1) When the subscriber leaves a family—

- (a) if a nomination made by the subscriber in accordance with the provisions of rule 5 in favour of a member or members of his family subsists, the amount standing to his credit in the fund or the part thereof to which the nomination relates shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination;
- (b) if no such nomination in favour of a member or members of the family of the subscriber subsists or if such nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund, the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person or persons other than a member or members of his family become payable to the members of his family in equal shares :

Provided that no share shall be payable to—

- (1) sons who have attained legal majority;
- (2) sons of a deceased son who have attained legal majority;

(3) married daughters whose husbands are alive;

(4) married daughters of a deceased son whose husbands are alive;

if there is any member of the family other than those specified in clauses (1), (2), (3) & (4) :

Provided also that the widow or widows and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he had survived the subscriber and had been exempted from the provisions of clause (1) of the first proviso.

**Note.**—Any sum payable under these rules to a member of the family of a subscriber vests in such member under sub-section (2) of section 3 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925).

(ii) When the subscriber leaves no family, if a nomination made by him in accordance with the provisions of rule 5 in favour of any person or persons subsists, the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination.

**Note 1.**—When a nominee is a dependant of the subscriber as defined in clause (c) of section 2 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the amount vests in such nominee under sub-section (2) of section 3 of that Act.

**Note 2.**—When the subscriber leaves no family and no nomination made by him in accordance with the provisions of rule 5 subsists, or if such nomination relates only to part of the amount standing to his credit in the Fund, the relevant provisions of clause (b) and of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 4 of the Provident Funds Act, 1925, (19 of 1925) are applicable to the whole amount or to part thereof to which the nomination does not relate.

#### *Deductions*

**20. Deductions.**—Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than the amount of any contribution by the Board with interest thereon credited under rules 11 and 12 before the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund is paid out of the Fund, the Chairman may direct the deduction therefrom and payment to the Board of—

(a) any amount, if a subscriber has been dismissed from the service for grave misconduct :

Provided that, if the order of dismissal is subsequently cancelled, the amount so deducted shall, on his reinstatement in the service, be replaced to his credit in the Fund;

(b) any amount, if a subscriber resigns his employment under the Board within five years of the commencement thereof, otherwise than by reasons of superannuation or a declaration of competent medical authority he is unfit for further service;

(c) any amount due under a liability incurred by the subscriber to the Board.

**Note 1.**—For the purpose of clause (b) of this rule the period of 5 years shall be reckoned from the commencement of the subscriber's continuous service under the Board.

**Note 2.**—For the purpose of clause (b) of this rule resignation from service in order to take-up appointment in another department of the Central Government or under the State Government or under a body corporate owned or Controlled by Government without any break or with proper permission of the Board shall not be treated as resignation from Board service.

**21. Fund of amount in the Fund.**—(1) When the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund, or the balance thereof after any deduction under rule 20 becomes payable, it shall be the duty of the Secretary, after satis-

tying himself, when no such deduction has been directed under that rule, that no deduction is to be made to make payment as provided in section 4 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925).

(2) If the person to whom under these rules, any amount is to be paid is a lunatic for whose estate a manager has been appointed in this behalf under the Indian Lunacy Act, 1912 (4 of 1912), the payment will be made to such manager and to the lunatic.

(3) Any person who desires to claim payment under this rule shall send a written application in that behalf to the Secretary.

**Note.**—When the amount standing to the credit of a subscriber has become payable under rules 18 or 19, the Secretary shall authorise prompt payment of that portion of the amount standing to the credit of a subscriber in regard to which there is no dispute or doubt, the balance being adjusted as soon after as may be.

**22. Procedure for payment of amount in the Fund.**—(1) All sums paid into and from the Fund under these rules shall be accounted for in the books of the Board in an account named "The Coal Board Contributory Provident Fund Account".

(2) Such accounts shall be examined and audited by the auditors appointed under sub-section (2) of section 12 of the Coal Mines (Conservation and Safety) Act, 1952, (12 of 1952).

(3) All expenses of the Fund shall be met by the Board from the income of the Fund, as the Board may direct.

(4) The custody and disbursal of the Fund shall be regulated exactly in the same manner as the Coal Mines Safety and Conservation Fund.

**23. Annual statement of account to be supplied to subscriber.**—(1) As soon as possible after the 31st March of each year, the Secretary, shall send to each subscriber his pass book or a statement of his account in the Fund, showing the opening balance as on the 1st April of the year, the total amount of interest credited as on the 31st March of the year and the closing balance on that date. The Secretary shall attach to the statement of account an enquiry whether the subscriber—

(a) desire to make any alteration in any nomination made under rule 5;

(b) has acquired a family (in cases where the subscriber has made no nomination in favour of a member of his family under sub-rule (2) of rule 5).

(c) subscribers should satisfy themselves as to the correctness of their pass books or the annual statement and errors should be brought, to the notice of the Secretary within three months from the date of receipt of the pass book or the statement.

**24. Agreement by the subscriber.**—Every subscriber shall sign an agreement in the Form specified in the Fourth Schedule, agreeing to abide and be bound by those rules.

**25. Winding up of the Fund.**—(1) The fund may be wound up by resolution of the Board approved by the Central Government.

(2) On the winding up of the Fund the assets shall be realised and distributed amongst subscribers in accordance with their accounts.

#### *Pensionable Services*

**26. Procedure on Transfer to Pensionable Service.**—(1) If a subscriber is permanently transferred to pensionable service under the Board, he shall at his option, be entitled—

(a) to continue to subscribe to the fund, in which case he shall not be entitled to any pension; or

(b) to earn pension in respect of such pensionable service in which case, with effect from the date of his permanent transfer.—

- (i) he shall cease to subscribe to the Fund;
- (ii) the amount of contributions by the Board with interest thereon standing to his credit in the Fund shall be repaid to the Board;
- (iii) the amount of subscriptions together with interest thereon standing to his credit in the Fund shall be transferred to his credit in the General Provident Fund to which thereafter he shall subscribe in accordance with the rules of that Fund; and
- (iv) he shall be entitled to count towards pension such part of the period as the Board may determine.

(2) A subscriber shall communicate his option under sub-rule (1) by a letter to the Secretary within three months of the date of the order transferring him permanently to pensionable service, and, if no communication is received by the Secretary within that period, the subscriber shall be deemed to have exercised his option in the manner referred to in clause (a) of that sub-rule.

#### General

27. **Relaxation of the provisions of the rules in individual cases.**—When the Chairman is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a subscriber, he may, notwithstanding anything contained in these rules deal with the case of such subscriber in such manner as may appear to him to be just and equitable.

28. **Amendment to the rules.**—No amendments to these Rules shall be made without the previous sanction of the Central Government.

29. **Interpretation.**—If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government whose decision thereon shall be final.

#### THE FIRST SCHEDULE

[See rule 5 (3)]

##### *Form of Nomination when Subscriber has a Family*

I hereby direct that the amount at my credit in the Coal Board Contributory Provident Fund at the time of my death shall be distributed among the members of my family mentioned below in the manner shown against their names:

Name and address of the nominee or nominees.	Relationship with the subscriber.	Age of the nominee.	Amount of share of accumulations.
----------------------------------------------	-----------------------------------	---------------------	-----------------------------------

Two witnesses to signature

Signature of Subscriber

Station .....

Date .....

Note: Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit.

## THE SECOND SCHEDULE

[See rule 5 (3)]

*Form of Nomination when Subscriber has no Family*

I hereby declare that I have no family and direct that the amount at my credit in the Coal Board Contributory Provident Fund at the time of my death, shall in the event of my having no family be distributed among the persons mentioned below in the manner shown against their names.

Name and address of the nominee or nominees.	Relationship if any with the subscriber.	Age of the nominee.	Amount of share of accumulations.
(1)	(2)	(3)	(4)

Two witnesses to signature

Signature of Subscriber

Station .....

Date .....

Note: Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit.

## THE THIRD SCHEDULE

[See rule 13]

*Authorities Competent to Grant Temporary Advances*

An advance for the grant of which special reasons are not required under clause (b) or clause (c) of rule 13 may be sanctioned by the Secretary of the Board.

2. An advance for the grant of which special reasons are required under clause (b) or clause (c) of rule 13 may be sanctioned by the Chairman of the Board.

THE FOURTH SCHEDULE

[See rule 24]

THE COAL BOARD

*The Coal Board Contributory Provident Fund  
Form of Agreement*

I hereby declare that I have read the Coal Board Contributory Provident Fund Rules, 1970, and that I agree to abide and be bound by them.

Dated ..... day on ..... 19  
at .....

Name in full .....

Date of Birth .....

Date of joining appointment .....

Nature of appointment .....

Salary per mensem ..... Rupees.....

Signature

Station .....

Date .....

Station .....

Witnesses.

(1) Name .....

Address .....

Occupation .....

(2) Name .....

Address .....

Occupation .....

Sd./- .....

(F. No. ....)

[No. C5-1(2)/65-C4.]

V. K. HARURAY, Dy. Secy.

## पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय

## (खान तथा धातु विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1970

सां०का०नि० 1725.—कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्यनिधि नियम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार कोयला खान (संरक्षण एवं सुरक्षा) अधिनियम, 1952 (1952 का 12) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित, उक्त द्वारा प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 10 अक्टूबर, 1970 को अथवा तत्पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के बारे में किसी व्यक्ति से उक्त तारीख से पूर्व प्राप्त किसी आक्षेप अथवा सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा।

## नियमों का प्रारूप

कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि नियम, 1970 संक्षिप्त नाम एवं परिभाषा

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) ये नियम कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि नियम 1970 कहे जा सकेंगे।

(ii) ये 1 अप्रैल, 1965 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. परिभाषाएं.—(i) इन नियमों में, जब तक कोई बात विषय या संदर्भ से विरुद्ध न हो;

(i) “बोर्ड” से कोयला खान (संरक्षण एवं सुरक्षा) अधिनियम, 1952 (1952 का 12) की धारा 4 के अधीन गठित कोयला बोर्ड अभिप्रेत है;

(ii) “अध्यक्ष” से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(iii) “सचिव” से बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है;

(iv) “उपलब्धियों” से मौलिक नियमों में यथापरिभाषित वेतन, छुट्टी संबलन या जीवन निर्वाह अनुदान अभिप्रेत है तथा उसके अन्तर्गत—

(क) मंहगाई वेतन, जो वेतन की दृष्टि से समुचित हो, छुट्टी संबलन या जीवन निर्वाह अनुदान, यदि अनुज्ञेय हो;

(ख) बोर्ड द्वारा ऐसे कर्मचारियों को दी गई कोई मजदूरी, जिन्हें पारिश्रमिक के रूप में नियत मासिक वेतन नहीं दिया जाता है; तथा

(ग) वेतन रूपी कोई पारिश्रमिक जो सेवा की बाबत प्राप्त किया जाता है; आते हैं;

(V) “कुटुम्ब” से—

(क) पुरुष योगदाता की वशा में, योगदाता की पत्नी या पत्नियों और पुत्र-पुत्री तथा योगदाता के मृत पुत्र की विधवा या विधवाएं और पुत्र-पुत्री अभिप्रेत हैं;



परन्तु यदि योगदाता यह साबित कर देता है कि उसकी पत्नी उससे न्यायिकतः पृथक् हो गई है या उस समुदाय की जिसकी कि वह है, रूढ़िजन्य विधि के अधीन भरण-पोषण की हकदार नहीं रहीं है तो उसकी बाबत तब से यह समझा जायेगा कि जिन मामलों से ये नियम सम्बद्ध हैं उन में यह योगदाता के कुटुम्ब की सदस्या नहीं रह गई है जब तक कि योगदाता पश्चात् सचिव को लिखित रूप में यह प्रस्थापित नहीं कर देता कि वह पत्नी समझी जाती रहे ;

- (ख) स्त्री योगदाता की दशा में योगदाता का पति और पुत्र-पुत्री और योगदाता के मृत पुत्र की विधवा या विधवाएं और पुत्र-पुत्री अभिप्रेत हैं ;

परन्तु यदि योगदाता अपने पति को अपने कुटुम्ब में अपवर्जित करने की वांछा सचिव को लिखित सूचना द्वारा अभिव्यक्त करती है तो पति की बाबत तब से यह समझा जायेगा कि जिन मामलों से ये नियम सम्बद्ध हैं उन में वह योगदाता के कुटुम्ब का सदस्य नहीं रह गया है जब तक कि योगदाता तत्पश्चात् ऐसी सूचना को लिखित रूप में रद्द न कर दे ।

**द्विष्यण :—**पुत्र-पुत्री से धर्मज पुत्र-पुत्री अभिप्रेत हैं और जहां कि योगदाता को शामिल करने वाली स्वीय विधि से दत्तक ग्रहण को मान्यता प्राप्त है वहां दत्तक पुत्र-पुत्री उस अन्तर्गत आते हैं ;

- (Vi) “निधि” से कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि अभिप्रेत है ;

- (Vii) “छुट्टी” से ऐसी किसी भी प्रकार की छुट्टी अभिप्रेत है जो मौलिक नियम या सिविल सेवा विनियम या पुनरीक्षित छुट्टी नियम, 1933, या बोर्ड द्वारा अंगीकृत कोई नियम इन में से जो भी योगदाता को लागू हो, द्वारा मान्य हो,

- (Viii) “अनुसूची” से इन नियमों से उगावद्ध कोई अनुसूची अभिप्रेत है ;

- (ix) “बोर्ड के सेवक” से, केन्द्रीय या राज्य सरकार की सेवा में का ऐसा व्यक्ति जिसकी सेवाएं बोर्ड को सौंपी गईं हों, या स्थानान्तरित की गईं हों को छोड़कर, बोर्ड के सम्बलमग्राही आफिसर या सेवक अभिप्रेत है ;

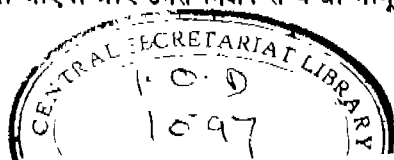
- (X) “वर्ष” से विस्तीय वर्ष अभिप्रेत है ;

- (2) इन नियमों में प्रयुक्त कोई अन्य पद जो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) में, या मौलिक नियमों में परिभाषित है, उनमें परिभाषित अर्थ में ही प्रयुक्त किया गया है ।

- (3) इन नियमों में की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि उसके परिणामस्वरूप अभिदायी भविष्य निधि के, जैसा कि यह एतत्पूर्व से विद्यमान है, अस्तित्व का पर्यवसान होता है या किसी नवीन निधि का गठन होता है ।

3. निधि का गठन.—(1) निधि रूपों में रखी जायेगी ।

- (2) इन नियमों के अधीन निधि में संचित की गई सभी राशियां बोर्ड की पुस्तिका में “कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि लेखा” नाम वाले लेखे में जमा खाता की जायेगी । ये राशियां, जिनका संदाय इन नियमों के अधीन उनके देय हो जाने के पश्चात् छह मास के भीतर नहीं लिया जाता, वर्ष की 31 मार्च के पश्चात् “निधियों को अन्तर्गत कर दी जाएंगी और उनसे निक्षेप सम्बन्धी मामूली नियमों के अधीन खर्चा जायेगा ।



4. **पात्रता की शर्तें.**—(1) ये नियम बोर्ड के नियंत्रणाधीन सेवाओं में से किसी सेवा के ऐसे प्रत्येक गैर-पेंशन भोगी बोर्ड के सेवक को लागू होंगे जिसे—

(क) इन नियमों के प्रवृत्त होने के पूर्व कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि नियम फायदों में सम्मिलित कर लिया गया है ; या जिन कर्मचारियों को भारत सरकार के किसी विभाग से बोर्ड में अन्तरित कर दिया गया हो ; या

(ख) इन नियमों के प्रवृत्त होने के पश्चात् बोर्ड निधि में सम्मिलित कर ले ; परन्तु ये नियम बोर्ड के किसी ऐसे सेवक को लागू नहीं होंगे जिसके और बोर्ड के मध्य भविष्य निधि विषयक ऐसा कोई करार हो, जो इन नियमों को उसे लागू करने का उपबन्ध करने वाले करार से भिन्न हो और ऐसा उपबन्ध करने वाला करार होने की दशा में ये नियम ऐसे करार के निबन्धनों के अध्याधीन ही लागू होंगे ।

(2) बोर्ड का ऐसा हर सेवक जिसे ये नियम लागू होते हैं निधि का अभिदाता होगा ।

(3) यदि निधि के फायदों में सम्मिलित किया गया बोर्ड का कोई सेवक बोर्ड के किसी अन्य अभिदायी या अन-अभिदायी भविष्य निधि का तत्पूर्व योगदाता था तो उस अन्य अभिदायी भविष्य निधि में उसके योगदाता और बोर्ड अभिदायों की रकम या यथास्थिति, अन-अभिदायी भविष्य निधि में उसके अभिदायों की रकम, उस पर व्याज सहित, निधि में के उसके जमा खाते अन्तरित कर दी जायेगी ।

परन्तु कि इस उपनियम के उपबन्ध ऐसे किसी व्यक्ति को, जो सेवा निवृत्त हो चुका है और जो अपने सेवा में विच्छेद सहित या रहित बाध में पुरनियोजित किया गया है या ऐसे व्यक्ति को, जो पूर्ववर्ती नियुक्ति का संविदा पर धारण किये था, लागू नहीं होंगे ।

5. **नामनिर्देशन.**—(1) निधि में सम्मिलित होते समय योगदाता, सचिव को नामनिर्देशन प्रेषित करेगा जिसमें वह एक या अधिक व्यक्तियों को उस रकम को प्राप्त करने का अधिकार देगा, जो देय हो जाने के पूर्व, या देय हो जाने पर यदि वह रकम संवत्स नहीं की गई है तो उतकी मृत्यु हो जाने की दशा में निधि में के उसके जमाखाते में हो ;

परन्तु नामनिर्देशन करते समय यदि योगदाता का कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के सदस्यों में भिन्न किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों के पक्ष में नहीं होगा ;

परन्तु यह और कि ऐसी किसी अन्य भविष्य निधि की बाबत, जिसमें वह निधि में सम्मिलित होने के पूर्व योगदान दे रहा था, योगदाता द्वारा किया गया नामनिर्देशन, यदि ऐसी अन्य निधि में उसके जमाखाते में की रकम इस निधि में उसके जमाखाते में अन्तरित कर दी गई है तो, जब तक कि वह इस नियम के अनुसार नामनिर्देशन नहीं करता है, इस नियम के अधीन सम्यक रूप से किया गया नामनिर्देशन समझा जायेगा ।

(2) यदि उपनियम (1) के अधीन कोई योगदाता एक से अधिक व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट करता है तो, वह नामनिर्देशन में वह रकम या अंश विनिर्दिष्ट करेगा जो प्रत्येक नामनिर्दिष्टी को इस रीति से देय हो कि वह सारी रकम उसके अन्तर्गत आ जाये जो किसी भी समय निधि में उसके जमाखाते में हो ।

(3) प्रत्येक नामनिर्देशन प्रथम अनुसूची और द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूपों में से ऐसे एक प्ररूप में होना जो परिस्थितियों में समुचित हो ।

- (4) योगदाता सचिव को लिखित सूचना भेज कर किसी भी समय नामनिर्देशन रद्द कर सकेगा। योगदाता, ऐसी सूचना के सहित या पृथक् रूप में इस नियम के उपबन्धों के अनुसार किया गया नया नामनिर्देशन भेजेगा।

(5) योगदाता नम निर्देशन में—

- (क) किसी विनिर्दिष्ट नामनिर्देशिनी के बारे में यह उपबन्ध कर सकेगा कि योगदाता के पूर्व उनकी मृत्यु हो जाने की दशा में उस नामनिर्देशिनी को प्रदत्त अधिकार ऐसे अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को चला जाएगा जो नामनिर्देशन से विनिर्दिष्ट किये जाएं, परन्तु यदि योगदाता के कुटुम्ब में उसके अन्य सदस्य हों तो, ऐसा या ऐसे अन्य व्यक्ति ऐसा या ऐसे अन्य सदस्य ही होंगे। जहां कि योगदाता इस खंड के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों को ऐसा अधिकार प्रदान करता है वहां, वह ऐसी एक या अधिक विनिर्दिष्ट करेगा जो ऐसे हर एक व्यक्ति को इस रीति से देय हो कि नामनिर्देशिनी को देय कुल एकम उसके अन्तर्गत आ जाये।

- (ख) यह उपबन्ध कर सकेगा कि उसमें विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना के घटित होने की दशा में नाम निर्देशन अविधिमान्य हो जाएगा।

परन्तु यदि नामनिर्देशन करते समय योगदाता का कोई कुटुम्ब न हो तो वह नामनिर्देशन में उपबन्ध करेगा कि तत्पश्चात् उसका कुटुम्ब हो जाने की दशा में नाम निर्देशन अविधिमान्य हो न जाएगा :

परन्तु यह और कि यदि नामनिर्देशन करते समय योगदाता के कुटुम्ब में केवल एक सदस्य हो तो वह नामनिर्देशन में यह उपबन्ध करेगा कि अनुकल्पिक नामनिर्देशिनी को खण्ड (क) के अधीन प्रदत्त अधिकार, उसके कुटुम्ब में तत्पश्चात् अन्य एक या अधिक सदस्य हो जाने पर, अविधिमान्य हो जाएगा।

- (6) ऐसे नामनिर्देशिनी की मृत्यु पर, जिसके बारे में उपनियम (5) के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्देशन में कोई विशेष उपबन्ध नहीं किया गया है, या ऐसी किसी घटना के घटित होने पर, जिसके कारण कि उपनियम (5) के खण्ड (ख) या उसके परन्तु के अनुसरण में नामनिर्देशन अविधिमान्य हो जाता है, योगदाता तुरन्त ही नामनिर्देशन को रद्द करने वाली लिखित सूचना, इस नियम के उपबन्धों के अनुसार किये गये नये नामनिर्देशन सहित, सचिव को भेजेगा।
- (7) योगदाता द्वारा किया गया हर नामनिर्देशन, और उसे रद्द करने वाली हर सूचना जो दी गई थी उस विस्तार तक जिस तक कि वह विधिमान्य हो, उस तारीख को प्रभावी होगी जब कि वह सचिव को प्राप्त हुई हो।

6. योगदाता के लेखे.—हर एक योगदाता के नाम में एक लेख खोला जाएगा, जिसमें निम्नलिखित दर्शित किये जायेंग—

- (1) योगदाता का योगदान ;
- (2) बोर्ड द्वारा नियम II के अधीन उसके लेखे में किये गये अभिवाय;
- (3) योगदानों पर नियम 12 द्वारा यथा उपबन्धित व्याज ,
- (4) अभिवायों पर नियम 12 द्वारा यथा उपबन्धित व्याज, और
- (5) निधि में अग्रिम धन लेना प्रत्याहरण—योगदानों की शर्तें

7. योगदानों की शर्तें.—(1) प्रत्येक योगदाता, जब कि वह ड्यूटी पर या पर सेवा में हो, किन्तु निलम्बन की कालावधि के दौरान नहीं, निधि में प्रतिमास योगदान करेगा ;

परन्तु निलम्बनाधीन बिनाई गई कालावधि के पश्चात् अपने पद पर पुनः स्थापित किये जाने पर योगदाता को उस अवधि के लिये अनुज्ञेय योगदानों की अधिकतम बकाया रकम में अनुधि कोई राशि एक मुश्त या किस्तों में देने का विकल्प अनुज्ञात किया जाएगा ।

(2) कोई योगदाता एक मास या 30 दिन की कालावधि से कम की, यथास्थिति, शीघ्रतः बतन पर छुट्टी या उपार्जित कट्टी से भिन्न किसी छुट्टी की कालावधि के दौरान अपने विकल्प पर, योगदान नहीं भी कर सकेगा ।

(3) योगदाता छुट्टी पर जाने से पूर्व छुट्टी के दौरान में योगदान न करने के अपने वरण की प्रज्ञापना सचिव को देगा और सम्यक् रूप से और समय पर प्रज्ञापित न करने पर यह समझा जायगा कि योगदान करने का वरण किया गया है ।

योगदाता का इस उपनियम के अधीन प्रज्ञापित विकल्प अन्तिम होगा ।

(4) कोई योगदाता, जो योगदानों की रकम और उस पर ब्याज की रकम को नियम 18 के उप नियम (2) के अधीन प्रत्याहृत कर चुका है, ऐसे प्रत्याहृण के पश्चात् तब तक निधि में योगदान नहीं करेगा जब तक कि वह ड्यूटी पर वापस नहीं आ जाता है ।

8. योगदानों की बरें.—(1) योगदान की रकम, निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन, स्वयं योगदाता द्वारा नियत की जाएगी, अर्थात्—

(क) वह पूरे-पूरे रूपों में अभिवक्त की जाएगी ।

(ख) वह उसकी उपलब्धियों के 8<sup>१</sup>/<sub>१०</sub> प्रतिशत से अन्यून और इस प्रकार अभिव्यक्त की गई, किन्तु उसकी उपलब्धियों से अधिक कोई, राशि हो सकेगी ।

(2) उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिये योगदाता की उपलब्धियाँ—

(क) उस योगदाता की दशा में जो पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को बोर्ड की सेवा में था व उपलब्धियाँ होंगी जिनका कि वह उस तारीख को हकदार था :

परन्तु—

(i) यदि योगदाता उक्त तारीख को छुट्टी पर था और उसने ऐसी छुट्टी के दौरान योगदान न करने का वरण किया था या उक्त तारीख को निलम्बित था, तो उसकी उपलब्धियाँ वे उपलब्धियाँ होंगी जिनका कि वह ड्यूटी पर अपनी वापसी के पश्चात् प्रथम दिन हकदार था ;

(ii) यदि योगदाता उक्त तारीख को भारत के बाहर प्रतिनियोजन पर था या उक्त तारीख को छुट्टी पर था और छुट्टी पर हो बना रहता है और ऐसी छुट्टी के दौरान उसने योगदान करने की बरण किया है, तो उसकी उपलब्धियाँ वे उपलब्धियाँ होंगी जिनका वह हकदार होता, यदि वह भारत में ड्यूटी पर होता ;

(iii) यदि योगदाता उक्त तारीख के पश्चात्तवर्ती किसी दिन पहली बार निधि में सम्मिलित हुआ था, तो उसकी उपलब्धियाँ, वे उपलब्धियाँ होंगी जिनका कि वह ऐसी पश्चात्तवर्ती तारीख को हकदार था ।

- (ख) उस योगदाता की दशा में जो पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को बोर्ड की सेवा में नहीं था, वे उपलब्धियां होगी जिनका कि वह अपनी सेवा के प्रथम दिन हकदार था, अथवा यदि वह अपने सेवा के प्रथम दिन की पश्चात्तवर्ती किसी तारीख को पहली बार निधि में सम्मिलित हुआ था, तो वे उपलब्धियां होगी जिनका कि वह ऐसी पश्चात्तवर्ती तारीख को हकदार था :
- परन्तु यदि योगदान की उपलब्धियां घटने बढ़ने वाली प्रकृति की हैं तो वे ऐसी रीति में संगठित की जायेंगी जैसी अध्यक्ष निर्दिष्ट करे।
- (3) योगदाता हर एक वर्ष में अपने मासिक योगदान की रकम नियत किये जाने की प्रज्ञापना निम्नलिखित रीति में देगा :—
- (क) यदि वह पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को ड्यूटी पर था तो उस कटौती द्वारा, जो उस मास के लिये अपने वेतन बिल में से वह इस निमित्त करता है ;
- (ख) यदि वह पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी पर था और यदि उसने ऐसी छुट्टी के दौरान योगदान न करने का वरण किया था, या उस तारीख को निलम्बनाधीन था, तो उस कटौती द्वारा जो ड्यूटी पर अपनी वापसी के पश्चात् अपने प्रथम वेतन बिल में से वह इस निमित्त करता है ;
- (ग) यदि वह उस वर्ष के दौरान पहली बार बोर्ड की सेवा में आया है अथवा प्रथम बार निधि में सम्मिलित हुआ है, तो उस कटौती द्वारा जो उस भाग के, जिसके दौरान वह निधि में सम्मिलित हुआ है, अपने वेतन बिल में से वह इस निमित्त करता है ;
- (घ) यदि वह पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी पर था और छुट्टी पर बना रहता है और उसने ऐसी छुट्टी के दौरान योगदान करने का वरण किया है तो उस कटौती द्वारा जो उस मास के अपने सम्बलम बिल से वह इस निमित्त करता है,
- (ङ) यदि वह पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को पर सेवा में था, तो चालू वर्ष के अप्रैल मास के लिये योगदान लेवे खजाने में उमके द्वारा जमाखाने की गई रकम द्वारा ;
- (च) यदि उसकी उपलब्धियां उपधिनम (2) के परन्तुक में निर्दिष्ट प्रकार की हैं तो, ऐसी रीति से जैसी कि अध्यक्ष निर्दिष्ट करें।
- (4) इस प्रकार नियत किये गये योगदान की रकम वर्ष के दौरान किसी एक समय पर एक बार बढ़ाई या घटाई जा सकेगी ;

परन्तु जब योगदान की रकम इस प्रकार घटाई जाती है तो वह उपनियम (1) में विहित न्यूनतम से कम नहीं होगी ;

परन्तु यह और कि यदि योगदाता मास के एक भाग में ड्यूटी पर है और उसी मास के शेष भाग के लिये छुट्टी पर है और यदि उसने छुट्टी के दौरान योगदान न करने का वरण किया है, तो योगदान की देय रकम उस मास में ड्यूटी पर व्यतीत किये गये दिनों की संख्या के अनुपात में होगी :

9. पर सेवा में अंतरण या भारा के बाहर प्रतिनियुक्ति.—जब किसी योगदाता का अंतरण पर सेवा में किया जाता है या वह भारत के बाहर प्रतिनियोजन पर भेजा जाता है, तब वह उसी प्रकार निधि के निर्यात के अधीन रहेगा मानों उसका अंतरण न किया गया हो या वह प्रतिनियुक्ति पर न भेजा गया हो।

#### 10. योगदानों का आवत.—

- (1) बोर्ड को, किसी योगदाता से शोध योगदान और निधि से उसको दिए गए अग्रिम धन के मूल और ब्याज की कटौती उपर्युक्त उपलब्धियों में से करने की शक्ति होगी;
- (2) जब उपलब्धियाँ बोर्ड को निधि के अनिवार्य किसी अन्य स्रोत से ली जाती हैं तब, योगदाता अपनी शोध राशियाँ सचिव को मासिक रूप में भेजेगा।

#### 11. बोर्ड द्वारा अभिदाय

- (1) हर एक वर्ष को 31 मार्च से बोर्ड हर एक योगदाता के खाने में अभिदाय करेगा।

परन्तु यदि योगदाता वर्ष के दौरान सेवा छोड़ देता है या मर जाता है, तो अभिदाय पूर्ववर्ती वर्ष के अन्त और मृत्यु की तारीख के बीच की कालावधि के लिये उसके खाने में जमा किया जायेगा;

परन्तु यह और कि ऐसी किसी कालावधि की बाबत कोई अभिदाय देय नहीं होगा जिसके लिये योगदाता निधि में योगदान न करने के लिये नियमों के अधीन अनुगत किया गया है या योगदान नहीं करता है।

- (2) अभिदाय, यादस्ति, वर्ष या कालावधि के दौरान इन्टी पर ली गई योगदाता की उपलब्धियों का उतना प्रतिशत होगा जितना कि अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 के नियम 11 के उप नियम (2) के अधीन सरकार द्वारा विहित किया गया हो या किया जाए; (1) परन्तु यदि योगदान की गई रकम, नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन योगदाता द्वारा देय न्यूनतम योगदान से भूल चूक के कारण या अन्यथा, कम है और यदि जितना योगदान कम रह गया है वह और उस पर प्रोदभूत ब्याज योगदाता द्वारा ऐसे समय के भीतर नहीं दिया जाता जो ऐसी अग्रिम धन जिसके अनुदान के लिये नियम 13 के खण्ड (ख) के अधीन विशेष कारण अपेक्षित होते हैं, मंजूर करने के लिये सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया है, तो, जब तक कि सरकार किसी विनिर्दिष्ट वशा में अन्यथा निर्दिष्ट नहीं करती, बोर्ड द्वारा देय अभिदाय योगदाता द्वारा वस्तुतः दी गई रकम या बोर्ड द्वारा प्रस्तामन्यतः देय रकम, जो भी कम हो, के बराबर होगी।

- (3) यदि योगदाता भारत के बाहर प्रतिनियोजन पर है तो वे उपलब्धियाँ जो उसने भारत में इन्टी पर रहने की दशा में ली होती इस नियम के प्रयोजनों के लिये इन्टी पर ली गई उपलब्धियाँ समझी जाएंगी।

- (4) यदि योगदाता छुट्टी के दौरान योगदान करने का वरण करे तो इस नियम के प्रयोजनों के लिए उसका छुट्टी संयोजन ड्यूटी पर ली गई उपलब्धियां माना जायेगा।
- (5) यदि योगदाता निलम्बन की अवधि की बावत योगदानों की वक़ाया देने का वरण करे तो वह उपलब्धियां या उपलब्धियों का प्रभाग जो पद पर पुनः स्थापित किये जाने पर उस अवधि के लिये अनुज्ञात किया जा सकता है इस नियम के प्रयोजन के लिए ड्यूटी पर ली गई उपलब्धियां, माना जाएगा।
- (6) विदेश सेवा की कालावधि की बावत देय किसी अभिदाय की रकम, जब तक कि वह अन्य विदेशी नियोजक द्वारा वसूल न की गई हो, बोर्ड द्वारा अभिदाता से वसूल की जाएगी।
- (7) देय अभिदाय की रकम निकटतम पूरे पूरे रुपये तक (पचास नये पैसे को अगले पूरे रुपये के रूप में संगणित करके पूर्णकृत की जाएगी।

12. ब्याज.—(1) बोर्ड योगदाता के खाते में निधि में जो उसके खोले जमा रकम पर ऐसी दर पर ब्याज (संदत्त करेगी जो अभिदायी भविष्य निधि (भारत) नियम, 1962 के प्रयोजन के लिये योगदाता पर ब्याज के संदाय के लिए सरकार समय समय पर विहित करे।

- (2) ब्याज हर एक वर्ष की 31 मार्च के निम्नलिखित रीति से जमा किया जायेगा :—
- (i) पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च को, चालू वर्ष के दौरान निकाली गई राशियों को कम करके योगदाता के खाते में जमा रकम पर बारह मास के लिये ब्याज ;
- (ii) चालू वर्ष के दौरान प्रत्याहृत राशियों पर चालू वर्ष की 1 अप्रैल से राशि प्रत्याहृत करने के मास के पूर्वगामी मास के अंतिम दिन तक ब्याज ;
- (iii) पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च के पश्चात् योगदाता के खाते में जमा की गई सभी राशियों पर निक्षेप की तारीख से चालू वर्ष की 31 मार्च तक ब्याज,
- (iv) ब्याज की कुल रकम नियम 11 के उपनियम (7) में उपबन्धित रीति से निकटतम रुपये तक पूर्णकृत की जाएगी ;

परन्तु जब योगदाता के खाते में जमा रकम देय हो जाय तब इस उपनियम के अधीन ब्याज, यथास्थिति, चालू वर्ष के आरम्भ से या निक्षेप की तारीख से उस तारीख तक की ही कालावधि के सम्बन्ध में खाते में जमा किया जाएगा जिस को कि योगदाता के खाते में जमा रकम देय हुई।

- (3) इस नियम के प्रयोजनों के लिये निक्षेप की तारीख, उपलब्धियों में से वसूली की दशा में, उस मास का प्रथम दिन समझी जायेगी जिनमें वसूलियों की जाती है और योगदाता द्वारा भेजी गई रकमों की दशा में, यदि वे उस मास के पांचवें दिन के पूर्व सचिव द्वारा वसूल की जाती है तो प्राप्ति के मास का प्रथम दिन या यदि वे उस मास के पांचवें दिन या उसके पश्चात् वसूल की जाती है तो उत्तरवर्ती मास का प्रथम दिन समझी जायेगी ;

परन्तु जहाँ योगदाता के वेतन या छुट्टी-संबलम्भ और भत्तों के लेने में, और उसके परिणामस्वरूप निधि में उसके योगदान की कमी में, विलम्ब हुआ है, वहाँ ऐसे योगदानों पर ब्याज, उस मास का विचार किये बिना जिनमें वह वस्तुतः लिया गया था, उस मास से देय होगा जिसमें कि योगदाता का वेतन या संबलम्भ वेतन नियमों के अधीन शोध्य था।<sup>1</sup>

(4) नियम 21 के अधीन सदत्त हो जाने वाली किसी रकम के अनतिरिक्त जिस मास में संदाय किया जाता है, उसके पूर्वागामी मास के अन्त तक या जिस मास में ऐसी रकम देय हुई हो उसके पश्चात् छठे मास के अन्त तक इनमें से जो भी कालावधि कम हो, उस पर ब्याज उस व्यक्ति को देय होगा जिसे ऐसी रकम सदत्त की जाती है;

परन्तु उस तारीख के पश्चात्, जो किसी सचिव ने उस व्यक्ति (या उसके अभिकर्ता) को उस तारीख के रू में प्रस्तापित की है जिस को वह नगद संदाय करने को तैयार है, या यदि वह संदाय चेक द्वारा करता है तो उस तारीख के पश्चात् जिसको कि उस व्यक्ति के नाम से चेक ड्रांक में डाला जाता है, किसी अवधि के सम्बन्ध में कोई ब्याज संदत्त नहीं किया जाएगा।

(5) यदि योगदाता सचिव को सूचित करता है कि वह ब्याज प्राप्त नहीं करना चाहता तो उसके खाते में ब्याज जमा नहीं किया जाएगा; किन्तु यदि वह तत्पश्चात् ब्याज मांगता है वह उस वर्ष की जिसमें कि वह उसे मांगता है पहली अप्रैल से खाते में जमा किया जाएगा।

13. **निधि में से अग्रिम धन**.—किसी भी योगदाता को उसके खाते जमा रकम में से तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट समुचित प्राधिकार के विवेक पर निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन अस्थायी अग्रिम धन मंजूर किया जा सकेगा:—

(क) तब तक कोई भी अग्रिम-धन मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि मंजूर कर्ता प्राधिकारी का समाधान नहीं हो जाता है कि आवेदन कर्ता की धनीय परिस्थिति इनको न्यायोचित उद्भूती है और यह धन निम्नलिखित उद्देश्य या उद्देश्यों पर व्यय किया जाएगा और न किया अन्यथा;

(i) योगदाता या वस्तुतः उस पर आश्रित किसी व्यक्ति की रोगणता, रोगशय्याप्रस्तता या असमर्थता सम्बन्धी किन्हीं भी व्ययों की, जिनके अन्तर्गत जब आवश्यक हो तब यात्रा व्यय भी होंगे, पूर्ति के संदाय के लिए;

(ii) आवेदन कर्ता अथवा वस्तुतः उस पर आश्रित किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य अवयव शिक्षा के कारणों के लिए समुद्र पार यात्रा-व्यय के संदाय के लिए;

(iii) अपनी प्रास्थिति के लिए समुचित मापमान पर ऐसे बाध्यकर व्ययों का संदाय करने के लिए जो योगदाता को अपने या अपनी संज्ञान के या किसी ऐसे अन्य व्यक्ति के, जो वस्तुतः उस पर आश्रित है, विवाह या अन्य संस्कारों के संबंध में रुढ़िजन्य प्रथा के अनुसार करने पड़ते हैं; परन्तु वस्तुतः आश्रय वाली शर्त योगदाता के पुत्र या पुत्री की दशा में लागू नहीं होगी; परन्तु यह और कि वस्तुतः आश्रय वाली शर्त उस अग्रिम धन की दशा में लागू नहीं होगी जो योगदाता के माता-पिता के अन्येष्टि व्ययों की पूर्ति के लिए अर्पित है;



- (iv) आवेदन कर्ता अथवा वस्तुतः उस पर आश्रित किसी व्यक्ति की भारत के बाहर शैक्षिक, तकनीकी, वृत्तिक या व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शिक्षा के संदाय के लिए;
  - (v) आवेदन कर्ता अथवा वस्तुतः उस पर आश्रित किसी व्यक्ति को हाई स्कूल प्रक्रम के आग भारत में किसी चिकित्सीय, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी या विशेषज्ञों पाठ्यक्रम संदाय के लिए, परन्तु यह तब तक जब कि अध्ययन पाठ्यक्रम तीन वर्ष से कम का न हो ;
  - (vi) योगदाता द्वारा संस्थित ऐसी विधिक कार्यवाहियों के खर्च की पूर्ति के लिए जो उसे अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वाहन में उसके द्वारा किए गए या किए गये ताल्स्थित किसी कार्य की बाबत, अपने विरुद्ध किये गये किन्हीं अभिकथनों के संबंध में अपनी प्राप्तित निर्दोष सिद्ध करने के लिए किया है और इस दशा में अग्रिम धन किसी अन्य बोर्ड खोत्र से इसी प्रयोजन के लिए ग्राह्य किसी अग्रिम धन के अतिरिक्त, प्राप्त होगी ;
- परन्तु इस उपखण्ड के अधीन अग्रिम धन किसी ऐसे योगदाता को ग्राह्य नहीं होगा जो या तो अपने पदीय कर्तव्यों से अवसक्त किसी बात के संबंध में, या उस पर अधिरोपित सेवा की किसी शर्त या शास्ति के संबंध में बोर्ड या सरकार के विरुद्ध किसी विधि न्यायालय में विधिक कार्यवाहियां संस्थित करता है ;
- (vii) जहां कि योगदाता बोर्ड या सरकार द्वारा किसी विधि न्यायालय में अभियोजित किया जाता है या जहां कि योगदाता किसी ऐसे पदीय अवचार, जिसका उसके द्वारा किया जाना अभिकथित है, को जांच में अपनी प्रतिरक्षा करने के लिए किसी विधि व्यवसायी को काम पर लगाता है वहां, अपनी प्रतिरक्षा के खर्च की पूर्ति के लिए ;
  - (ख) विशेष कारणों को छोड़कर, अग्रिम-धन योगदाता के तीन मास के वेतन से अनधिक और किसी भी अवस्था में उसके निधि खाते जमा योगदानों की रकम और उस पर व्याज से अनधिक होगा ।

**टिप्पणः—**इस नियम के प्रयोजनों के लिए, वेतन में, जहां अनुशय है, महंगाई वेतन में भी सम्मिलित है,

- (ग) विशेष कारणों को छोड़कर, अग्रिम-धन तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा, जब तक कि किसी पूर्ववर्ती अग्रिम-धन का व्याज सहित अन्तिम प्रति संदाय किए हुए कम से कम बाहर मास न हो गये हो ;
- (घ) मंजूरकर्ता प्राधिकारी अग्रिम-धन की मंजूरी के लिए कारणों को लेखबद्ध करेगा; परन्तु यदि कारण गोपनीय प्रकृति का है तो वह मंजूरकर्ता प्राधिकारी को व्यक्तिगत रूप से और गोपनीयता से संसूचित किया जा सकेगा ।

**14. अग्रिम धन की वसूली और अग्रिम धन का दोष पूरा प्रयोग में वसूली.—**(1) अग्रिमधन की वसूली योगदाता से उतनी समान मासिक किस्तों में की जाएगी जितनी मंजूरकर्ता प्राधिकारी निर्दिष्ट करे किन्तु यह संख्या जब तक कि योगदाता वैसा वरण न करे बारह से कम और चौबीस से अधिक नहीं होगी । विशेष दशाओं में जहां अग्रिम-धन की रकम नियम 13 के खण्ड

(ख) के अधीन योगदाता के तीन मास के वेतन से अधिक हो जाए, मंजूरकर्ता प्राधिकारी किस्तों की यह संख्या चौबीस से अधिक नियत कर सकेगा, किन्तु किसी भी दशा में छत्तीस से अधिक नहीं। योगदाता अपने विकल्प पर किस्तों की विहित संख्या में कम किस्तों में प्रति संदाय कर सकेगा। प्रत्येक किस्त पूरे पूरे रूप्यों की होगी और ऐसी किस्तें नियत किए जा सकने के लिए, यदि आवश्यक ही तो, उधार की रकम घटाई या बढ़ाई जा सकेगी।

(2) योगदानों के आपन के लिए वसूली नियम 10 में उपबन्धित रीति से की जा सकेगी और अग्रिम धन दिये जाने के पश्चात् उस प्रथम अवसर पर प्रारम्भ होगी, जब योगदाता, छुट्टी संवलम या जीवन-निर्वाह-अनुदान से भिन्न, पूरे मास की उपलब्धियां लेता है। जब योगदाता जीवन-निर्वाह अनुदान पा रहा हो या एक मास या तीन दिन की अवधि से कम की, यथास्थिति, औसत वेतन छुट्टी या उपाजित छुट्टी से भिन्न छुट्टी पर हो तब वसूली, योगदाता की सहमति के बिना, नहीं की जाएगी। योगदाता को अनुदत्त वेतन के अग्रिम धन की वसूली के दौरान मंजूरकर्ता प्राधिकारी द्वारा वसूली योगदाता की लिखित प्रार्थना पर मुलतबी की जा सकेगी।

(3) यदि किसी योगदाता को एक से अधिक अग्रिम धन दिए गए हैं तो वसूली के प्रयोजन के लिए हर एक अग्रिमधन को अलग अलग माना जाएगा।

(4) (क) अग्रिम धन के मूल का पूर्ण प्रतिसंदाय हो चुकने के पश्चात् उस पर ब्याज, अग्रिम-धन लिए जाने और मूल के पूर्ण प्रतिसंदाय किए जाने के बीच की कालावधि के दौरान हर एक मास या मास के अधूरे प्रभाग के लिए, मूल पर एक बटा पांच प्रतिशत की दर पर दिया जाएगा:

परन्तु जिन योगदाताओं के निधि में के निक्षेपों पर कोई ब्याज नहीं लगता, निधि में से अनुदत्त अग्रिमधन पर उनसे ब्याज लेने अतिरिक्त किस्तें देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(ख) मूल के पूर्ण प्रतिसंदाय के पश्चात् वाले मास में ब्याज साधारणतया एक किस्त में वसूल किया जाएगा, किन्तु यदि खंड (क) में निर्दिष्ट कालावधि बीस मास से अधिक की हो, तो ब्याज, यदि योगदाता ऐसी वाछा करे तो, दो समान मासिक किस्तों में वसूल किया जा सकेगा। वसूली उपनियम (2) में उपबन्धित रीति से की जाएगी। संदाय नियम 11 के उपनियम (7) में उपबन्धित रीति से निकटतम रुपये तक पूर्णकृत किए जाएंगे।

(5) इस नियम के अधीन की गई वसूलियां, उनके लिए जाने पर, निधि में योगदाता के खाते जमा की जाएगी।

(6) यदि योगदाता को अग्रिम धन अनुदत्त कर दिया गया है और उसके द्वारा ले लिया गया है और वह अग्रिम धन तत्पश्चात् प्रतिसंदाय के पूरे होने के पूर्व अनुजात कर दिया जाता है तो पत्याहृत सम्पूर्ण रकम या उसका कोई अतिशेष, नियम 12 में उपबन्धित दर पर ब्याज सहित, योगदाता द्वारा निधि में तत्क्षण प्रतिसंदत्त कर दिया जाएगा, अथवा उसके व्यक्तिगत में सविध आदेश देगा कि उसे योगदाता की उपलब्धियों में से कटौती द्वारा एकमुश्त या बारह से अनधिक मासिक किस्तों में, जैसा कि अग्रिम धन

मंजूर करने के लिए संक्षम प्राधिकारी द्वारा निदिष्ट किया जाए जिसके अनुदान के लिए नियम 13 के उपनियम (ख) के अधीन विशेष कारण अपेक्षित हैं, वसूल किया जाए।

परन्तु ऐसे योगदाताओं से जिनके निधि में के निक्षेपों पर कोई ब्याज नहीं लगता कोई ब्याज देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(7) इन नियमों में अन्तर्निहित किसी बात के होते हुए भी, यदि मंजूरी प्राप्त प्राधिकारी का समाधान हो जाए कि नियम 13 के अधीन निधि में से अग्रिमधन के रूप में लिया गया धन उस प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किया गया है जिसके लिए धन लेने की मंजूरी दी गई थी तो प्रश्नगत रकम नियम 12 में उल्लिखित दर पर ब्याज सहित योगदाता द्वारा निधि में तत्क्षण प्रतिसंदत्त कर दी जाएगी, या, उसके व्यतिक्रम में, योगदाता की, भले ही वह छुट्टी पर हो, उल्लिखितों में से कटौती द्वारा एकमुश्त वसूल किए जाने के लिए आदेश दिया जाएगा। यदि प्रतिसंदत्त की जाने वाली कुल रकम योगदाता की उल्लिखितों के आधे से अधिक हो तो वसूलियां उस समय तक उसकी उल्लिखितों के अधीनों की मासिक किस्तों में की जाएगी जब तक की वह सम्पूर्ण रकम प्रतिसंदत्त न कर दे।

**टिप्पण—**इस नियम में “उल्लिखित” शब्द के अन्तर्गत जीवन निर्वाह अनुदान नहीं है।

15. **निधि में से प्रत्याहरण.**—किसी योगदाता की सेवा के बीस वर्ष पूर्व होने के पश्चात् (जिस में सेवा की विभिन्न कालविधियां, यदि कोई हो, होंगी), या अधिवर्धता पर उसकी निवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर किसी समये इनमें से जो भी पूर्ववर्ती हो, नियम 13 के खण्ड (ख) के अधीन विशेष कारणों से प्रत्याहरण मंजूर करने के लिए संक्षम प्राधिकारियों द्वारा, निधि में योगदाता के खाते में जमा योगदानों और उन पर ब्याज की रकम में से प्रत्याहरण की मंजूरी, निम्नलिखित में से एक या अधिक प्रयोजनों के लिए दी जा सकेगी, अर्थात् :—

(क) निम्नलिखित दशाओं में, अर्थात्—

(1) हाई स्कूल प्रक्रम के आगे किसी शक्ति तत्त्वकी, वृत्तिक या व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शिक्षा के लिए भारत के बाहर, और

(2) हाई स्कूल प्रक्रम के आगे भारत में किसी चिकित्सीय, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी या विशेष पाठ्यक्रम के लिए, परन्तु यह तब जब कि पाठ्यक्रम तीन वर्ष से कम का न हो,।

योगदाता के किसी ऐसे पुत्र पुत्री को, जो वस्तुतः उस पर आश्रित है, उच्चतर शिक्षा के खर्च की, जिसके अन्तर्गत, जब कभी आवश्यक हो, यात्रा व्यय भी होंगे, पूर्ति के लिए।

(ख) योगदाता के पुत्रों या पुत्रियों के या वस्तुतः उस पर आश्रित किसी अन्य स्त्री-नातेदार के विवाह के संसर्ग में खर्च की पूर्ति के लिए।

(ग) योगदाता या वस्तुतः उस पर आश्रित किसी व्यक्ति की दण्डता के संबंध में व्यय की, जिन के अन्तर्गत, जब कभी आवश्यक हो, यात्रा व्यय भी होंगे, पूर्ति के लिए।

(घ) अपने निवास के लिए यथोचित घर का निर्माण या अर्जन जिसके अन्तर्गत स्थल की लागत भी है, या इस प्रयोजन के लिए अभिव्यक्त रूप से लिए गए उधार लेखे किसी परादेय रकम का प्रतिसंदाय या योगदाता द्वारा पहले से ही स्वामित्वाधीन या अर्जित घर का पुनःसंनिर्माण या उसमें परिवर्धन या परिवर्तन,

(ङ) घर के लिए किसी स्थल का क्रय या अभिव्यक्त रूप से इस प्रयोजन के लिये उस उधार लेखे जो प्रत्याहरण के लिए आवेदन की प्राप्ति की तारीख से पूर्व लिया है किन्तु उस तारीख से बारह मास पूर्वतर नहीं लिया गया है किसी परादेय रकम का प्रतिसंदाय,

(च) खण्ड (ङ) के अधीन प्रत्याहृत राशि का उपयोग करते हुए क्रय किए गये स्थल पर घर का संनिर्माण,

**टिप्पण :—**कोई योगदाता जिसने निर्माण और आवास मंत्रालय की 'गृह निर्माण के प्रयोजनार्थ' अभिमधन अनुदत्त करने की स्कीम के अधीन कोई अभिमधन उपलब्ध किया है, या जिसे बोर्ड के किसी अन्य स्रोत से इस बाबत कोई सहायता अनुज्ञात की गई है, वह खंड (घ), (ङ) और (च) के अधीन उनमें विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए और नियम 16 के उपनियम (1) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट सीमा के अध्वधीन रहते हुए उपरोक्त स्कीम के अधीन लिए गए किसी अभिमधन के प्रतिसंदाय के प्रयोजन के लिये भी अन्तिम प्रत्याहरण अनुदत्त किए जाने का पात्र होगा।

**16. प्रत्याहरण की शर्त.**—(1) योगदाता द्वारा, निधि में उसके खाते जमा रकम में से, नियम 15 में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से एक या अधिक के लिए, किसी एक समय पर प्रत्याहृत कोई राशि निधि में योगदाता के खाते जमा योगदानों की रकम और उस पर ब्याज के आधे या छह मास के बेटन, इन में से जो भी कम हो, से मामूली तौर पर अधिक नहीं होगी। मंजूरकर्ता प्राधिकारी इस सीमा से अधिक रकम और योगदाता के जमा योगदान की रकम और उस पर ब्याज की तीन चौथाई तक; का निकाला जाना (1) उस उद्देश्य का जिसके लिए प्रत्याहरण किया जा रहा है, (2) योगदाता की प्रास्थिति का और (3) निधि में योगदाता के खाते में जमा योगदानों की रकम और उस पर ब्याज का सम्यक् ध्यान रखते हुये मंजूर कर सकेगा।

परन्तु उस योगदाता की दशा में जिसने निर्माण, आवास और पूर्ति मंत्रालय की गृह निर्माण के प्रयोजनार्थ उधार अनुदत्त करने की स्कीम के अधीन कोई अभिमधन उपलब्ध किया है या जिसे बोर्ड के किसी अन्य स्रोत से इस बाबत कोई सहायता अनुज्ञात की गई है, इस उपनियम के अधीन प्रत्याहृत राशि उपरोक्त स्कीम के अधीन लिए गए अभिमधन की रकम या बोर्ड के किसी अन्य सरकारी स्रोत से ली गई सहायता के साथ साथ 75,000 रुपये या पांच वर्ष के बेटन से, इनमें से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगा।

(2) वह योगदाता, जिसे नियम 15 के अधीन निधि में से धन प्रत्याहृत करने के लिये अनुज्ञात किया गया है, उतनी युक्तियुक्त कालावधि के भीतर जितनी उस प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, मंजूरकर्ता प्राधिकारी का इस संबंध में समाधान करेगा कि धन का प्रयोग उस प्रयोजन

के लिए किया गया है जिसके लिए वह प्रत्याहृत किया गया था, और यदि वह ऐसा करने में असफल रहता है तो इस प्रकार प्रत्याहृत सम्पूर्ण राशि या उसमें से उतनी जितनी उस प्रयोजन के लिये प्रयुक्त नहीं की गई है जिम के लिए वह प्रत्याहृत की गई थी, नियम 12 में अवधारित दर पर ब्याज सहित, योगदाता द्वारा निधि में तत्क्षण एकमुश्त राशि के रूप में प्रतिसंदत्त कर दी जायेगी और, ऐसे संदाय के व्यक्तिगत में, मंजूरकर्ता प्राधिकारी आदेश देगा कि वह उसकी उपलब्धियों में से एकमुश्त या उतनी मासिक किस्तों में, जितनी अध्यक्ष द्वारा अवधारित की जाए, वसूल की जाये।

(3) उपनियम (2) में की किसी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे योगदाता से, जिसकी निधि के निक्षेपों पर कोई ब्याज नहीं मिलता, उस उपनियम के अधीन उसके द्वारा प्रतिसंदेय किसी राशि पर कोई ब्याज संदाय करने की अपेक्षा करती है।

17. **अग्रिम धन का प्रत्याहरण में संपरिवर्तन.**—वह योगदाता, जो नियम 15 के उपनियम (1) के खंड (क), (ख) और (ग) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए, नियम 13 के अधीन कोई अग्रिमधन पहले ही ले चुका है या भविष्य में ले, नियम 15 और 16 में अधिकृत शर्तें पूरी कर देने पर उस बचे हुए अतिशेष को, मंजूरकर्ता प्राधिकारी की मर्फत, सचिव को सम्बोधित लिखित प्रार्थना द्वारा, स्वविवेकानुसार अन्तिम प्रत्याहरण में संपरिवर्तित कर सकेगा।

18. **कतिपय मामलों में और योगदाता की सेवा निवृत्ति के मामले में संचित धन का अन्तिम रूप में से प्रत्याहरण.**—(1) जब योगदाता बोर्ड की सेवा छोड़ देता है तब, निधि में उसके खाते जमा रकम, नियम 20 के अधीन किसी कटौती के अध्यक्षीन, उसे देय हो जायेगी;

परन्तु वह योगदाता, जो सेवा से पदच्युत किया गया है और तत्पश्चात् सेवा में पुनः स्थापित किया गया है, यदि बोर्ड द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा की जाए तो, इस नियम के अनुसरण में निधि में से उस को दी गई किसी रकम का प्रतिदाय, नियम 12 में उपबंधित दर पर उस पर ब्याज सहित, उपनियम (2) में उपबंधित रीति से करेगा। इस प्रकार परिदाय की गई रकम निधि में उसके खाते जमा कर दी जाएगी और उस भाग का, जो उसके योगदानों और उन पर ब्याज को प्रदर्शित करता है और उस भाग का, जो बोर्ड अभिदाय और उस पर ब्याज को प्रदर्शित करती है, नियम 6 में उपबंधित रीति से लेखा जोखा रखा जाएगा।

**स्पष्टीकरण 1**—ऐसा योगदाता जिसे इन्कार की गई छुट्टी अनुदत्त की जाती है, वैवर्ण्यक निवृत्ति की तारीख से या सेवा के विस्तारण के अवसान पर सेवा छोड़ चुका समझा जाएगा।

**स्पष्टीकरण 2**—ऐसे योगदाता से, जो संविदा पर नियुक्त किया गया है या ऐसे योगदाता से जो सेवा से निवृत्त हो चुका है और तत्पश्चात्, सेवाकाल विच्छेद सहित या रहित, पुनर्नियोजित किया गया है, भिन्न किसी योगदाता के संबंध में, जब कि राज्य सरकार के अधीन या केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य विभाग में (जिसमें वह अन्य किन्हीं भविष्य निधि नियमों से शासित होता है) किसी नये पद पर, सेवा काल विच्छेद के बिना और अपने पूर्ववर्ती पद के साथ कोई संबंध कायम रखे बिना, उसका अन्तरण हो जाता है, ऐसी दशा में, इस निकाय की सम्मति से उसका योगदाय और बोर्ड का अभिदाय और उस पर ब्याज—

(क) यदि नया पद केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य विभाग में है तो, अन्य निधि के उसके खाते में, उस निधि के नियमों के अनुसार, या

- (ख) यदि नया पद राज्य सरकार के अधीन है और संयुक्त सरकार राज्य उसके योगदानों, बोर्ड का अभिदाय और ब्याज का ऐसा अन्तरण करने के लिए, साधारण या विशेष आदेश द्वारा सहमत हो जाती है तो, सम्पूक्त राज्य सरकार के अधीन नये खाते में,

अन्तरित कर दिये जाएंगे ।

**टिप्पण :—**स्थानान्तरण के संबंध में यह समझा जाना चाहिए कि उनके अन्तर्गत, सेवा काल विच्छेद के बिना और बोर्ड की उचित अनुज्ञा रहित, केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग में या राज्य सरकार के अधीन किसी नियुक्ति पर जाने के लिए सेवा से पद त्याग के मामले आते हैं । उन मामलों में, जिनमें सेवा काल विच्छेद हुआ है, वह विच्छेद उतने समय के लिए ही अनुज्ञात होगा जितना समय किसी भिन्न स्थान को अन्तरण हो जाने की दशा में कार्यभार ग्रहण करने में लगता है ।

छंटनी के उन मामलों में भी यही बात समझी जाएगी जिनके अव्यवहित पश्चात्, चाहे उसी बोर्ड के अधीन या किसी भिन्न सरकार के अधीन, नियोजन प्राप्त हो जाता है ।

**स्पष्टीकरण 3—**जब कोई योगदाता सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में के नियमित निकाय के अधीन सेवा में सेवाकाल के विच्छेद बिना अन्तर्गत कर दिया जाता है तो योगदान रकम और बोर्ड के अभिदाय को उस पर ब्याज सहित, उसकी संदत्त नहीं किया जाएगा किन्तु उस निकाय की सम्पत्ति से उस निकाय के अधीन उसके नये भविष्य निधि लेखों में अन्तरित कर दिया जाएगा ।

## (2) जब योगदाता—

(क) निवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर जाता है, या

(ख) छुट्टी पर होने के दौरान, निवृत्त होने के लिए अनुज्ञात किया गया है या सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे सेवा के अयोग्य घोषित किया गया है, तो निधि में उसके खाते में जमा योगदान की रकम और उस पर ब्याज, सचिव को उस निमित्त उसके द्वारा किये गये आवेदन पर, योगदाता को देय हो जायेगा;

परन्तु यदि योगदाता इयूटी पर वापस आ जाएं तो वह, इस नियम के अनुसरण में निधि में से अपने को नन्दन कछ गई कोई रकम, नियम 12 में उपबन्धित दर पर उस पर ब्याज सहित, नकद या प्रतिभूतियों में, या भागतः नगद और भागतः प्रतिभूतियों में, किस्तों में या अन्यथा, अपनी उपलब्धियों में से वसूली द्वारा या अन्यथा जसा भी ऐसा अभिमर्शन जिसकी स्वीकृति के लिए नियम 13 के उपनियम (ख) के अधीन विशेष कारण अपेक्षित हैं, मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए, अपने खाते में जमा करने के लिए यदि बोर्ड द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा की जाए तो, निधि में प्रतिसंदाय करेगा ।

19. योगदाता की मृत्यु पर प्रक्रिया.—नियम 20 के अधीन किसी कटौती के अध्याधीन, योगदाता के खाते जमा रकम के देय होने के पूर्व या जहां रकम देय हो गई है वहां संदाय कर दिए जाने से पूर्व, योगदाता की मृत्यु होने पर—

(1) जब योगदाता कुटुम्ब छोड़ कर मरता है तब—

(क) यदि नियम 5 के उपबन्धों के अनुसार योगदाता द्वारा अपने कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में किया गया नामनिर्देशन अस्तित्व में हो, तो निधि में उसके खाते जमा रकम या उसका वह भाग, जिससे कि नामनिर्देशन का सम्बन्ध है, नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट अनुपात में, उसके नामनिर्देशित या नामनिर्देशितियों को देय हो जायेगा;

(ख) यदि योगदाता के परिवार के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में ऐसा कोई नामनिर्देशन अस्तित्व में नहीं है या यदि ऐसा नामनिर्देशन निधि में उसके खाते जमा रकम के केवल एक भाग के सम्बन्ध में है तो, यथास्थिति, सम्पूर्ण रकम या उसका यह भाग, जिससे कि नामनिर्देशन का सम्बन्ध नहीं है, ऐसे किसी नामनिर्देशन के होते हुए भी जिसका कि उसके कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में होना तात्पर्यित है, उसके कुटुम्ब के सदस्यों को बराबर अंशों में देय हो जायेगा;

परन्तु—

- (1) ऐसे पुत्रों को, जो प्राप्त वय हो चुके हैं;
- (2) मृत पुत्र के ऐसे पुत्रों को जो प्राप्त वय हो चुके हैं;
- (3) ऐसी विवाहित पुत्रियों को जिनके पति जीवित हैं;
- (4) मृत पुत्र की ऐसी विवाहित पुत्रियों के जिनके पति जीवित हैं;

कोई अंश देय न होगा यदि खंड (1), (2), (3) और (4) में विनिर्दिष्ट सदस्यों से भिन्न कुटुम्ब का कोई सदस्य है;

परन्तु यह और भी कि मृत पुत्र की विधवा या विधवाएं और पुत्र पुत्री या पुत्र पुत्रियां आपस में समान भागों में केवल वही अंश प्राप्त करेंगे जो कि वह पुत्र, यदि वह योगदाता का उत्तरजीवी होता और प्रथम परन्तुक के खंड (1) के उपबन्धों से उसे छूट मिली होती तो, प्राप्त करता :

टिप्पण—योगदाता के कुटुम्ब के किसी सदस्य को इन नियमों के अधीन देय कोई राशि अधिष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे सदस्य में निहित हो जाती है।

- (2) जब योगदाता का कोई कुटुम्ब नहीं छोड़कर मरता है तब, यदि नियम 5 के उपबन्धों के अनुसार उसके द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में किया गया नामनिर्देशन अस्तित्व में है तो, निधि में उसके खाते जमा रकम या उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन का सम्बन्ध है, नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट अनुपात में उसके नामनिर्देशित या नाम निर्देशितियों को देय हो जाएगा।

**टिप्पण 1—** जब कि नामनिर्देशी योगदाता का भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 के खंड (ग) में यथापरिभाषित आश्रित है, तब, वह रकम उस अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे नामनिर्देशी में निहित हो जाती है।]

**टिप्पण 2—** जब कि योगदाता कोई कुटुम्ब नहीं छोड़ कर मरता है और नियम 5 के उपबन्धों के अनुसार उसके द्वारा किया गया कोई नामनिर्देशन अस्तित्व में नहीं है, अथवा यदि ऐसे नामनिर्देशन का निधि में उसके खाते जमा रकम के केवल एक भाग के साथ सम्बन्ध है तब भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 4 की उपधारा (1) के खंड (ख) और खंड (ग) के उपखंड (2) के सुसंगत उपबन्ध सम्पूर्ण रकम या उसके उस भाग को, जिससे कि नामनिर्देशन का सम्बन्ध नहीं है, लागू होंगे ।

**20. कटौतियाँ.—**इस शर्त के अधीन कि ऐसी कोई कटौती नहीं की जा सकेगी जो कि खाते जमा रकम को निधि में योगदाता के खाते जमा रकम के निधि से संदत्त किए जाने के पूर्व, नियम 11 और I : के अधीन व्याज सहित बोर्ड द्वारा किए गए किसी अभिदाय की खाते जमा रकम से अधिक घटा देती है, अध्यक्ष यह निर्देश दे सकेगा कि,

(क) यदि कोई योगदाता गम्भीर अवचार के कारण सेवा से पदच्युत कर दिया गया है तो किसी भी रकम की उसमें से कटौती करके उस रकम का बोर्ड को संदाय किया जाय :

परन्तु यदि पदच्युति का आदेश तत्पश्चात् रद्द कर दिया जाता है तो इस प्रकार काटी गई रकम सेवा में उसके पुनः स्थापन पर निधि में फिर से उसके खाते जमा कर दी जाएगी ।

(ख) यदि कोई योगदाता, अपने नियोजन के प्रारम्भ के 5 वर्ष के भीतर बोर्ड के अधीन अपने नियोजन का अधिवर्षता के कारण से अन्यथा या सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी की इस घोषणा से अन्यथा कि वह आगे सेवा के अयोग्य है, पदत्याग कर देता है, तो किसी भी रकम को उसमें से कटौती करके उस रकम का बोर्ड को संदाय किया जाए,

(ग) बोर्ड के प्रति योगदाता द्वारा उपगत किसी दायित्व के अधीन शोध किसी भी रकम की उसमें से कटौती कर के उस रकम का बोर्ड को संदाय किया जाए ।

**टिप्पण 1—**इस नियम के खंड (ख) के प्रयोजन के लिए 5 वर्ष की कालावधि की गणना बोर्ड के अधीन योगदाता की निरन्तर सेवा के प्रारम्भ से की जाएगी ।

**टिप्पण 2—** इस नियम के खण्ड (ख) के प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य विभाग में या राज्य सरकार के अधीन या सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में के किसी निगमित निकाय के अधीन सेवाकाल विच्छेद बिना या बोर्ड की उचित अनुज्ञा सहित, किसी नियुक्ति पर जाने के लिए सेवा से पद त्याग कर बोर्ड की सेवा से पद त्याग नहीं समझा जाएगा ।



21. निधि में की रा मीका संदाय.—(1) जब निधि में योगदाता के खाते जमा रकम या नियम 20 के अधीन किसी कटौती के पश्चात् उसका अतिशेष देय हो जाता है, तब सचिव का कर्तव्य होगा कि वह, जब कि उस नियम के अधीन कोई कटौती निर्दिष्ट नहीं की गई है तब, अपना यह समाधान कर लेने के पश्चात् कि संदाय करने को भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 4 में यथा-उपबन्धित कोई कटौती नहीं की जानी है।

(2) यदि वह व्यक्ति, जिसे इन नियमों के अधीन कोई रकम संदाय की जानी है, पागल है, जिसकी सम्पदा के लिए भारतीय पागलपन अधिनियम, 1912 (1912 का 4) के अधीन इस निमित्त कोई प्रबन्धक नियुक्त किया गया है, तो संदाय उस प्रबन्धक को किया जाएगा, न कि उस पागल को ।

(3) कोई व्यक्ति, जो इस नियम के अधीन संदाय प्राप्त करने का दावा करना चाहता है, उस निमित्त एक लिखित आवेदन सचिव को भेजेगा ।

टिप्पण—जब योगदाता के खाते जमा रकम नियम 18 या 19 के अधीन देय हो जाती है तब, सचिव योगदाता के खाते जमा रकम के उस प्रभाग का तुरन्त दिया जाना प्राधिकृत करेगा जिसके बारे में कोई विवाद या शंका नहीं है और अतिशेष का तत्पश्चात् यथा संभव शीघ्र समायोजन किया जाएगा ।

22. निधि में की राशि के संदाय के लिए क्रिया.—(1) इन नियमों के अधीन निधि में से संयुक्त सभी राशियों का लेखा जोखा "कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि लेखा" नाम से बोर्ड की पुस्तकों में रखा जाएगा ।

(2) ऐसे लेखों का परीक्षण किया जाएगा और कोयला खान (संरक्षण एवं सुरक्षा) अधिनियम, 1952 (1952 का 12) की धारा 12 की उपधारा (2) के अधीन नियुक्त संपरीक्षकों द्वारा संपरीक्षा की जाएगी ।

(3) बोर्ड द्वारा निधि के समस्त व्ययों की पुष्टि, जैसा कि बोर्ड निदेशित करे, निधि की आय में से की जाएगी ।

(4) निधि की अभिरक्षा एवं उसका संवितरण यथावत रूप से उस तरीके से विनियमित किया जाएगा जित प्रकार कोयला खान सुरक्षा एवं संरक्षण निधि की की जाती है ।

23. लेखों का वार्षिक विवरण योगदाता को प्रदाय किया जाएगा:—(1) हर एक वर्ष 31 मार्च के पश्चात् यथा संभव शीघ्र, सचिव हर एक योगदाता को निधि में उसके लेखों की उसकी पास बुक अथवा उसके लेखों का विवरण भेजेगा जिसमें अग्रशेष, जैसा कि वह वर्ष की 1 अप्रैल को था, जमा खाते किए गए व्याज की कुल रकम, जैसी कि वह वर्ष की 31 मार्च को थी और उस तारीख को अतिशेष, दर्शित होंगे । सचिव लेखा विवरण के साथ एक जांच पत्र भी संलग्न करेगा जिसमें पूछा जाएगा कि—

(क) क्या योगदाता नियम 5 के अधीन किए गए किसी नामनिर्देशन में कोई परिवर्तन करना चाहता है,

(ख) क्या योगदाता के पास (उन दशाओं में जिनमें कि नियम 5 के उपनियम (2) के अधीन उसने अपने कुटुम्ब के सदस्य के पक्ष में कोई तामनिर्देशन नहीं किया है) कोई कुटुम्ब हो गया है;

(ग) योगदाताओं को अपनी पास बुकों या वार्षिक विवरण की शुद्धता के सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेना चाहिए और पास-बुक या विवरण की प्राप्ति की तारीख से तीन मास के भीतर गलतियों को सचिव के नोटिस में लाना चाहिए।

24. योगदाता द्वारा करार.—प्रत्येक योगदाता चतुर्थ अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूप में एक करार पर अपनी सहमति देते हुए हस्ताक्षर करेगा कि वह उन नियमों का पालन करेगा तथा उनके द्वारा आवश्यक होगा।

25. निधि का परिसमापन.—(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा बोर्ड के अनुमोदित संकल्प द्वारा निधि का परिसमापन किया जा सकेगा।

(2) निधि के परिसमापन पर आरितियों की आगति की जाएगी और योगदाताओं से उनके लेखों के अनुसार वितरण कर दिया जायेगा।

### पेंशन योग्य सेवा

26. पेंशन योग्य सेवा में अन्तरण हो जाने पर प्रक्रिया.—(1) यदि किसी योगदाता की, बोर्ड के अधीन पेंशन योग्य सेवा में स्थायी रूप से अन्तर्गत किया जाए तो वह, अपने विकल्प पर—

(क) निधि में योगदान करने का हकदार होगा, जिस दशा में वह किसी पेंशन का हकदार नहीं होगा; या

(ख) उस पेंशन योग्य सेवा की बाबत पेंशन उपाजित करने का हकदार होगा, जिस दशा में अपनी स्थायी स्थानान्तरण की तारीख से,

(1) वह निधि में योगदान करना बन्द कर देगा,

(2) बोर्ड द्वारा किए गए योगदानों की रकम उस पर व्याज सहित जो निधि में उसके खाते जमा हो बोर्ड को प्रतिसंदत्त की जाएगी।

(3) निधि में उसके खाते जमा योगदानों की रकम उस पर व्याज सहित साधारण भविष्य निधि के उसके लेखों में अन्तर्गत कर दी जाएगी, जिसमें तत्पश्चात् वह उस निधि के नियमों के अनुसार योगदान करेगा; और

(4) वह पेंशन में कालावधि उस प्रभाग की गणना का हकदार होगा जिसे कि बोर्ड अवधारित करे।

(2) योगदाता, पेंशन योग्य सेवा में स्थायी रूप से अपने स्थानान्तरण के आदेश की तारीख से तीन मास के भीतर, उपनियम (1) के अधीन अपना विकल्प, पत्र द्वारा सचिव को संसूचित करेगा; और यदि उस कालावधि के भीतर सचिव के कार्यालय में कोई संसूचना प्राप्त नहीं हो तो यह समझा जाएगा कि योगदाता ने उस उपनियम के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट रीति में अपने विकल्प का प्रयोग किया है।

### साधारण

27. **अलग अलग वशाओं में निर्यातों के उपबन्धों का स्थिति किया जाना**—जब अध्यक्ष का इस सम्बन्ध में समाधान हो जाए कि इन नियमों के प्रवर्तन से योगदाता को असम्यक कष्ट होता है या होता सम्भाव्य है तब, वह इन नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, ऐसे योगदाता के मामले को ऐसी रीति से बरतेगा जो उसे न्यायसंगत और साम्यापूर्ण प्रतीत हो।

28. **नियमों में संशोधन**—केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना इन नियमों में कोई संशोधन नहीं किए जाएंगे।

29. **निर्वाचन**—यदि इन नियमों के निर्वाचन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठे तो, वह किन्हीं सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा जिसका उस पर विनिश्चय अस्तित्व होगा।

### प्रथम अनुसूची

[नियम 5(3) देखिये]

#### नाम निवृत्तता का प्रारूप जब योगदाता का कुटुम्ब हो

मैं एतद्वारा निवेश देता हूँ कि कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि में मेरे खाते जमा रकम मेरी मृत्यु के समय मेरे कुटुम्ब के नीचे वर्णित सदस्यों के बीच उस रीति में वितरित की जाएगी जो उनके नामों के समक्ष वर्णित की गई है;

नाम निर्वेशित या	योगदाता के साथ	नाम निर्वेशित की	संचितियों में से अंश की रकम
नाम निर्वेशितियों के नाम	नाता	आयु	
और पते			

1	2	3	4
---	---	---	---

स्थान.....	हस्ताक्षर के दो साक्षी
तारीख.....	1.....
	2.....

योगदाता के हस्ताक्षर

**टिप्पण :**—स्तम्भ 4 ऐसे भरना चाहिए कि खाते में जमा पूरी रकम इसके अन्तर्गत आ जाए।

### द्वितीय अनुसूची

नियम 5 (38 देखिए)।

#### नाम निवेशन का प्रारूप जब योगदाता का कोई कुटुम्ब न हो

मैं एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और निदेश देता हूँ कि कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि में मेरे खाते जमा रकम, मेरी मृत्यु पर मेरा कोई कुटुम्ब न होने से नीचे वर्णित व्यक्तियों के बीच उस रीति से वितरित की जाएगी जो उनके नामों के समक्ष दर्शित की गई है।

नाम निर्देशित या	यदि कोई हो तो,	नाम निर्देशितों की	संचितियों में मेरे अंश की रकम
नाम निर्देशितियों के	योगदाता के साथ	आयु	
नाम और पते	नाता		

1	2	3	4
---	---	---	---

	हस्ताक्षर के दो साक्षी
स्थान .....	1 .....
तारीख .....	2 .....
	योगदाता के हस्ताक्षर

टिप्पणः—स्तम्भ 4 ऐसे भरना चाहिए कि खाते में जमा पूरी रकम इसके अन्तर्गत आ जाए।

### तृतीय अनुसूची

(नियम 13 देखिये)

#### अस्थायी अग्रिम धन मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी

ऐसा अग्रिम धन, जिसकी मंजूरी के लिए नियम 13 के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) के अधीन विशेष कारण अपेक्षित नहीं हैं; बोर्ड के सचिव द्वारा मंजूर किया जा सकेगा।

2. ऐसा अग्रिम धन, जिसकी मंजूरी के लिए नियम 13 के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) के अधीन विशेष कारण अपेक्षित हैं, बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मंजूर किया जा सकेगा।

चतुर्थ अनुसूची  
(नियम 24 देखिये)।।

कोयला बोर्ड

कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि

करार का प्ररूप

मैं एतद्वारा घोषित करता हूँ कि मैंने कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि नियम, 1970 को पढ़ लिया है और मैं करार करता हूँ कि मैं उनका पालन करूँगा और उनसे आबद्ध कर दूँगा।

..... माह के ..... दिन (तारीख) ..... 19..... स्थान ..... में

पूरा नाम .....

जन्म की तारीख .....

मियुक्ति की तारीख .....

नियुक्ति की प्रकृति .....

वेतन प्रतिमाह ..... रुपये .....

हस्ताक्षर

स्थान .....

तारीख .....

साक्षी

(1) नाम .....

पता .....

उपजीविका .....

(2) नाम .....

पता .....

उपजीविका .....

ह० .....

(फा० सं० .....

## चतुर्थ अनुसूची

(नियम 24 देखिये)

## कोयला बोर्ड

कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि

## करार का प्रकल्प

मैं एतद्वारा घोषित करता हूँ कि मैंने कोयला बोर्ड अभिदायी भविष्य निधि नियम, 1970 को पढ़ लिया है और मैं करार करता हूँ कि मैं उनका पालन करूँगा और उनसे आबद्ध होऊँगा।

..... मैं सन् 19                      के मास के ..... दिन को    दितारिख

पूरा नाम .....

जन्म की तारीख .....

नियुक्ति पर कार्यारम्भ की तारीख .....

नियुक्ति की प्रकृति .....

मासिक वेतन ..... रुपये .....

हस्ताक्षर

स्थान .....

साक्षी

सारीख .....

(1) नाम .....

पता .....

उपजीविका .....

(2) नाम .....

पता .....

उपजीविका .....

ह० .....

का० सा० .....

[सं० को० 5-1(2)/65-को० 4]

बी० के० हरूरे, उप-सचिव।

(Department of Mines & Metals)

*New Delhi, the 15th September, 1970*

**G. S. R. 1725.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1964, namely :—

1. (i) These rules may be called the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1970.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1964, after Serial No. 65 and the entries relating thereto the following shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
66. Mineral Officer (Intelligence).	3	General Central Service Class II	Rs. 350—25— 500—30—590 —EB—30— —800—EB— —30—830— 35—900.†	Selection	30 years and below (Relax- able for Govern- ment ser- vants)	Essential : (i) Master's degree in Geology or Applied Geology from a recognised University or equivalent.  OR  A diploma in Applied Geology from the Indian School of Mines and Applied Geology, Dhanbad or equivalent.  (ii) About three years experience in Government/ pri- vate establishment dealing with com- pilation and pro- cessing work per- taining to mining utilisation and marketing of minerals.  (Qualifications relaxa- ble at Commission's discretion in case of candidates other- wise well qualified.)



8	9	10	11	12	13
No	Two Years	By promotion failing which by direct recruitment.	<i>Promotion</i> Senior Tech- nical Assis- tant (Geology) with three years service in the grade rendered after appoint- ment thereto on a regular basis.	Class II Depart- mental Pro- motion Commit- tee.	As required under the Union Pub- lic Service Com- mission (Exemp- tion from Con- sultation) Regula- tions, 1958.

[No. F. 6/18/69-M-III/M-2.]

K. B. SAXENA, Under Secy.

## खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

## (कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1968

सा० का० नि० 1632.—बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

## बीज नियम 1968

## भाग 1—प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम.—ये नियम बीज नियम, 1968 कहे जा सकेंगे ।
2. परिभाषाएं.—इन नियमों में जब तक कि सदर्थ से अन्यथा अपेक्षित न हो ;
  - (क) “अधिनियम” से बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) अभिप्रेत है ;
  - (ख) “विज्ञापन” से लेबल पर के रूपों से भिन्न वे सभी रूपण अभिप्रेत हैं जो अधिनियम के प्रयोजनों के लिए बीज के सम्बन्ध में, किसी रीति में या किसी माध्यम से प्रचारित किए गए हो ;
  - (ग) “प्रमाणन नमूना” से, अधिनियम की धारा 8 के अधीन स्थापित या धारा 18 के अधीन मान्यता प्राप्त प्रमाणन अधिकरण द्वारा या प्रमाणन अभिकरण के सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा लिया गया, बीज का नमूना अभिप्रेत है ;
  - (घ) “प्रमाणन टैग” से प्रमाणन अभिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली निश्चित डिजाइन का टैग या लेबल अभिप्रेत है और वह प्रमाणन अभिकरण द्वारा अनुदत्त प्रमाण पत्र के रूप में होगा ;
  - (ङ) “प्रमाणित बीज” से वह बीज अभिप्रेत है जो अधिनियम या इन नियमों द्वारा प्रमाणन के लिए उपबधित सभी अपेक्षाओं को पूरा करता हो और जिसके आधान पर टैग लगा हो ;
  - (च) “प्रमाणित बीज उत्पादक” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो, प्रमाणन अभिकरण की प्रक्रिया और मानकों के अनुसार, प्रमाणित बीज को उगाए या वितरित करे ;
  - (छ) “पूर्ण अभिलेख” से, विक्रय के लिए प्रस्थापित, बेचे गए या अन्यथा सदाय किए गए किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के बीज के उद्गम, उपकिस्म, किस्म, अंकुरण और शुद्धता की बाबत जानकारी, अभिप्रेत है ;
  - (ज) “प्ररूप” से इन नियमों से उपाबद्ध कोई प्ररूप अभिप्रेत है ;
  - (झ) “उद्गम” से वह राज्य, मध्य राज्य क्षेत्र या विदेश अभिप्रेत है जहां बीज उगाया गया हो और उस दशा में, जहां विभिन्न उद्गम के बीज मिला दिए गए हों, वहां लेबल प्रत्येक उद्गम के बीज की प्रतिशतता दर्शित करेगा ;

(ग) “प्रसंस्करण” से सफाई, सुखाना, संप्रयोग, वर्गीकरण और ऐसी अन्य संक्रियाएं अभिप्रेत हैं जो बीज की शुद्धता और अंकुरण को बदल डालेंगी और इस प्रकार बीज की क्वालिटी के अवधारण के लिए पुनः परीक्षण की अपेक्षा होगी किन्तु इसके अन्तर्गत पैकेज बनाने और लेबल लगाने जैसी संक्रियाएं नहीं आती ;

(घ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(ङ) “सर्विस नमूना” से केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला या राजकीय बीज प्रयोगशाला को परीक्षण के लिए दिया गया नमूना अभिप्रेत है जिसके परिणामों को बीजन, विक्रय या लेबल लगाने के प्रयोजनों के लिए जानकारी के रूप में उपयोग किया जाएगा ;

(च) “अभिक्रियाकृत” से, कतिपय रोगाणुओं, कीटों या ऐसे अन्य नाश कीटों को, जो बीजों या उनसे उगने वाली पौधों पर आक्रमण करते हैं, कम, नियंत्रित या निवारित करने और अन्य प्रयोजनों के लिए, बीजों का किसी रीति से प्रसंस्करण या उन पर किसी पदार्थ का प्रयोजन, अभिप्रेत है ।

## भाग 2—केन्द्रीय बीज समिति

3. केन्द्रीय बीज समिति के कृष्य.—अधिनियम द्वारा समिति को न्यस्त कृत्यों के अतिरिक्त, समिति :—

- (क) केन्द्रीय और राज्य बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा नमूनों के विश्लेषण के लिए और प्रमाणन अभिकरणों द्वारा प्रमाणन के लिए उद्गृहीत की जाने वाली फीसों की दर की सिफारिश करें ;
- (ख) बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं के यथोचित्य की बाबत केन्द्रीय या राज्य सरकारों को सलाह देगी ;
- (ग) केन्द्रीय सरकार को अपनी सिफारिशों और अन्य सम्बन्धित अभिलेख भेजेगी ;
- (घ) बीजों के प्रमाणन, परीक्षण और विश्लेषण के लिए प्रक्रिया और मानकों की सिफारिश करेगी; और
- (ङ) ऐसे अन्य कृत्यों का जो अधिनियम या इन नियमों द्वारा प्रदत्त किन्हीं कृत्यों के अनुपूरक, आनुषंगिक या पारिणामिक हों, पालन करेगी ।

4. समिति और उसकी उपसमितियों के सदस्यों को संबन्ध यात्रा और दैनिक भत्ते.—समिति और उसकी उपसमितियों के सदस्य जब कि उन्हें समिति या उसकी उपसमिति के अधिवेशन में हाज़िर होने के लिए बुलाया जाएगा तो ऐसे यात्रा एवं दैनिक भत्ते लेने के लिए हकदार होंगे जैसे कि नीचे विनिर्दिष्ट किए गए हैं;

- (क) समिति या उसकी उपसमिति का शासकीय सदस्य उसे सरकार के, जिसके अधीन वह तत्समय नियोजित है, नियमों के अनुसार और उसी स्रोत से जिससे कि उसका वेतन और भत्ते लिए जाते हों, यात्रा एवं दैनिक भत्ते लेने का हकदार होगा ।
- (ख) शासकीय सदस्य को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर इस निमित्त दिए गए साधारण आदेशों के अनुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ते अनुज्ञात किए जाएंगे ।

### भाग 3

5. कृष्यः—अधिनियम द्वारा केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला को न्यस्त किए गए कृत्यों के अतिरिक्त, प्रयोगशाला निम्नलिखित कृत्य करेगी, अर्थात् —

- (क) भारत की सभी बीज प्रयोगशालाओं के परीक्षण परिणामों के बीच एकरूपता लाने के लिए राज्य बीज प्रयोगशालाओं के सहयोग से परीक्षण कार्यक्रमों को शुरू करना ;
- (ख) बाजार में प्राप्त बीजों की क्वालिटी के सम्बन्ध में लगातार आंकड़े संगृहीत करना और इन आंकड़ों को समिति को उपलब्ध करना ; और
- (ग) ऐसे अन्य कृत्य करना जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे समनुद्दिष्ट किए जाएं ।

### भाग 4—बीज प्रमाणन अभिकरण

6. प्रमाणन अभिकरण के कृष्यः—अधिनियम द्वारा प्रमाणन अभिकरण को न्यस्त कृत्यों के अतिरिक्त, अभिकरण —

- (क) किन्हीं अधिसूचित किस्मों या उपकिस्मों के बीजों को प्रमाणित करेगा ;
- (ख) आवेदन देने की प्रक्रिया की और प्रमाणन के लिए आशयित बीजों के उगाने, काटने, प्रसंस्कृत करने, संगृहीत करने और उन पर लेबल लगाने की अन्त तक की प्रक्रिया की रूपरेखा, इस बाबत आवश्यक होने के लिए बनाएगा कि अन्तिम रूप से प्रमाणन के लिए अनुमोदित बीजों के लाट सही उपकिस्म के हैं । और अधिनियम या इन नियमों के अधीन प्रमाणन के लिए विहित स्तरों के हैं ;
- (ग) बीजों के मान्यताप्राप्त प्रजनकों की सूची रखेगा ;
- (घ) प्रमाणन के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यह सत्यापित करेगा कि उपकिस्म प्रमाणन की पात्र है, कि रोपणन के लिए उपयोग में लाया गया बीज-स्रोत अधि-

- प्रमाणीनकृत था और क्रय का अभिलेख इस नियमों के अनुसार है तथा फीस संदत्त कर दी गई है ;
- (ङ) नमूना लेगा और प्रमाणन अधिकरण द्वारा अधिकधिक प्रक्रियाओं के अधीन उत्पादित बीज-लाटों का निरीक्षण करेगा और ऐसे नमूनों का परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए करायेगा कि बीज प्रमाणन के विहित मानकों के अनुरूप है ;
- (च) बीज प्रसंस्करण संयंत्रों का यह देखने के लिए निरीक्षण करेगा कि किसी अन्य किस्मों और उपकिस्मों के नियमों का प्रयोग तो नहीं होता है ;
- (छ) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्रक्रमों में, उदाहरणार्थ, खेतों का निरीक्षण, बीज प्रसंस्करण संयंत्र का निरीक्षण, लिए गये नमूनों का विश्लेषण और प्रमाणपत्रों (जिनके अन्तर्गत टैग, चिह्न, लेबल और मुद्राएं आती हैं) के लिए दिये जाने में कार्रवाई शीघ्र की जाए ;
- (ज) प्रमाणित बीज के उपयोग की अभिवृद्धि करने के लिए बनाए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों को, जिसमें प्रमाणित बीज उगाने वालों और प्रमाणित बीज के खेतों की सूची का प्रकाशन भी आता है, कार्यान्वित करेगा ;
- (झ) अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार प्रमाणपत्र (जिस के अन्तर्गत टैग, लेबल, मुद्रा आदि हैं) देगा ;
- (ञ) ऐसे अभिलेख रखेगा जो यह सत्यापित करने के लिए आवश्यक हों कि प्रमाणित बीज के उत्पादन के लिए बीज पादप इन नियमों के अधीन ऐसे रोपण के योग्य थे ;
- (ट) यह सुनिश्चित करने के लिए खेतों का निरीक्षण करेगा कि विलगन, अवांछित पौधों के निष्कासन (जहां लागू हो) नर बांझपन के उपयोग (जहां लागू हो) और समान बातों के लिए न्यूनतम मानक सभी समय बनाए रखे जाते हैं और यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेत में बीजाणु रोग उस विस्तार से अधिक विस्तार में मौजूद नहीं है जो प्रमाणन के लिए मानकों में उपबन्धित हैं ।

#### भाग 5--चिह्न या लेबल लगाना

7. **चिह्न या लेबल लगाने का उत्तरदायित्व.**—जब धारा 7 के अधीन किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म का बीज विक्रय के लिए प्रस्थापित किया जाए तो प्रत्येक आधान पर इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट रीति में चिह्न या लेबल लगाया जाएगा । वह व्यक्ति, जिसका नाम चिह्न या लेबल पर वर्णित हो, चिह्न या लेबल पर वर्णित किए जाने के लिए अपेक्षित जानकारी की यथार्थता के लिए, तब तक उत्तरदायी रहेगा जब तक बीज असल बन्द आधान में रखा रहे:

परन्तु ऐसा व्यक्ति, चिह्न या लेबल पर वर्णित कथन की यथार्थता के लिए, उत्तरदायी नहीं होगा यदि बीज असल बन्धु आधान से निकाल लिया गया हो, अथवा चिह्न या लेबल पर उपदर्शित अंकुरण कथन की यथार्थता के लिए विधिमाम्यता की तारीख के पश्चात् वह उत्तरदायी नहीं रहेगा ।

8. चिह्न या लेबल की विषय वस्तु.—हर चिह्न या लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट किए जाएंगे :—

- (1) अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ ;
- (2) अन्तर्वस्तु की पूरी तोल का मीट्रिक प्रणाली से शुद्ध विवरण ;
- (3) परीक्षण की तारीख ;
- (4) यदि आधान का बीज अभिक्रियाकृत किया गया हो, तो—
  - (क) यह उपदर्शित करने वाला कथन कि बीज अभिक्रियाकृत किया गया है ;
  - (ख) सामान्यतः अभिस्वीकृत रसायन या अनुप्रयुक्त पदार्थ का रासायनिक (प्रजातीय) संक्षिप्त नाम ; और
  - (ग) यदि अभिक्रिया के लिए उपयोग में लाये गये और बीज के साथ उपस्थित रासायनिक द्रव्य मनुष्यों और अन्य कशेरुकी जीवजन्तुओं के लिए हानिकारक है तो एक चेतावनी देने वाला कथन, जैसे कि “खाद्य, चारा या तेल के प्रयोजनों के लिए मत प्रयोग कीजिए ।” पारद और समरूप विपाक्त द्रव्यों के लिए चेतावनी शब्द “विष” होगा जो कि लेबल पर लाल रंग में टाइप आकार में स्पष्टतया संप्रदर्शित किया जाएगा ;
- (5) उस व्यक्ति का नाम और पता, जो बीज बेचने की प्रस्थापना करता है, उसका विक्रय करता है या उसका अन्यता संदाय करता है और जो उसकी क्वालिटी के लिए उत्तरदायी है ;
- (6) अधिनियम की धारा 5 के अधीन यथा अधिसूचित बीज का नाम ।

9. धारा 7 के खण्ड (ग) और धारा 17 के खण्ड (ख) के अधीन आधान पर चिह्न और लेबल लगाने की रीति.—

- (1) धारा 6 के खण्ड (ख) के अधीन तथा विनिर्दिष्ट बीज की विशिष्टियों से युक्त चिह्न या लेबल बीज के प्रत्येक आधान पर या उस आधान के, जिसमें बीज पैक किया गया हो, अन्तर्तम पर, सहजदृश्य स्थान पर आधान से संलग्न टैग या चिह्न या लेबल पर और हर अन्य आवेष्टक पर जिनमें वह आधान पैक किया गया हो, वर्णित होगा और पढ़े जा सकने योग्य होगा ।

- (2) किसी पारदर्शी आवेष्टक, केम या अन्य आवरक पर, जो केवल पैकिंग, परिवहन या परिदान के लिए उपयोग में लाया जाए, चिह्न या लेबल लगाना आवश्यक नहीं है ।
- (3) जहां कि इन नियमों के किसी उपबन्ध द्वारा आधान के लेबल में किन्हीं विशिष्टियों का संप्रदर्शित किया जाना अपेक्षित हो वहां ऐसी विशिष्टियों लेबल में संप्रदर्शित किए जाने की बजाए आधान पर अंकित, चित्रित या अन्यथा अमिट रूप में चिह्नित की जा सकेंगी ।

10. चिह्न या लेबल में मिथ्या या भ्रामक कथन अन्तर्बिष्ट नहीं होंगे.—चिह्न या लेबल में ऐसा कोई कथन, दावा, डिजाइन, कार्पनिक नाम या संक्षेपाक्षर नहीं होगा जो आधान में रखे हुए बीज से सम्बद्ध किसी विशिष्टि की बाबत मिथ्या या भ्रामक हो ।

11. चिह्न या लेबल में अधिनियम या इन नियमों के ऐसे निर्वेश नहीं होंगे जो अपेक्षित विशिष्टियों से असंगत हों.—चिह्न अथवा लेबल में अधिनियम या इन नियमों में से किसी का कोई निर्देश या अधिनियम या इन नियमों में से किसी के द्वारा अपेक्षित किन्हीं विशिष्टियों या घोषणा पर कोई टीका टिप्पणी, या उस के प्रति कोई निर्देश, या स्पष्टीकरण नहीं होगा जो प्रत्यक्षतः या विवक्षित रूप से ऐसी विशिष्टियों या घोषणा को खण्डित, विशेषित या उपान्तरित करता हो ।

12. चिह्न लेबल की वित्त वस्तु के लिए उत्तरदायित्व से इन्कार.—किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज से सम्बन्धित चिह्न या लेबल या किसी विज्ञापन में एसी कोई बात वर्णित नहीं होगी जो अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित एवं चिह्न, लेबल या विज्ञापन पर वर्णित कथन के लिए उत्तरदायित्व के प्रति इन्कार हो ।

## भाग 6—अपेक्षाएं

13. धारा 7 में निर्दिष्ट कारबार चराने वाले व्यक्ति द्वारा अनुपालन की जाने वाली अपेक्षाएं:—(क) कोई भी व्यक्ति किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म का कोई बीज उस तारीख के पश्चात् न बेचेगा, न विक्रय के लिए रखेगा, न उसका वस्तु-विनिमय करेगा, और न उसका अन्यथा संचाय करेगा जो चिह्न या लेबल पर उस तारीख के रूप में अभिलिखित है जिस तक बीज की बाबत यह प्रत्याशा की जा सकती कि उसमें अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (क) के अधीन विहित अंकुरण से अन्यून अंकुरण बना रहेगा ।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी बीज के आधीन से संलग्न किसी चिह्न या लेबल को न परिवर्तित करेगा, न मिटायेगा और न विरूपित करेगा ।

(3) किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज की धारा 7 के अधीन बेचने वाला, विक्रय के लिए रखने वाला, बेचने की प्रस्थापना करने वाला उसका वस्तु-विनिमय करने वाला या अन्यथा संचाय करने वाला हर व्यक्ति बेचे गये बीज के प्रत्येक लाट का पूर्ण अभिलेख तीन वर्ष की कालावधि तक रखेगा किन्तु बीज का कोई नमूना, ऐसे नमूने द्वारा रूपित सम्पूर्ण लाट के व्ययन्तित

कर दिये जाने के एक वर्ष पश्चात् व्ययनित किया जा सकता है। पूर्ण अभिलेख के भाग के रूप में रखा गया बीज का नमूना उतने बड़े आकार का होगा जो शासकीय राजपत्र में अधिसूचित हो। यह नमूना, यदि परीक्षण अपेक्षित हो तो, केवल शुद्धता अवधारित करने के लिए परीक्षित किया जायेगा।

14. प्रमाणपत्र बीज के वर्ग और सूची.—(1) प्रमाणित बीज के तीन वर्ग होंगे, अर्थात् बुनियादी रजिस्ट्रीकृत और प्रमाणित तथा प्रत्येक वर्ग उस वर्ग के निम्नलिखित मानकों को पूरा करेगा :—

- (क) बुनियादी बीज प्रजनक के बीज की संतति होगा या बुनियादी बीज में उत्पादित किया जायेगा जिसका सिलसिला प्रजनक के बीज से स्पष्टतः जोड़ा जा सके। उसका उत्पादन किसी बीज प्रमाणन अभिकरण द्वारा सर्वेक्षित और अनुमोदित किया जायेगा और उसकी देखभाल इस प्रकार से की जायेगी जिससे कि विशिष्ट आनुवंशिक शुद्धता और अनन्यता बनी रहे और यह अपेक्षा की जायेगी कि वह सफल के प्रमाणित किये जाने के लिये प्रमाणित मानकों को पूरा करे।
- (ख) रजिस्ट्रीकृत बीज बुनियादी बीज की संतति होगा और उसकी देखभाल इस प्रकार की जायेगी जिससे कि किसी विशिष्ट फसल को प्रमाणित किये जाने के लिए विनिर्दिष्ट मानक के अनुसार उसकी आनुवंशिक अनन्यता और शुद्धता बनी रहे।
- (ग) प्रमाणित बीज रजिस्ट्रीकृत या बुनियादी बीज की संतति होगा जिसकी देखभाल इस प्रकार से की जायेगी जिससे कि किसी विशिष्ट फसल को प्रमाणित किये जाने के लिए विनिर्दिष्ट मानकों के अनुसार आनुवंशिक अनन्यता और शुद्धता बनी रहे।

(2) प्रमाणन अभिकरण के विवेक पर (जब पर्याप्त बीज पूति बनाये रखने के लिए आवश्यक समझा जाये) प्रमाणित बीज, प्रमाणित बीज की संतति हो सकेगा परन्तु यह तब जब पुनः उत्पादन तीन पीढ़ियों से अधिक नहीं हो तथा यह और के बीज प्रमाणन अभिकरण द्वारा वह अवधारित किया गया हो कि आनुवंशिक शुद्धता में व्यंजक परिवर्तन नहीं होगा।

### भाग 7—बीजों का प्रमाणन

15. प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए आवेदन.—धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए हर आवेदन, प्रमाणन अभिकरण द्वारा आवेदन देने के लिए वर्णित प्रक्रिया के अनुसार, प्रकृ 1 में किया जायेगा और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियाँ होंगी, अर्थात् :—

- (क) आवेदन का नाम, वृत्ति और निवास स्थान;
- (ख) प्रमाणित किये जाने वाले बीज का नाम; उसकी अधिसूचित किस्म, या उपकिस्म;
- (ग) बीज का वर्ग;
- (घ) बीज का स्रोत;
- (ङ) बीज के अंकुरण और शुद्धता की सीमाएं;
- (च) बीज का चिह्न या लेबल।



16. फीस .—धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन हर आवेदन 25 रुपये नकद फीस के साथ करना होगा।

17. प्रमाण पत्र .—धारा 9 की उपधारा (3) के अधीन अनुदत्त हर प्रमाण पत्र प्ररूप 2 में होगा और उक्त उपधारा के उपबन्धों के अनुसार प्रमाणन अभिकरण द्वारा जांच करने और अपना समाधान हो जाने के पश्चात निम्नलिखित शर्तों पर, प्रमाणन अभिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली कालावधि के लिए, अनुदत्त किया जायेगा, अर्थात्—

(1) वह व्यक्ति जिसे धारा 9 की उपधारा (3) के अधीन प्रमाण पत्र अनुदत्त किया जाता है, प्रमाणित बीज के हर आधान पर प्रमाणन टैग संलग्न करेगा और चिह्न लगाने या लेबल लगाने के बारे में अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उपबन्धित उपबन्धों का अनुसरण करेगा।

(2) प्रमाणन टैग में निम्नलिखित विशिष्टियाँ अन्तर्विष्ट होंगी, अर्थात् :—

- (क) प्रमाणन अभिकरण का नाम और पता;
- (ख) बीज की किस्म और उपकिस्म;
- (ग) बीज का लाट संख्यांक या अन्य चिह्न;
- (घ) प्रमाणित बीज उत्पादक का नाम और पता;
- (ङ) प्रमाणपत्र के दिये जाने की और वह कब तक विधिमान्य रहेगा इसकी तारीख;
- (च) प्रमाणित बीज को अभिहित करने के लिए एक समुचित संकेत;
- (छ) बीज के वर्ग अभिधान या द्योतक कोई समुचित शब्द।

(3) प्रमाणन टैग का रंग, बुनियादी बीज के लिए श्वेत, रजिस्ट्रीकृत बीज के लिए बैजनी और प्रमाणित बीज के लिए नीला होगा।

(4) प्रमाणित बीज के आधान पर ऐसी वस्तु की और ऐसे प्ररूप में जैसा कि प्रमाणन अभिकरण अवधारित करे मुद्रा होगी और प्रमाणन टैग लगा कोई आधान किसी व्यक्ति द्वारा बेचा नहीं जायेगा यदि टैग या मुद्रा में गड़बड़ कर दी गई हो या उसे हटा दिया गया हो।

(5) आधान का प्रमाणन टैग निम्नलिखित विनिर्दिष्ट करेगा—

- (क) वह कालावधि जिसके दौरान बीज बोने या रोपण के उपयोग में लाया जायेगा;
- (ख) विधिमान्यता की वह कालावधि जिसके अवसान के पश्चात किसी व्यक्ति द्वारा बीज का उपयोग पूर्णतः उसी के जोखिम पर होगा और प्रमाण पत्र का धारक बीज के क्रेता को किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा;
- (ग) यह कि यदि मुद्रा या प्रमाणन टैग में गड़बड़ की गई हो तो किसी को उस बीज का क्रय नहीं करना चाहिए।

(6) प्रमाणन का धारक बीज के उस प्रत्येक लाट के, जो विक्रय के लिए जारी किया जाये, विवरण का अभिलेख ऐसे प्ररूप में रहेगा जिससे कि वह निरीक्षण के लिए प्राप्य हो सके और प्रत्येक आधान के प्रमाणन टैग में दशित लाट संख्यांक के प्रति निर्देश से सुगमता से पहचाना जा सके तथा ऐसे अभिलेख उस बीज की दशा में, जिसके लिए अवसान तारीख नियत की गई है, ऐसी तारीख के अवसान से दो वर्ष की कालावधि के लिए प्रतिधारित किये जायेंगे।

(7) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में प्राधिकृत बीज निरीक्षक को किन्हीं परिस्तरों में जहां बीज उभाये, प्रसंस्कृत किये और बेचे जाते हों पूर्व सूचना से या उसके बिना, प्रवेश करने देगा और परिस्तरों, संयंत्र और प्रसंस्करण की प्रक्रिया का किसी भी उचित समय निरीक्षण करने देगा ।

(8) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किसी भी बीज निरीक्षक को इन नियमों के अधीन रये गए सभी रजिस्ट्रों और अभिलेखों का निरीक्षण करने देगा और बीजों के नमूने लेने देगा तथा बीज निरीक्षक को ऐसी जानकारी देगा जिसकी वह यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजन से अपेक्षा करे कि उन शर्तों का जिनके अध्याधीन प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है, अनुपालन किया गया है या नहीं ।

(9) प्रमाणपत्र का धारक, निवेदन किये जाने पर, बीज की हर लाट में से या ऐसे लाट या लाटों में से, जो उक्त अभिकरण समय-समय पर निर्निर्दिष्ट करे, उतने परिमाण का नमूना जितन किसी अपेक्षित परीक्षण के लिए अभिकरण पर्याप्त समझे, प्रमाणन अभिकरण को देगा ।

(10) यदि प्रमाणन अभिकरण ऐसा निदेश दे, तो प्रमाणपत्र का धारक किसी लाट को, जिसके बारे में पूर्ववत् खण्ड के अधीन नमूना दिया गया है, जब तक कि अभिकरण ऐसे लाट का विक्रय प्राधिकृत न कर दे, न बेचेगा और न बेचने के लिए प्रस्थापित करेगा ।

(11) प्रमाणपत्र का धारक, प्रमाणन अभिकरण द्वारा यह निदेश दिये जाने पर कि उक्त अभिकरण में लाट का कोई भाग अधिनियम द्वारा या उसके अधीन निर्निर्दिष्ट क्वालिटी या शुद्धता के विहित मानकों के अनुरूप नहीं पाया है, उस लाट के अवशिष्ट को विक्रय से वापस ले लेगा और मामले की विनिष्ट परिस्थितियों में, या वतसाध्य उस लाट में से पहले की गई सभी निष्कासियों को वापस ले लेगा ।

(12) प्रमाणपत्र का धारक, अधिनियम और उन नियमों के उपबन्धों का और प्रमाणन अभिकरण द्वारा ऐसे धारक को एक महीने से अन्यून की सूचना देने के पश्चात् दिये गये निदेशों का अनुपालन करेगा ।

### भाग 8—अपीलें

18. वह रूप और रीति जिसमें और वह कीस जिसका संवाय करने पर अपील की जा सकेगी.—(1) धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन अपील का हर ज्ञापन लिखित रूप में होगा और उसके साथ प्रमाणन अभिकरण के विनिश्चय की, (जिसके खिलाफ वह (अपील) की गई हो, एक प्रतिलिपि होगी और उसमें ऐसे विनिश्चय के प्रति आक्षेपों के आधार संक्षिप्त रूप में और सुभिन्न शीर्षों के नीचे किसी तर्क या वृत्तान्त के बिना उपवर्णित किये जायेंगे ।

(2) अपील के हर ऐसे ज्ञापन के साथ एक सौ रुपये की राशि की खजाना रसीद होगी ।

(3) अपील का हर ऐसा ज्ञापन अपीलार्थी द्वारा स्वयं या उसके द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में सम्यक रूपेण प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित किया जा सकेगा या रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जा सकेगा ।

19. अपील प्राधिकारी द्वारा अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया .—अधिनियम के अधीन अपीलों का विनिश्चय करने में अपील प्राधिकारी उन सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा जो न्यायालय की होती हैं, और उन्हीं प्रक्रियाओं का अनुसरण करेगा जिनका अनुसरण कोई न्यायालय मियिल प्रक्रियासंहिता, 1908 (1908 का 5) के अधीन किसी आरम्भिक न्यायालय की डिक्री या आदेश के विरुद्ध अपीलों का विनिश्चय करने में करता है।

### भाग 9—बीज विश्लेषक और बीज निरीक्षक

20. बीज विश्लेषकों की अर्हताएं .—कोई व्यक्ति बीज विश्लेषक के रूप में नियुक्त के लिए तब तक अर्हित नहीं होगा जब तक कि—

- (1) वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि या मत्स्य-विज्ञान या वनस्पति-विज्ञान या उद्यान-विज्ञान का अधिस्तातक न हो या उसके समतुल्य डिग्री प्राप्त किये हुए न हो तथा उसे बीज औद्योगिकों में एक वर्ष से अन्यून का अनुभव न हो; या
- (2) वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि या वनस्पति-विज्ञान का स्नातक न हो और उसे बीज औद्योगिकों में तीन वर्ष से अन्यून का अनुभव न हो।

21. बीज विश्लेषक के कर्तव्य .—(1) विश्लेषण के लिए नमूने की प्राप्ति पर बीज विश्लेषक पहले यह अभिनिश्चित करेगा कि धारा 15 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) में यथा उपबन्धित चिह्न और मुद्रा या बन्धन अविकल है और उस पर सभी मुद्राओं की दशा को नोट करेगा।

(2) बीज विश्लेषक अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार नमूनों का विश्लेषण करेगा।

(3) बीज विश्लेषक विश्लेषण के परिणाम की रिपोर्ट की प्रति, धारा 16 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को परिदत्त करेगा।

(4) बीज विश्लेषक राज्य सरकार को समय-समय पर रिपोर्ट भेजगा जिनमें उसके द्वारा दिये गये विश्लेषण कार्य के परिणाम दिये होंगे।

22. बीज निरीक्षकों की अर्हताएं .—कोई व्यक्ति बीज निरीक्षक के पद में नियुक्त किये जाने के लिए तब तक अर्हित नहीं होगा जब तक कि वह सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का कृषि स्नातक न हो और बीज उत्पादन या बीज विकास में या किसी बीज परीक्षण प्रयोगशाला में बीज विश्लेषण या परीक्षण में एक वर्ष से अन्यून का अनुभव न रखता हो।

23. बीज निरीक्षक के कर्तव्य .—अधिनियम द्वारा विनिर्दिष्ट कर्तव्यों के अतिरिक्त बीज निरीक्षक :—

- (क) किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज के उगाने, भंडाकरण या विक्रय के लिए उपयोग में लाये जाने वाले सभी स्थानों का निरीक्षण उतनी बार करेगा जितनी बार प्रमाणित अभिकरण अपेक्षा करे।

- (ख) अपना यह जनाधान करेगा कि प्रमाणपत्रों की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है,
- (ग) उन बीजों के, जिनके बारे में उसे यह सदेह करने का कारण हो कि वह अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों के उल्लंघन में उत्पादित, भण्डारकृत या विक्रय या विक्रय के लिए प्रदर्शित किये जा रहे हैं, नमूनों के, यदि आवश्यक हो, विश्लेषण के लिए लेगा और भेजगा,
- (घ) ऐसी किसी शिकायत का, जो कि उसे अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों के किसी उल्लंघन के बारे में लिखित रूप में की जाये, अन्वेषण करेगा,
- (ङ) अपने कर्तव्यों के पालन में, जिनमें नमूनों का लेना और स्टार्को का अभिग्रहण भी है, अपने द्वारा किये गये सभी निरीक्षणों और की गई सभी कार्यवाहियों का अभिलेख रखेगा और ऐसे अभिलेख को कृषि के निदेशक को या प्रमाणन अधिकरण को, जैसा कि इस निमित्त निर्दिष्ट किया जाये, भेजगा;
- (च) राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किये जाने पर, उन आयातित आधानों को रोक लेगा जिनके बारे में उसे यह सदेह करने का कारण हो कि उनमें ऐसे बीज रखे हैं जिनका आयात, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किये जाने के सिवाय, प्रतिषिद्ध है;
- (छ) अधिनियम और इन नियमों के भाग के बारे में अभियोजन सन्स्थित करेगा;
- (ज) ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे सौंपे जायें।

#### भा 10—नमूनों का मुद्राबन्ध किया जाता, बांधना, प्रेषण और विश्लेषण

24. नमूने लेने की रीति —किसी अधिसूचित किस्म या उपकिस्म के किसी बीज के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ नमून स्वच्छ सूखे आधान में लिये जायेंगे जो क्षरण और नमी के प्रवेश को निवारित करने के लिए पर्याप्त रूप से कसकर बन्द किया जायेगा और सावधानी पूर्वक मुद्राबन्ध किया जायेगा

25. आधानों पर लेबल लगाया जाना और पता लिखा जाना.—सभी आधानों पर, जिनमें विश्लेषणार्थ नमूने हों, उचित रूप से लेबल लगाये जायेंगे और पार्सलों पर उचित रूप से पते लिखे जायेंगे। विश्लेषण के लिए भेजे गये बीज के नमूने के लेबल पर :—

- (क) क्रम संख्यांक।<sup>1</sup>
- (ख) प्रेषक का नाम, शासकीय पदनाम सहित, यदि कोई हो।
- (ग) उस व्यक्ति का नाम जिससे नमूना लिया गया है;
- (घ) नमूना लेने की तारीख और स्थान;
- (ङ) विश्लेषण के लिए भेजे जा रहे बीज की किस्म और उपकिस्म;
- (च) नमूने के साथ मिलाये गये परिरक्षक को, यदि कोई हो, प्रकृति और मात्रा।

26. नमूनों को पैक करने, बांधने और मुद्राबन्द करने की रीति. —विश्लेषण के लिए भेजे गये बीजों के सभी नमूने निम्नलिखित रीति में पैक किये जायेंगे, बांधे जायेंगे और मुद्राबन्द किये जायेंगे :—

- (क) पहले डाट को सुरक्षित रूप से लगाया जायेगा जिससे कि अभिवहन में आधान का क्षरण निवारित हो सके।
- (ख) तब आधान को काफी मजबूत मोटे कागज में पूरी तौर से लपेटा जायेगा। कागज के कोने मुधरे रूप में मोड़े जायेंगे और गाँद या अन्य आसंजक से चिपकाये जायेंगे।
- (ग) कागज के आवेष्टक को मजबूत डोरी या धागे से आधान के ऊपर और बगल में और सुरक्षित किया जायेगा और तब डोरी या धागे को कागज के आवेष्टक पर मुद्रा लाख के जरिये बांधा जायेगा जिस पर भेजने वाले की मुद्रा को कम से कम चार मुभिन्न और स्पष्ट छापें होंगी जिनमें से एक पैकेट के सबसे ऊपर एक पेंदी में और अन्य दो पैकेट के बाँच वाले हिस्से पर होंगी। डोरी या धागे की गाँठों को मुद्रा लाख के जरिये ढक दिया जायेगा जिन पर भेजने वाले की मुद्रा की छाप होगी।

27. आदेश का प्ररूप.—बीज निरीक्षक द्वारा धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन लिखित रूप में दिया जाने वाला आदेश, प्ररूप 3 में होगा।

28. अभिलेखों के लिए रसीद का प्ररूप.—जब बीज निरीक्षक धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड(ब) के अधीन किसी अभिलेख, रजिस्टर, दस्तावेज या अन्य भौतिक पदार्थ का अभिग्रहण करे तो वह सम्बन्धित व्यक्ति को प्ररूप 4 में रसीद देगा।

29. नमूने बीज विश्लेषक को कैसे भेजे जायेंगे.—विश्लेषण के लिए नमूने का आधान बीज विश्लेषक को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या व्यक्ति के माध्यम से मुद्राबन्द पैकेट में भेजा जाएगा जिसके साथ एक बाहरी आवरण में, बीज विश्लेषक के पते से, प्ररूप 5 में एक जापन संलग्न होगा।

30. जापन और मुद्रा की छाप का पृथक-पृथक भेजा जाना.—बीज विश्लेषक को, जापन की एक प्रति और पैकेट की मुद्रा बन्द करने, में प्रयुक्त-मुद्रा की छाप का एक नमूना, पृथक पृथक रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा या उसको या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को परिदत्त किया जाएगा।

31. नमूने में परिरक्षकों को मिलाया जाना.—अधिनियम के अधीन विश्लेषण के प्रयोजन के लिए बीज का नमूना लेने वाला कोई व्यक्ति नमूने में, उसे विश्लेषण के लिए यथोचित दशा में बनाए रखने के प्रयोजन से ऐसा परिरक्षक, जैसा कि समय समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, मिला सकेगा।

32. परिरक्षकों की प्रकृति और मात्रा का लेबल पर लिखा जाना.—जब कभी भी कोई परिरक्षक नमूने में मिलाया जाए तो मिलाए गए परिरक्षक की प्रकृति और मात्रा आधान पर चिपकाए जाने वाले लेबल पर स्पष्टतः लिखी जाएगी।

33. नमूने का विश्लेषण.—पैकेट की प्राप्ति पर वह, या तो बीज विश्लेषक द्वारा या बीज विश्लेषक द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोला जाएगा, और वह पैकेट पर लगी मुद्रा की दशा को अभिलिखित करेगा। नमूने का विश्लेषण केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार, राज्य बीज प्रयोगशाला में किया जाएगा।

34. सूचना का प्ररूप :—धारा 15 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन, उस व्यक्ति को, जिससे कि बीज निरीक्षक नमूना लेने का आशय रखता है, दी जाने वाली सूचना प्ररूप 6 में होगी ।

35. रिपोर्ट का प्ररूप :—धारा 16 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन विश्लेषण के परिणाम की रिपोर्ट प्ररूप 7 में परिदत्त की जाएगी या भेजी जाएगी ।

36. फीस :—धारा 16 की उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय बीज प्रयोगशाला की रिपोर्ट के लिए संदेय फीस विश्लेषित बीज के प्रति नमूने के लिए दस रुपए होगी ।

37. नमूने का प्रविधारण :—धारा 15 की उपधारा (2) के खण्ड (ग) के अधीन किसी बीज के नमूने को, अंकुरण क्षमता की हानि रोकने के लिए, ठंडे, शुष्क वातावरण और कीटरोधी या मूसफरोधी आधान में प्रतिधारित किया जाएगा । नमूनों की कीटबाधा से बचाने के लिए आधानों में उपयुक्त कीटनाशी बूरक दी जाएगी और भंडार गृह को धूमित किया जाएगा । नमूनों भंडार में रखने के पहले एक सी आकृति और आकार के अच्छी क्वालिटी के आधान में पैक किया जाएगा ।

### भाग 11—प्रकीर्ण

38. अभिलेख :—धारा 7 में निर्दिष्ट बारबार करने वाला व्यक्ति निम्नलिखित अभिलेख रखेगा, अर्थात् :—

- (क) बीज—स्टाक अभिलेख ;
- (ख) बीजों के विक्रय का अभिलेख ।

39. ज्ञापन का प्ररूप :—धारा 14 की उपधारा (4) के अधीन तैयार किया जाने वाला ज्ञापन प्ररूप 8 में होगा ।

### प्ररूप 1

बीज-प्रमाणन कार्यक्रम के अधीन बीज उत्पादन के लिए आवेदन का प्ररूप

1. नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में)
  - ग्राम .....
  - डाकघर .....
  - जिला .....
  - राज्य .....
  - तारघर .....
  - निकटतम रेलवे स्टेशन .....
  - टेलीफोन नं० .....

3. निकटतम नगर .....  
आपके फार्म से उसकी दूरी .....  
राजमार्ग सं० या पथ .....
4. प्रमाणन के लिए प्रस्तावित बीज की उपकिस्म  
का नाम .....
5. प्रमाणन के लिए प्रस्तावित प्रत्येक उपकिस्म/  
किस्म के अधीन क्षेत्र .....
6. उत्पादित किए जाने के लिए वांछित बीज  
की वर्ग—बुनियादी। रजिस्ट्रीकृत/प्रमाणित  
.....
7. उपरोक्त मद 6 के लिए बीज का स्रोत  
(टैग सं० और टैग की किन्हीं अन्य वशि-  
ष्टियों को भी वर्णित कीजिए) .....
8. उती फसल की अन्य उपकिस्मों से पृथक्करण  
दूरी (मीटरों में) उत्तर से दक्षिण : पूर्व  
से पश्चिम .....
9. रोपण की वास्तविक या प्रस्तावित तारीख .....

हस्ताक्षर

तारीख

(बीज प्रमाणन अधिकरण के कार्यालय द्वारा भरा जाए)

1. क्षेत्र निरीक्षणों की संख्या .....  
निरीक्षणों की तारीखें .....  
(निरीक्षण रिपोर्टों की प्रतिलिपि संलग्न कीजिए)
2. बीज विश्लेषक की रिपोर्ट  
(प्रतिलिपि संलग्न की जाए) .....
3. जारी प्रमाणपत्र  
टैग सं० .....  
जारी करने की तारीख .....  
किसके द्वारा दिया गया .....

हस्ताक्षर

निदेशक, बीज प्रमाणन अधिकरण

## प्ररूप 2

बीज प्रमाणन अधिकरण .....  
 टैग सं० .....

निदेशक

बीज प्रमाणन अधिकरण

किस्म ..... उकिस्म .....  
 लाट सं० .....  
 अंकुरण ..... प्रतिशत ..... प्रतिशत से कम नहीं  
 परीक्षण की तारीख .....  
 प्रमाणन ..... तक विधिमान्य  
 न्यूनतम शुद्ध बीज ..... प्रतिशत  
 निष्क्रिय पदार्थ ..... प्रतिशत, ..... प्रतिशत से अनधिक  
 अवतृण बीज (अधि०) .....  
 अन्य फसलों के बीज ..... प्रतिशत से अनधिक  
 उत्पादक—(नाम और पूरा पता) .....  
 बीज का वर्ग .....

ध्या०दी० :—1. बुनियादी बीज के लिए श्वेत टैग का उपयोग किया जाए  
 2. रजिस्ट्रीकृत बीज के लिए बैजनी टैग का उपयोग किया जाए  
 3. प्रमाणित बीज के लिए नीले टैग का उपयोग किया जाए है  
 4. यदि बीज ठंडे और शुष्क वातावरण में भंडार किया गया हो तो प्रमाणन,  
 टैग पर उपर्युक्त कालावधि के लिए विधिमान्य होगा ।

## प्ररूप 3

प्रेषित,

(विक्रेता का नाम और पता)

.....  
 .....  
 .....

यतः मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि नीचे दिया गया, आपके पाम निम्नलिखित  
 व्योरे का जो बीज का स्टैक है वह बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 6 के  
 उपबन्धों का उल्लंघन करता है । अतः मैं, बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 14



की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन आपको एतद्वारा निदेश देता हूँ कि आज .....  
 तारीख से ..... की कालावधि पर्यन्त उस स्टाक का व्ययन न किया जाए और  
 निम्नलिखित वृत्तियाँ दूर की जाए।

.....  
 .....  
 .....

स्थान ..... बीज निरीक्षक

तारीख ..... क्षेत्र

बीज के स्टाक के व्योरे

.....  
 .....  
 .....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

प्ररूप

प्रेषित,

.....  
 .....  
 .....

बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (4)  
 के उपबन्धों के अधीन, आज मैंने निम्नलिखित अभिलेखों का—

..... स्थित  
 .....  
 .....  
 .....  
 ..... के परिसर से,

अभिग्रहण किया है।

स्थान ..... बीज निरीक्षक

तारीख .....

अभिगृहीत अभिलेखों के व्योरे

.....  
 .....  
 .....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

## प्ररूप 5

## बीज विश्लेषक को ज्ञापन

ज्ञापन का क्रम सं० .....

प्रेषक,

.....  
.....

प्रेषित, बीज विश्लेषक,

.....  
.....

अद्योवर्णित नमूना बीज अधिनियम, 1966 की धारा 14 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन और/या धारा 15 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) और (ग) के अधीन परीक्षण और विश्लेषण के लिए, एतद्द्वारा, भेजा जाता है।

1. नमूने की क्रम सं० .....
2. संग्रह की तारीख और स्थान .....
3. विश्लेषण/परीक्षण के लिए भेजी गई वस्तुओं की प्रकृति .....

2. इस ज्ञापन की एक प्रति और नमूनों के पैकेट को मुद्राबन्ध करने के लिए, प्रयुक्त मुद्रा की छाप का नमूना डाक / व्यक्ति द्वारा पृथकतः भेजी जा रही है।

बीज निरीक्षक

तारीख .....

क्षेत्र .....

जो लागू न हो काट दी जाये।

## प्ररूप 6

प्रेषित,

.....  
.....  
.....

मैं एतद्द्वारा आपको, परीक्षण या विश्लेषण के प्रयोजनों के लिए आपके स्टाफों में से बीज का नमूना लेने के अपने आशय की सूचना देता हूँ।

तारीख .....

बीज निरीक्षक

प्ररूप 7

(बीज विश्लेषक द्वारा परीक्षण और/या विश्लेषण प्रमाण पत्र)

प्रमाणित किया जाता है कि ..... संख्या वाला (वाले)  
..... का / के तात्पर्यित नमूना (नमूने) जो .....  
में ज्ञापन में ..... तारीख ..... के साथ  
तारीख ..... को प्राप्त हुआ था। परीक्षित/विश्लेषित किया गया है/ किये  
गये हैं और यह कि ऐसे परीक्षण/विश्लेषण का / के परिणाम निम्न कथित रूप में है/हैं ।

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

2. प्राप्ति के समय पैकेट पर लगी मुद्राओं की और बाह्य आवरण की दशा निम्न लिखित  
रूप में थी :—

.....  
.....  
.....

स्थान .....

तारीख .....

बीज निरीक्षक

केन्द्रीय प्रयोगशाला

यदि किसी अन्य विषय पर राय अपेक्षित हो तो उपयुक्त पैरा जोड़ा जा सकेगा/जोड़े जा  
सकेगे ।

प्ररूप 8

प्रेषित,

.....  
.....  
.....

मैंने आज के दिन ..... स्थित ..... के

परिसर से नीचे विनिर्दिष्ट बीजों के नमूने बीज विश्लेषक से परीक्षा/विश्लेषण कराने के लिए लिये हैं ।  
 तारीख .....

बीज निरीक्षक

लिये गये नमूनों के व्योरे

.....  
 .....  
 .....

क्या नमूने का मूल्य मांगा गया ?

नमूने का मूल्य ..... रु० संदत्त किया गया

तारीख .....

बीज निरीक्षक

क्षेत्र

उस पक्ष का हस्ताक्षर जिसके परिसर से नमूना लिया गया और जिसे मूल्य संदाय किया गया ।

[सं० 4(2)/67-सीड्स डेव० ]

सै० मु० हु० बर्नी, संयुक्त सचिव ।

**MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING, WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT**

**(Department of Health)**

*New Delhi, the 1st September 1970*

**G.S.R. 1727.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to regulate the recruitment to the post of Hindi Translator in the Department of Health, including Directorate General of Health Services, namely:—

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Department of Health (including the Directorate General of Health Services) Hindi Translator Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

**3. Number, classification and scale of pay.**—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

**4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment to the said post and the age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

**5. Disqualification.**—No person (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**6. Power to relax.**—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**7. Repeal and Saving.**—The Ministry of Health (Hindi Translator) Recruitment Rules, 1966, shall cease to apply:

Provided that anything done or any action taken under the rules before such ceasor shall be deemed to have done or taken under the corresponding provisions of these rules.

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
I	2	3	4	5	6	7
Hindi Translator	3	General Central Service, Class III, non-gazetted Ministerial.	Rs. 320—15 <del>—470—BB—</del> <del>—15—530.</del>	Selection	Not exceeding 35 years.	<p><i>Essential :</i></p> <p>(i) (a) Master's degree in Hindi or in English with Hindi as a subject at degree level. (b) Adequate grounding in Sanskrit.</p> <p><i>OR</i></p> <p>(i) Masters' degree in Sanskrit with Hindi and English as subjects at the degree level.</p> <p>(ii) About 3 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English into Hindi and <i>vice versa</i>.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Department of Health in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p><i>Desirable :</i></p> <p>(i) Journalistic experience and aptitude for public relations work;</p> <p>(ii) Knowledge of any other modern Indian Language.</p>

SCHEDULE

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists, what is its composition.	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt
8	9	10	11	12	13
Age—No Educational and other qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of deputationists. This will, however, not apply in the case of promotees.	Two years.	By promotion, failing which by deputation; failing both by direct recruitment.	<p><i>Promotion :</i> From Hindi Assistants/Junior Hindi Translators in the Departments of Health and Family Planning and the Directorate General of Health Services with a minimum of five years service in the grade.</p> <p><i>Deputation :</i> From amongst suitable persons engaged in translation work in other Ministries or Departments possessing the educational and other qualifications required for direct recruits.</p> <p><i>Period of deputation :</i> Ordinarily two years which can be extended by another one year.</p>	Class III D.P.C.	Not applicable.

**स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं नगर विकास मंत्रालय**

**(स्वास्थ्य विभाग)**

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1970

**जी०एस०आर० 1727.**—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को सम्मिलित करते हुए स्वास्थ्य विभाग में हिन्दी अनुवादक पद की भर्ती को विनिमित करने वाली निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, नामतः—

1. **संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ.**—ये नियम स्वास्थ्य विभाग (स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को सम्मिलित करते हुए) हिन्दी अनुवादक भर्ती नियमावली, 1970 कहलाए जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जायेंगे।

2. **लागू होना.**—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3. **संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.**—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उन से संलग्न वेतनमान वे ही होंगे जो उक्त सूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक विनिर्दिष्ट हैं।

4. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं.**—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उन से संबद्ध अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति या अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के मामले में सीधी भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकेंगी।

5. **अनर्हता.**—(क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करता है या विवाह की संविदा करता है जिसका कि एक पति / जिसकी कि एक पत्नी जीवित हो, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा, अथवा

(ख) कोई व्यक्ति जो कि पति / पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है / करती है अथवा विवाह की संविदा करता है / करती है, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।



6. नियम शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह गय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे, आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी ।

7. निरसन और बचाव.—स्वास्थ्य मंत्रालय ( हिन्दी अनुवादक ) भर्ती नियमावली, 1966 अब लागू नहीं होगी ।

परन्तु इसकी समाप्ति से पहले इन नियमों के अधीन किया गया कोई कार्य अथवा की गई कार्यवाही इन नियमों के तदनु रूप उपबन्धों के अधीन किया गया काय अथवा की गई कार्यवाही समझी जायेगी ।

अनु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद सलेक्शन है अथवा नाम-सलेक्शन	सीधी भर्ती के लिए सीधी भर्ती के लिए शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
-----------	----------------	----------	---------	--------------------------------	---------------------------------------------------------------

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

हिन्दी अनुवादक	3	सामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग iii, अराजपक्षित अनुसन्धीय	६० 320—15— 470—८० २०—15— —530	प्रवरण वर्ष से अधिक नहीं	35	अनिवार्य — (i) (क) हिन्दी अथवा अंग्रेजी में एम० ए० अंग्रेजी में एम० ए० वाले का डिग्री स्तर पर हिन्दी एक विषय रहा हो । (ख) संस्कृत की पर्याप्त पृष्ठभूमि अथवा (i) डिग्री स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी विषयों के साथ संस्कृत में एन० ए० (ii) हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली के कार्य का और अथवा अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद का लगभग 3 वर्ष का अनुभव
----------------	---	--------------------------------------------------------	-------------------------------------------	--------------------------	----	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

सूची

क्या पदोन्नति से रखे जाने वाले उम्मीदवारों के मामले में प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हताएँ लागू होंगी।	परि- बीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती का तरीका सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा अथवा स्थानान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में वह ग्रेड जिससे पदोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाना है।	यदि वि- भागीय पदो- न्नति समिति है तो उसका क्या गठन है।	परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघीय लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है।
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं प्रतिनियुक्ति वाले व्य- क्तियों के मामले में प्रत्यक्ष भर्ती के लिये निर्धारित शैक्षिक और अन्य अर्ह- ताएं लागू होंगी। तथापि, पदोन्नति के मामलों में ये लागू नहीं होंगी।	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा दोनों के न होने पर प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा	पदोन्नति स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन विभागों तथा स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय में हिन्दी सहायकों / जू- नियर हिन्दी अनुवादकों के ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा वाले व्य- क्तियों में से।	वर्ग— III विभा- गीय पदोन्नति समिति	लागू नहीं होता।

प्रतिनियुक्ति :

अन्य मन्त्रालयों / अथवा विभागों में अनुवादकों के कार्य में लगे उन सप-युक्त व्यक्तियों में से जो सीधी भर्ती के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ रखते हैं।

1	2	3	4	5	6	7
						<p>(सुयोग्य अभ्यर्थी के मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अहंताओं में ढील दी जा सकती है ।</p> <p>बाछनीय (i) पत्रकारिता का अनुभव श्रीर जन सम्पर्क के कार्य में रुचि ।</p> <p>(ii) किसी अन्य आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान ।</p>

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

प्रतिनियुक्ति की

अवधि

साधारणतया दो

वर्ष जो आगे एक

वर्ष तक और बढ़ाई

जा सकती है ।

[सं० प० 18-16/64-स्थापना (नीति)]

एस० श्रीनिवासन, अवर सचिव ।

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

*New Delhi, the 11th September 1970*

**G.S.R. 1728.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) (Transport Wing), No. G.S.R. 1295, dated the 25th October, 1960, namely:—

In the said notification,—

- (i) in the Table, the item "over 8.84 metres" in column 1 and the entries relating thereto shall be omitted;
- (ii) for Note 1, the following Note shall be substituted, namely:—

**NOTE 1.**—On vessels either exceeding 28,300 cubic metres in volume or having a mean draft of over 8.84 metres or both, pilotage fees shall be levied by adding Rs. 300 for every successive stage in volume of 14.150 cubic metres or part thereof and also Rs. 140 plus Rs. 10 for every successive stage in mean draft of 0.31 metre or part thereof, as the case may be."

## जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन स्कंध)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1970

सां० का० नि० 1728.—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग) (परिवहन स्कंध) की अनुसूची सं० सा० का० नि० 1295 तारीख 25 अक्टूबर, 1960 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में—

- (i) सारणी में, स्तंभ-1 की मद "884 मीटर से अधिक" और तत्संबंधी प्रविष्टियाँ लुप्त कर दी जायेंगी ;
- (ii) टिप्पण 1 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"टिप्पण 1 उन जलयानों पर, जो या तो आयतन में 28,300 घन मीटर से अधिक हैं या जिनका मीन ड्राफ्ट 884 मीटर से अधिक है या दोनों हैं। पाइलट के कार्य की फीस यथास्थिति 14,150 घन मीटर या उसके भाग के आयतन में प्रत्येक आनुक्रमिक अवस्था के लिये 300 रुपये और 140 रु० भी तथा 0.31 मीटर या उसके भाग के मीन ड्राफ्ट में प्रत्येक आनुक्रमिक अवस्था के लिये 10 रु० को जोड़ कर उद्गृहीत की जायेगी।"

[सं० 9-पी० जी० (34)/70]

**G.S.R. 1729.**—Whereas certain draft rules further to amend the Calcutta Port Rules were published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), at page 1375 of the Gazette of India Part II—Section 3—Sub-Section (1), dated the 18th April, 1970, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 630 dated the 8th April, 1970;

And whereas objections and suggestions were invited till the 20th May, 1970, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 20th April, 1970;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Calcutta Port Rules, namely:—

**Rules**

1. These rules may be called the Calcutta Port (Amendment) Rules, 1970.
2. In the Calcutta Port Rules, for rule 104 the following rule shall be substituted, namely:—

"104. (1) No case oil vessel shall discharge under the foregoing rules any petroleum into a lighter unless such lighter is capable of being cleared and unloaded into a storage shed at Budge Budge between sunrise and sunset:

Provided that every such lighter shall be duly licensed for this purpose by the Commissioner's Boat Surveyor:

Provided further that no lighter loaded with petroleum shall be detained overnight at Budge Budge unless specific permission in writing to that effect is first had and obtained from the Director, Marine Department.

(2) The provisions of this rule shall also apply in relation to all inflammable cargo with or without liquid hydro-carbon."

[No. 9-PG(17)/70.]

K. L. GUPTA, Under Secy.

सा०का०नि० 1729.—यतः कलकत्ता पत्तन नियमों में और आगे संशोधन करने के लिये कतिपय प्रारूप नियम, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उप-धारा (2) को अपेक्षानुसार भारत सरकार के जहाजगानी और पीत परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) को अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 630 तारीख 8 अप्रैल, 1970 के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में तारीख 18 अप्रैल, 1970 को पृष्ठ 1375 पर प्रकाशित किये गये थे।

और यतः तद्द्वारा सभाव्यतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से 20 मई, 1970 तक आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किये गये हैं।

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 30 अप्रैल, 1970 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और यतः उक्त प्रारूप पर जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कलकत्ता पत्तन नियमों में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

#### नियम

1. ये नियम कलकत्ता पत्तन (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. कलकत्ता पत्तन नियमों में नियम 104 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"104(1) पूर्ववर्ती नियमों के अधीन कोई भी केम आयन बैमल पेट्रोलियम को माल बोट में तब तक नहीं उतारेगा जब तक कि ऐसा माल बोट बज-बज—गोदाम शीड में सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच निकामी करने और उतारने में समर्थ न हो :—

परन्तु ऐसी प्रत्येक माल बोट आयुक्त के बोर्ड सर्वेक्षक द्वारा इस प्रयोजन के लिए सम्यक रूप से अनुज्ञप्त होगी।

परन्तु यह और कि कोई भी माल बोट जो पेट्रोलियम से लदी है, बज बज पर रात को निरुद्धन नहीं रहेगी जब तक कि निदेशक समुद्री विभाग, से उस प्रभाव को लिखित रूप में पहले ही विशेष अनुज्ञा अभिप्राप्त न कर ली गई हो।

(2) इस नियम के उपबन्ध सभी जलनशील स्थोरा के संबंध में भी, चाहे उसमें द्रव्य हाइड्रोकार्बन हो या न हो, लागू होंगे ;

[सं० 9-पी० जी० (17)/70]

क० ल० गुप्ता, अव्वर सचिव।

## (Transport Wing)

New Delhi, the 7th September 1970

**G.S.R. 1730.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Lighthouses and Lightships (Research Officer) (Recruitment Rules), 1967, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Lighthouses and Lightships (Research Officer) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the Department of Lighthouses and Lightships (Research Officer) Recruitment Rules, 1967, for the entries in column 7, the following shall be substituted, namely:—

**“Essential.**—(i) Diploma of the Madras Institute of Technology in Instrument Technology.

OR

M.Sc. degree in Physics, with specialisation in Optics or Spectroscopy, from a recognised University or equivalent.

(ii) About 3 years' research experience in technical optics and spectroscopy. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

**Desirable.**—Experience in industry or research.”

[No. F. 11-ML(4)/70.]

B. P. SRIVASTAVA, Dy. Secy-

## (परिबहन पक्ष)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1970

**सा० का० नि० 1730.**—संविधान के अनुच्छेद 389 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा दीपगृह और दीपपोत विभाग (अनुसंधान अधिकारी) भर्ती नियम, 1967 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम दीपगृह और दीपपोत (अनुसंधान अधिकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।
- (2) दीपगृह और दीपपोत, (अनुसंधान अधिकारी) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में स्तंभ 7 में की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“आवश्यक—

- (i) मद्रास इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी का उपकरण प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा,

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से प्रकाशिकी या स्पेक्टम, विज्ञान में विशिष्टीकरण सहित भौतिकी में एम० एससी० की डिग्री,”



- (11) तकनीकी प्रकाशिकी और स्पेक्टम विज्ञान में लगभग 3 वर्ष का अनुसंधान अनुभव/  
(अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में ग्रहृताएँ आयोग के विवेकानसार शिथिल  
की जा सकती है )

बाछनीय --

उद्योग या अनुसंधान में अनुभव"

[सं० का० 11-एम० एल० (4)/70]

बी०पी० श्रीवास्तव, उपसचिव ।

## DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 31st August 1970

**G.S.R. 1731.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Posts and Telegraphs (Repeater Station Assistant and other posts) Recruitment Rules, 1967, namely:—

1. (1) These rules may be called the Posts and Telegraphs (Repeater Station Assistant and other posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Posts and Telegraphs (Repeater Station Assistant and other posts) Recruitment Rules, 1967, (hereinafter referred to as the said rules), the word 'items' wherever it occurs, the word 'columns' shall be substituted.

3. For rule 5 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

**Disqualifications.**—(1) No Government servant shall enter into, or contract, a marriage with a person having a spouse living and (2) no Government servant, having a spouse living, shall enter into, or contract, a marriage with any person:

Provided that the Central Government may permit a Government servant to enter into, or contract, any such marriage as is referred to in clause (1) or clause (2), it is satisfied that:—

- (a) such marriage is permissible under the personal law applicable to such Government servant and the other party to the marriage; and
- (b) there are other grounds for so doing.

4. After rule 5 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

"6. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons."

5. For the Schedule to the said rules, the following Schedule shall be substituted, namely:

SCHB

Name of the posts	Classification	Scale of pay	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Period of probation
1	2	3	4	5	6
Repeater-Station-Assistant; Wire-less Operator; Auto-Exchange-Assistant and Telephone Inspector.	General Central Service, Class III Non-gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 150—5—160—8—240—EB—8—280—10—300.	Between 18 and 24 years on the 1st July of the year of recruitment.	Intermediate Science or equivalent examination with Physics and Mathematics as subjects. <i>Or</i> Successful completion of the first year of the three-year degree course with Physics and Mathematics as subjects. <i>Or</i> One of the diplomas in Engineering recognized by the Central Government <i>Or</i> Successful completion of the Pre-Engineering Course with Physics and Mathematics as subjects.	Two years.

**RULE**

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruitment will apply in the case of appointment by promotion	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion and the percentage of vacancies to be filled by either method	In case of recruitment by promotion, grades from which promotion to be made	Departmental promotion Committee
7	8	9	10
<p>For departmental candidates the following conditions will apply :  <b>Educational Qualifications :</b> Higher Secondary Certificate or Matriculation with Science and Mathematics as subjects; Matriculation for those who were already serving in any eligible cadre on 14-10-67.  <b>Maximum age limit :—</b>35 years on the 1st July of the year of recruitment.</p>	<p><b>For Repeater Station Assistants and Wireless Operators :—</b>60% by direct recruitment and 40% by promotion through departmental competitive examination.  <b>For Auto-Exchange-Assistants and Telephone Inspectors :—</b>50% by direct recruitment and 50% by promotion through departmental Competitive examination.  <b>Notes :—</b>The selected candidates (both direct recruits and departmental candidates) will have to undergo a prescribed training before appointment. The direct recruits will have to execute a bond in the prescribed form for serving the Government for a minimum period of five years.</p>	<p>All Class III employees borne on the regular establishment and working in the Telecommunication Engineering Branch of the Department and Class III employees of the Telecommunication Factories other than those borne on the Industrial Establishment of such Factories, whose scale of pay is less than that of Repeater Station-Assistants, Wireless Operators, Auto-Exchange-Assistants and Telephone Inspectors, and who have put in a minimum of 5 years continuous regular service in one or more of the eligible cadres mentioned above.</p>	<p>Class III Departmental Promotion Committee.</p>

[No. 40-16/89-NCG.]

T. V. BALASUBRAMANIAN,

Asstt Dir. Genl. (STN).

## संचार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1970

जी०एस०आर० 1731.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने 1967 के डाक-तार (रिपीटर स्टेशन सहायक तथा अन्य, पदों) के भर्ती नियमों में आगे संशोधन करने के लिए निम्नवर्ती नियम बनाये हैं, यथा:—

1 (1) इन नियमों को 1970 के डाक-तार (रिपीटर स्टेशन सहायक तथा अन्य पदों) के भर्ती नियम कहा जाए

(2) सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से वे लागू होंगे ।

2. 1967 के डाक-तार (रिपीटर स्टेशन तथा अन्य पदों) के भर्ती नियमों में (जिन्हें बाद में उक्त नियमों के नाम से संबोधित किया गया है) जहां कहीं भी यह शब्द “मदों” प्रयोग हुआ हो उसके स्थान पर शब्द “कालमों” रखा जाए ।

3. उक्त नियमों के नियम 5 के स्थान पर निम्नवर्ती नियम रखा जाए, यथा :—

(1) अयोग्यता—कोई भी सरकारी कर्मचारी ऐसे व्यक्ति से विवाह नहीं करेगा अथवा विवाह का करार नहीं करेगा जिसकी पति/पत्नी जीवित हो, तथा

(2) जिस सरकारी कर्मचारी का पति/पत्नी जीवित हो वह किसी व्यक्ति के साथ विवाह अथवा विवाह का करार नहीं करेगा

अर्थात् कि खण्ड (1) तथा (2) में उल्लिखित ऐसे विवाह अथवा करार की निम्नवत बातों की तसल्ली करके केन्द्रीय सरकार ने अनुमति न दे दी हो:—

(क) ऐसा विवाह व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत हो सकता हो और वह उस सरकारी कर्मचारी व विवाह को दूसरी पार्टी पर लागू होता हो, तथा

(ख) ऐसा करने के अन्य कारण हों

4. उक्त नियमों में नियम 5 के बाद निम्नवर्ती नियम जोड़ दिया जाए, यथा—

6. छील देने की शक्ति—जब केन्द्रीय सरकार की राय में ऐसा करना आवश्यक अथवा जरूरी हो तो लिखित में कारणों को दर्ज करके आदेश द्वारा किसी भी वर्ग अथवा श्रेणी के व्यक्तियों के बारे में इन नियमों के प्रावधानों में छील दी जा सकती है ।

5. उक्त नियमों की अनुसूची के लिए निम्नवर्ती अनुसूची रखी जाएगी, यथा:—

अनु-

पदों का नाम वर्गीकरण	वेतनमान	सीधी भर्ती की आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिए वांछित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएँ	परि- वीक्षा- धीन अवधि
1	2	3	4	5

रिपीटर-स्टेशन सहायक बेतार आपरेटर, आर्टो एक्सचेंज सहायक, तथा टेलीफोन निरीक्षक	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग III, गैर राजपत्रित, गैर-लिपिक वर्गीय	रु० 150-6-160-8] 240-ई०बी०-8-280-10-300	भर्ती की साल की 1 जुलाई को 18 से 24 वर्ष तक	भौतिक विज्ञान तथा गणित शास्त्र विषय लेकर इन्टर-मीडियेट विज्ञान परीक्षा अथवा अन्य समकक्ष परीक्षा पास की हो ; अथवा भौतिक विज्ञान तथा गणित शास्त्र विषयों के साथ तीन वर्षीय डिग्री कोर्स का प्रथम वर्ष सफलतापूर्वक पूरा किया हो ; अथवा केन्द्रीय सरकार से मान्यता प्राप्त इंजीनियरी डिप्लोमा प्राप्त किया हो ; अथवा भौतिक विज्ञान तथा गणित शास्त्र के साथ पूर्व-इंजीनियरी कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया हो ।	दो वर्ष
------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------	---------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------

सूची

क्या सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु व शैक्षिक योग्यता पदोन्नति द्वारा नियुक्ति के मामले में लागू होगी	भर्ती का तरीका-सीधी भर्ती द्वारा अथवा पदोन्नति द्वारा तथा दोनों तरीकों से भरे जाने वाले रिक्त स्थानों का प्रतिशत	यदि भर्ती पदोन्नति द्वारा की जाए तो किस पद क्रम के व्यक्तियों की पदोन्नति होगी	विभागीय पदोन्नति समिति
--------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------	------------------------

7

8

9

10

विभागीय उम्मीदवारों के मामलों में निम्नवर्ती शर्तें लागू होंगी— शैक्षणिक योग्यताएं— हायर सैकण्ड्री प्रमाणपत्र अथवा विज्ञान व गणित शास्त्र विषयों को लेकर मैट्रिकुलेशन परीक्षा प्रमाण-पत्र, मैट्रिकुलेशन उनके लिए है जो 14-11-67 को अधिकृत संवर्ग में पहले से काम कर रहे हों। अधिकतम आयु सीमा— भर्ती वर्ष की 1 जुलाई को 35 वर्ष	रिपीटर स्टेशन सहायकों तथा बेतार आपरेटरों के लिए— 60 प्रतिशत सीधी भर्ती से तथा विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से 40 प्रतिशत पदोन्नति के द्वारा। आटोएक्सचेंज सहायकों तथा टेलीफोन निरीक्षकों के लिए— 50 प्रतिशत सीधी भर्ती से तथा विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से 50 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा। नोट—चुने हुए उम्मीदवारों को (सीधी भर्ती वाले तथा विभागीय उम्मीदवारों दोनों) नियुक्ति से पहले निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। सीधी भर्ती वालों को निर्धारित फार्म में कम से कम 5 वर्षों की अवधि तक सरकारी नौकरी करने का बन्धपत्र भरना होगा।	स्थायी सिब्सिडी के तथा विभाग की दूर संचार इंजीनियरी शाखा में कार्य करने वाली सभी वर्ग III के कर्मचारी; दूर संचार कारखाने के औद्योगिक सिब्सिडी के कर्मचारियों को छोड़कर दूर संचार कारखाने के वर्ग III के कर्मचारी जिनका वेतनमान रिपीटर-स्टेशन-सहायकों, बेतार आपरेटरों, आटो-एक्सचेंज सहायकों तथा टेलीफोन निरीक्षकों से कम हो, तथा जिन्होंने उक्त अधिकृत संवर्ग अथवा संवर्गों में कम से कम 5 वर्ष की लगातार सेवा अवधि समाप्त कर ली हो।	वर्ग III विभागीय पदोन्नति समिति
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------

[सं० 40-16/69-एन०सी०जी०]

टी० वी० बालसुब्रह्मयन,  
सहायक महानिदेशक (एस० टी० एन०)

**CABINET SECRETARIAT**

(Department of Personnel)

New Delhi, the 3rd September 1970

**G.S.R. 1733.**—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 1 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendments in Schedule III appended to the said Rules.

1. (1) These amendment may be called the *Fourteenth Amendment* of 1970 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.

(2) They shall come into force from 1st March, 1970.

*Amendment to Schedule III-C to the IAS (Pay) Rules, 1954*

2. In the said Schedule III under the heading 'C-Posts carrying pay above the time-scale or special pay in addition to pay in the time-scale under the Central Government when held by members of the Service', against 'Commerce & Industry', for entry:—

'Commerce & Industry	Iron & Steel Controller	Rs. 2500-125/2-2750'
----------------------	-------------------------	----------------------

The following entries shall be substituted:—

"Steel & Heavy Engineering.	Iron & Steel Controller	Rs. 2000-100-2500"
-----------------------------	-------------------------	--------------------

[No. 1/61/70-AIS(II).]

**Explanatory Memorandum**

The Government of India have decided that these orders be made effective from the 1st March, 1970 and no officer is likely to be adversely affected.

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर 1970

सा० का० नि० 1732.—भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पठित ग्रन्थिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951, 1954 का 61 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त नियमों के साथ अनुलग्न अनुसूची III में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. (1) ये संशोधन भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954, में चौथा संशोधन, 1970 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये संशोधन 1 मार्च, 1970 से लागू होंगे ।

भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 की अनुसूची III—ग में संशोधन

2. उक्त अनुसूची III में "ग-केन्द्रीय सरकार के अधीन समय-वेतनमान के वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन या समय वेतनमान से अधिक वेतन वाले पद जबकि उन पर इस सेवा के अधिकार नियुक्त हों, "वाणिज्य तथा उद्योग" के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि:—

"वाणिज्य तथा उद्योग"

लोहा व इस्पात नियंत्रक 2500-125/121  
2750,,



के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी :—

“इस्पात व भारी इंजीनियरिंग” लोहा व इस्पात नियंत्रक 2000-100-2500  
[सं० 1/61/70-अ० भा से(II)]

### व्याख्यात्मक ज्ञापन

भारत सरकार ने यह निर्णय किया कि ये आदेश 1 मार्च, 1970 से लागू किये जायें और इनसे किसी अधिकारी पर अवांछित प्रभाव नहीं पड़ेगा।

*New Delhi, the 11th September 1970*

**G.S.R. 1733.**—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of All India Service Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government have revised the strength and composition of the Indian Administrative Service of Union Territories and hereby makes the following regulations, namely:—

- (i) The amendment shall come into force with effect from the date of its publication in the Gazette of India.
- (ii) These Regulations may be called the Indian Administrative (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulations, 1970.

### AMENDMENT TO THE FIXATION OF CADRE STRENGTH: UNION TERRITORIES

#### POSTS UNDER DELHI ADMINISTRATION

Senior posts under the State Government	..	101
Chief Secretary of the Administration	...	1
Commissioner, Municipal Corporation of Delhi	..	1
General Manager, Delhi Transport Undertaking	..	1
Vice Chairman, Delhi Development Authority	..	1
Housing Commissioner	..	1
Director of Vigilance	..	1
Deputy Commissioner	..	1
Development Commissioner-cum-Director of Social Welfare	..	1
Director of Employment, Training and Technical Education	..	1
President, New Delhi Municipal Committee	..	1
Deputy Commissioners, Municipal Corporation of Delhi	..	2
Commissioner of Sales Tax	..	1
Secretaries of Administration	..	3
Secretary to the Lieutenant Governor	..	1
Director of Industries	..	1
Labour Commissioner	..	1
Director of Transport	..	1
Registrar of Co-operative Societies	..	1
Deputy Housing Commissioner	..	1

Excise Commissioner	..	1
Deputy Secretaries	..	3
Additional District Magistrates	..	3
		<hr/>
		29
		<hr/>

**Posts under the Government of Himachal Pradesh**

Chief Secretary to the Government	..	1
Financial Commissioner	..	1
Development Commissioner	..	1
Land Reforms Commissioner	..	1
Secretary to the Government	..	1
Secretary to the Lieutenant Governor	..	1
Director of Civil Supplies	..	1
Registrar of Co-operative Societies	..	1
Excise and Taxation Commissioner	..	1
Joint Secretaries to the Government	..	1
Director of Industries	..	1
Director of Transport	..	1
Director of Panchayats	..	1
Deputy Development Commissioner	..	1
Director of Vigilance	..	1
Settlement Officer	..	1
Deputy Commissioners	..	10
Director of Welfare	..	1
		<hr/>
		28
		<hr/>

**Posts under the Government of Manipur**

Chief Secretary to the Government	..	1
Secretaries to the Government	..	4
Development Commissioner	..	1
Deputy Commissioners	..	4
Director of Land Records and Settlement	..	1
Director of Vigilance	..	1
		<hr/>
		12
		<hr/>

**Posts under the Government of Tripura**

Chief Secretary to the Government	..	1
Development Commissioner	..	1
Finance Secretary	..	1
District Magistrates and Collectors	..	3
Additional District Magistrate and Collector	..	1
Settlement Officer	..	1
Director of Rehabilitation	..	1
		<hr/>
		9
		<hr/>

**Posts under the Government of Pondicherry**

Chief Secretary to the Government	..	1
Secretaries to the Government	...	3
Secretary to the Lieutenant Governor	..	1
		<hr/> 3

**Posts under the Andaman and Nicobar Administration**

Chief Secretary	..	1
Development Commissioner-cum-Development Secretary	..	1
Secretary (Finance) to the Chief Commissioner	...	1
Deputy Commissioner	..	1
Additional Deputy Commissioner	..	1
		<hr/> 5

**Posts under the Laccadive, Minicoy and Amindivi Administration**


---

1
**Posts under the Government of Goa, Daman and Diu**

Chief Secretary to the Government	..	1
Secretary (Planning)-cum-Development Commissioner	..	1
Secretaries to the Government	..	2
Secretary to the Lieutenant Governor	..	1
Collectors and District Magistrates	..	2
Director of Industries and Mines	..	1
Commissioner, Sales Tax, Entertainment Tax and Excise	..	1
		<hr/> 9

**Posts under the Chandigarh Administration**

Secretaries to the Administration	...	2
Deputy Commissioner	..	1
		<hr/> 3

2. Central Deputation Reserve @ 40% of 1 above		101
		40
		<hr/> 141
3. Posts to be filled by promotion and Selection under Rule 8 of the IAS/ (Recruitment) Rules, 1954 @ 25% of 1 and 2 above	..	35
4. Posts to be filled by Direct Recruitment 1 and 2 minus 3 above	..	108
5. Deputation Reserve @ 20% of 4 above (plus 5 per cent excess, some of which have to be abolished)	..	*73
6. Leave Reserve @ 5% of 4 above	..	5

---

\* will be less when deputation reserve is reduced.

7. Junior Posts @ 20.60% of 4 above	..	22
8. Training Reserve @ 10.59% of 4 above Direct Recruitment posts	..	11
		<hr/> 217
Promotion posts	..	35
Total Authorities Strength	..	<hr/> 252

[No. 11/17/69-AIS(I)-(A).J

B. NARASIMHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1970

सा०का०नि० 1733.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उप-नियम (2) के साथ पठित अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने भारतीय प्रशासन सेवा के संघ शासित क्षेत्रों की संख्या और संरचना को परिशोधित किया है और वह एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

- (i) यह संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।
- (ii) इन विनियमों को भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या नियतन) चौथा संशोधन विनियम, 1970 कहा जा सकेगा।

संवर्ग संख्या नियतन में संशोधन

संघ शासित क्षेत्र

दिल्ली प्रशासन के अधीन पद

1. राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ पद	101
प्रशासन के मुख्य सचिव	1
आयुक्त, दिल्ली नगर निगम	1
महा प्रबन्धक, दिल्ली परिवहन	1
उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण	1
आवास आयुक्त	1
सतर्कता निदेशक	1
उपायुक्त	1
विकास आयुक्त व समाज कल्याण निदेशक	1
रोजगार प्रशिक्षण तथा तकनीकी शिक्षा के निदेशक	1
अध्यक्ष, नई दिल्ली नगर पालिका	1
उपायुक्त, दिल्ली नगर निगम	2
बिक्री कर के आयुक्त	1
प्रशासन के सचिव	3
उप-राज्यपाल के सचिव	1

उद्योग निदेशक	1
श्रम आयुक्त	1
परिवहन निदेशक	1
सहकारीता समितियों के रजिस्ट्रार	1
उत्पादन-शुल्क आयुक्त	1
उप-सचिव	3
अपर जिला मजिस्ट्रेट	3
	<hr/>
	29
	<hr/>

### हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन पद

सरकार के मुख्य सचिव	1
वित्त आयुक्त	1
विकास आयुक्त	1
भूमि सुधार आयुक्त	1
सरकार के सचिव	1
उप-राज्यपाल के सचिव	1
सिविल सप्लाय के निदेशक	1
सहकारीता समितियों के रजिस्ट्रार	1
उत्पादन-शुल्क तथा कराधान आयुक्त	2
सरकार के संयुक्त सचिव	1
उद्योग निदेशक	1
परिवहन निदेशक	1
पंचायतों के निदेशक	1
उप-विकास आयुक्त	1
सतर्कता निदेशक	1
बन्दोबस्त अधिकारी	1
उपायुक्त	10
कल्याण निदेशक	1
	<hr/>
	28
	<hr/>

### मणिपुर सरकार के अधीन पद

सरकार के मुख्य सचिव	1
सरकार के सचिव	4
विकास आयुक्त	1
उपायुक्त	4

भूमि अभिलेख तथा बन्दोबस्त निदेशक	1
सतर्कता निदेशक	1
	12

### त्रिपुरा सरकार के अधीन पद

सरकार के मुख्य सचिव	1
विकास आयुक्त	1
वित्त सचिव	1
जिला मजिस्ट्रेट तथा कलक्टर	3
अपर जिला मजिस्ट्रेट तथा कलक्टर	1
बन्दोबस्त अधिकारी	1
पुनर्वास निदेशक	1
	9

### पांडिचेरी सरकार के अधीन पद

सरकार के मुख्य सचिव	1
सरकार के सचिव	3
उप-राज्यपाल के सचिव	1
	5

### अण्डमान व निकोबार प्रशासन के अधीन पद

मुख्य सचिव	1
विकास आयुक्त व विकास सचिव	1
मुख्य आयुक्त के सचिव (वित्त)	1
उपायुक्त	1
अपर उपायुक्त	1
	5

### स्वतंत्र सिनीकाय और अमितद्विष प्रशासन के अधीन पद

प्रशासक	1
---------	---

गोवा वमन व विद्यु की सरकार के अधीन पद	
सरकार के मुख्य सचिव	1
सचिव (योजना)—व विकास आयुक्त	1
सरकार के सचिव	2
उप-राज्यपाल के सचिव	1
कलक्टर तथा जिला मजिस्ट्रेट	2
उद्योग तथा खान निदेशक	1
आयुक्त, बिक्रीकर, मनोरंजन कर तथा उत्पादन शुल्क	1
	<hr/>
	9
	<hr/>
जडीगढ़ प्रशासन के अधीन पद	
प्रशासन के सचिव	2
उपायुक्त	1
	<hr/>
	3
	<hr/>
	101
	<hr/>
2 केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त 1 के 40 प्रतिशत के हिसाब से	40
3 भारतीय प्रशासन सेवा (भरती) नियम, 1954 के नियम, 8 के अधीन पदोन्नति और प्रवरण द्वारा 38 भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 के 25 प्रतिशत के हिसाब से	35
4 सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 व 2 में 3 घटाकर	106
5 प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त 4 के 20 प्रतिशत के हिसाब से ( 52 अधिक को जोड़कर, जिनमें से कुछ पद समाप्त किये जाने हैं )	73*
6 छुट्टी रिजर्व	
उपर्युक्त 4 के '5' प्रतिशत के हिसाब से	5
7 कनिष्ठ पद	
उपर्युक्त 4 के 20.60 प्रतिशत के हिसाब से	22
8 प्रशिक्षण रिजर्व	
उपर्युक्त 4 के 10.59 प्रतिशत के हिसाब से	11
	<hr/>
सीधी भर्ती पद	217
पदोन्नति पद	35
	<hr/>
कुल प्राधिकृत संख्या	252

\* प्रतिनियुक्ति रिजर्व कम हो जाने पर यह संख्या घट जायेगा ।

[सं० 11/17/69-अ० भा० सं० (1) क]

बी० नरसिंहन, प्रवर सचिव ।

## (Department of Personnel)

New Delhi, the 14th September 1970

**G.S.R. 1734.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule 1 of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Bihar, hereby makes the following regulations, namely:—

(i) The amendment shall come into force from the date it is published in the Gazette of India.

(ii) These regulations may be called Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Sixth amendment regulations, 1970.

**AMENDMENT TO THE FIXATION OF THE IAS CADRE STRENGTH**

Under item 1 of the cadre schedule, regarding senior posts under the State Government, for entry:—

Secretaries to the Government	..	18
the following entries may be substituted:—		
Secretaries to the Government	..	15
Financial Commissioner and ex-officio Secretary, Finance Department	..	1
Commissioner, Health and ex-officio Secretary, Health Department	..	1
Commissioner, Education and ex-officio Secretary, Education Department	..	1

[No. 6/19/70-AIS(I)-A.]

**कामिक विभाग**

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1970

सां० का० नि० 1734.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उपनियम 1 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, बिहार की सरकार के परामर्श से एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

(i) यह संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा ।

(ii) ये विनियम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) छठा संशोधन विनियम कहे जा सकेंगे ।

**भारतीय प्रशासन सेवा की संवर्ग संख्या का नियतन में संशोधन**

संवर्ग अनुसूची की भद (1) के नीचे, राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ पदों सम्बन्धी में, निम्नलिखित प्रविष्टि

सरकार के सचिव	18
के स्थान पर निम्न लिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जायें:—	
सरकार के सचिव	15
वित्त आयुक्त और पदेन सचिव, वित्त विभाग	1
आयुक्त, स्वास्थ्य और पदेन सचिव, स्वास्थ्य विभाग	1
आयुक्त शिक्षा और पदेन सचिव, शिक्षा विभाग	1

[सं० 6/19/70-अ० भा० से० (1) - (क)]



**G.S.R. 1735**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Bihar, hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules

2 The amendments may be called the Fifteenth Amendment of 1970 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules 1954

3 These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette

#### AMENDMENT TO IAS (PAY) SCHEDULE

4 In the said Schedule III under the heading 'A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative Service under the State Governments' against Bihar, the following entry may be added

- |                                                                           |                    |
|---------------------------------------------------------------------------|--------------------|
| (1) Financial Commissioner and ex-officio Secretary Finance Department    | Rs 2500—125/2—2750 |
| (2) Commissioner Health and ex-officio Secretary, Health Department       | do                 |
| (3) Commissioner Education and ex-officio Secretary, Education Department | do                 |
| (4) Commissioner of Commercial Taxes                                      | do                 |

5 Under the heading 'B Posts carrying pay in the senior time-scale of the Indian Administrative Service under the State Governments, including posts carrying special pays in addition to pay in the time scale' against Bihar, the following entries may be deleted, namely—

- (i) Commissioner of Commercial Taxes

[No 6/19/70-AIS(I)-B]

G BALAKRISHNAN, Dy Secy

सा० का० नि० 1735—भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, बिहार सरकार से परामर्श में उक्त नियमों के साथ सलग्न अनुसूची III में एनद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है —

2 ये संशोधन भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 में 1970 का पन्द्रहवां संशोधन कहे जा सकेंगे।

3 ये संशोधन सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

#### भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) अनुसूची में संशोधन

4 उक्त अनुसूची में III में "क-राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासन सेवा में समय वेतन मान से अधिक वेतन वाले पद" के अधीन बिहार के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाय —

- |                                                    |                 |
|----------------------------------------------------|-----------------|
| (1) वित्त आयुक्त और पदेन सचिव वित्त विभाग          | 2500—125/2—2750 |
| (2) स्वास्थ्य आयुक्त और पदेन सचिव, स्वास्थ्य विभाग | यथोपरि          |
| (3) शिक्षा आयुक्त और पदेन सचिव, शिक्षा विभाग       | ,               |
| (4) वाणिज्य करो के आयुक्त                          | ..              |

5 'ख—राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासन सेवा के वर्गित वेतनमान में वेतन वाले पद, जिस में समय वेतन मान के वेतन के अनतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद भी सम्मिलित हैं' शीर्षक के अधीन बिहार के सामने, निम्नलिखित प्रविष्टियां हटा दी जायें, अर्थात् —

- (1) वाणिज्य करो के आयुक्त।

[स० 6/19/70-अ० भा० से० (1)-क]

जी० बालकृष्णन, उप सचिव।

## MINISTRY OF EDUCATION &amp; YOUTH SERVICES

New Delhi, the 22nd August, 1970

**G.S.R. 1736.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Museum, New Delhi (Class I and II post) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Museum, New Delhi (Class I and II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the National Museum, New Delhi (Class I and II Posts) Recruitment Rules, 1963, before the entries relating to the post of Administrative Officer, the following entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
Deputy Keeper (Pre-Columbian and Western Art.)	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 400-400- 450-30-600- 35-670-EB- 35-950.	Not Appli- cable	35 years and below (Re- laxable for Government servants)	<p><i>Essential:</i></p> <p>(i) Master's degree in Indian History, Art or Archaeology from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Diploma in Museology and 3 years experience in a Museum of standing or a comparable institution.</p> <p>OR</p> <p>5 years experience in a Museum of standing or a comparable institution.</p> <p>(iii) Research experience with evidence of published research work.</p> <p>(iv) Knowledge of pre-Columbian and Western Arts and Cultures.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commissions' discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p><i>Desirable :—</i></p> <p>Knowledge of German French or Spanish Language.</p>

8	9	10	11	12	13
Not Applicable.	2 years.	By direct recruitment	Not Applicable.	Not Applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation Regulations), 1958.

[No. F. 1-10/68-CAI(5).]

A. S. TALWAR, Under Secy.

## शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1970

जी०एस०आर० 1736.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (श्रेणी I तथा II पदों) के भर्ती नियम 1963 में और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (श्रेणी I तथा श्रेणी II पदों) भर्ती (संशोधन) नियम 1970 कहा जाय।

(2) ये नियम, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (श्रेणी I तथा श्रेणी II पदों) के भर्ती नियम 1963 के अनुबन्ध में प्रणामन अधिकारी के पदों की प्रविष्टियों से पहले निम्नलिखित प्रविष्टियों की जाये, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
उप-कीपर (पूर्व कोलम्बि- यन तथा पाश्चात्य कला)	एक सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-I राजपत्रित	400-400- 450-30- 600-35 670-६० १०० -35- 950 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष तथा उससे कम (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय)	अनिवार्य (i) भारतीय इतिहास, कला अथवा पुरातत्व में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्या- लय अथवा उसके समकक्ष से मास्टर्स डिग्री :	
					(ii) म्यूजियोलॉजी में डिप्लोमा तथा किसी विख्यात संग्रहालय अथवा उसके समकक्ष संस्थान में 3 वर्ष का अनुभव	
					अथवा किसी विख्यात संग्रहा- लय अथवा उसके समकक्ष संस्था में 5 वर्ष का अनुभव।	

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट विनियम) 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित है।

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

(iii) अनुसन्धान अनु-  
भव, प्रकाशित अनु-  
संधान कार्य के  
प्रमाण सहित ।

(1) पूर्व-कोलम्बियम  
तथा पाष्पात्य  
कला और संस्कृति  
का ज्ञान (अन्यथा  
उच्च अर्हता प्राप्त  
अभ्याथियों के  
मामले में अर्हतरियों  
आयोग के विवेका-  
नुसार शिथिलनीय  
है ।

बांछनीय : जर्मन,  
फ्रेन्च और स्पेनिश  
भाषा का ज्ञान ।

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

[सं. ए.क. १-१०/६८-सी.ए.ए. (५)]

आनन्द सागर तलवार, अवर सचिव ।

### MINISTRY OF SUPPLY

*New Delhi, the 14th September 1970*

**G.S.R. 1737.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Upper Division Clerks (Directorates of Inspection) [Calcutta, Bombay, Madras, Kanpur, Tatanagar, Burnpur and N. I. Circle, New Delhi] Recruitment Rules, 1961, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply, No. G.S.R. 819, dated the 8th June, 1961, namely:—

1. These rules may be called the Upper Division Clerks (Directorates of Inspection) [Calcutta, Bombay, Madras, Kanpur, Tatanagar, Burnpur and N. I. Circle, New Delhi] Recruitment Amendment Rules, 1970.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Schedule to the Upper Division Clerks (Directorates of Inspection) [Calcutta, Bombay, Madras, Kanpur, Tatanagar, Burnpur and N. I. Circle, New Delhi] Recruitment Rules, 1961, in column 11, after the existing entry, the following shall be inserted, namely:—

“Telephone Operators in the Offices of the Director of Inspection, Calcutta and the Director of Inspection, Bombay, who had completed a minimum service of three years in the grade shall also be considered along with Lower Division Clerks in those offices provided they qualify themselves in the typing test (at the speed required for Lower Division Clerks.”

[No. 34/41, 69-ESII].

V. RADHAKRISHNAN, Under Secy.

### पूति संज्ञा

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1970

**जी०एम०आर० 1737.**—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भूतपूर्व निर्माण, आवास और पूति मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या जी० एम० आर० 819, तारीख 8 जून, 1961 के अन्तर्गत प्रकाशित, उच्च श्रेणी लिपिक (निरीक्षण-निदेशालय) [कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, कानपुर, टाटानगर, बर्नपुर और उत्तर-भारत सर्किल, नई दिल्ली] भर्ती नियम 1961 में संशोधन करने के लिए एन इंदु द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. ये नियम उच्च श्रेणी लिपिक (निरीक्षण-निदेशालय) [कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, कानपुर, टाटानगर, बर्नपुर और उत्तर-भारत सर्किल, नई दिल्ली] भर्ती संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।
2. ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त हो जायेंगे ।
3. उच्च श्रेणी लिपिक (निरीक्षण-निदेशालय) [कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, कानपुर, टाटानगर, बर्नपुर और उत्तर-भारत सर्किल, नई दिल्ली] भर्ती नियम, 1961 की अनुसूची में स्तम्भ 11 की मौजूदा प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित निविष्ट किया जायगा, अर्थात् :—

“निरीक्षण-निदेशालय, कलकत्ता और निरीक्षण-निदेशालय, बम्बई, के कार्यालयों के टेलीफोन अपरेटरों पर भी, जिन्होंने उस ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, उन कार्यालयों के निम्न श्रेणी लिपिकों के साथ ही विचार किया जायगा, बशर्ते कि वे (निम्न श्रेणी लिपिक के लिए अपेक्षित गति में) अपनी टाइपिंग परीक्षा पास करेंगे ।

[संख्या 34/41/69-स्थापना-2]

वी० राधाकृष्णन, अवग सचिव ।



## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

## Corrigendum

New Delhi, the 10th September 1970

**G.S.R. 1738.**—In the Schedule appended to the Ministry of External Affairs, Research Cadre Recruitment Rules, 1970, published *vide* Notification No. GSR 191 dated the 7th January, 1970, the following corrections are made to rectify typographical errors and omissions:—

Designation of post	Column No.	Correction
Director	8	For the word “at” between the words and figure ‘age’ and “55 years” the word “of” be substituted.
Senior Research Officer	7	Between “Essential Qualifications” and “Desirable Qualifications” the following clause be inserted :  “(Qualifications relaxable at Commission’s discretion in case of candidates otherwise well qualified)”

[No. 29/PA-II/70.]

D. R. KAWATRA, Under Secy.

## विदेश मंत्रालय

## शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली 10, सितम्बर, 1970

**जी० एस० आर० 1738.**—अधिसूचना संख्या जी० एस० आर०-191 दिनांक 7-1-70 के अंतर्गत प्रकाशन, विदेश मंत्रालय, अनुसंधान संवर्ग भर्ती नियम, 1970 के साथ नवी अनुसूची में दाख की भूतों और लुटियों को ठीक करने के लिए निम्नलिखित शुद्धियाँ की जानी हैं :—

पद का नाम	कालम सं०	शुद्धि
वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी	7	“अनिवार्य योग्यताओं” और “वांछनीय योग्यताओं” के बीच निम्नलिखित वाक्य जोड़ दिया जाए  “(उम्मीदवारों के अन्यथा सुयोग्य होने पर, आयोग अगर समझे तो योग्यताओं में ढील दी जा सकती है।)”

[सं० 29/पीए-2/70]

डी० आर० कवात्रा, अवर सचिव।

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Revenue and Insurance)

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

*New Delhi, the 3rd October 1970*

**G.S.R. 1739.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 64th Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, in serial number 4, in item (G), for (24), (41) and (44) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

- “(24) (a) Rails and sleeper bars                      Rs. 125 per tonne  
(b) Railway track materials                      Rs. 135 per tonne  
      other than rails and sleeper  
      bars

Provided that the rate of drawback on rails and sleeper bars shall not apply in respect of rails and sleeper bars which have been obtained by following the procedure prescribed under Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 and exported.

- (41) Steel castings, both ma-                      Rs. 75 per tonne  
      chined and unmachined,  
      including cast steel com-  
      ponents of engineering  
      goods  
(44) Steel products not other-  
      wise specified:—  
(a) Ungalvanised                      Rs. 135 per tonne  
(b) Galvanised                      Rs. 160.50 per tonne.”

[No. 77/F.No. 690, 45 70DB15]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1970

सां० कां० निं० 1739.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 64वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में, क्रम संख्या 4 की मद (छ) में उप मद (24), (41) और (44) और उन से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(24) (क) पटरियों और स्लीपर बार	125/- रु० प्रति टन
(ख) पटरियों और स्लीपर बारों से	135/- रु० प्रति टन
भिन्न रेल पथ-मामूरी ।	

परन्तु पटरियों और स्लीपर बारों पर वापसी की दर उन पटरियों और स्लीपर बारों की बाबत लागू नहीं होगी जिन्हें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अध्याय X अधीन विहित प्रक्रिया का अनुसरण करके अभिप्राप्त किया जाएगा और उनका निर्यात किया जाएगा।

- (41) मशीन की गई और मशीन न की गई ईस्पात की ढली वस्तुएं जिन में इंजीनियरी वस्तुओं के ईस्पात के ढले संघटक सम्मिलित हैं :

75/- रु० प्रति टन

- (44) अन्यथा अश्विनिदिष्ट ईस्पात उत्पाद:—

(क) जस्तेदार . . . . .	135 रु० प्रति टन
(ख) अजस्तेदार . . . . .	160 रु० प्रति टन ”

[अधिसूचना सं० 77/एफ० सं० 600/45/70-डीवीके]

**G.S.R. 1740.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160 of the Customs Act, 1962 (62 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 65th Amendment Rules, 1970.

2. In the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960,—

(a) in the First Schedule, after Serial No. 125 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

“126 Gas Mantles

200 CP	Rs. 153.50 per 100 gross
300 CP	Rs. 154.40 per 100 gross
400 CP	Rs. 174.00 per 100 gross
500 CP	Rs. 188.20 per 100 gross
600 CP	Rs. 195.10 per 100 gross
800 CP	Rs. 202.80 per 100 gross
1000 CP	Rs. 202.80 per 100 gross;”

(b) in the Second Schedule for Serial No. 88 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“88 Gas mantles not otherwise specified.”

[No. 78/F. No. 88/5/69-DBK.]

सा० का० नि० 1740 :—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 65वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में:—

(क) प्रथम अनुसूची में, क्रम सं० 125 और उस में संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“126 गैस मैन्टल

200 कैन्डिल शक्ति . . .	153.50 रु०	प्रति 100 गुरुम
300 कैन्डिल शक्ति . . .	154.40 रु०	—यथोक्त—
400 कैन्डिल शक्ति . . .	174.00 रु०	—यथोक्त—
500 कैन्डिल शक्ति . . .	186.20 रु०	—यथोक्त—
600 कैन्डिल शक्ति . . .	195.10 रु०	—यथोक्त—
800 कैन्डिल शक्ति . . .	202.80 रु०	—यथोक्त—
1000 कैन्डिल शक्ति . . .	202.80 रु०	—यथोक्त—

(ख) द्वितीय अनुसूची में, क्रम सं० 88 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“88. गैस मैन्टल, जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है।”

[मं० 78/फा० सं० 88/5/69-डी. वी० के.]

**G.S.R. 1741.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 66th Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial No. 30 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

- |                                                                      |                                                             |
|----------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|
| “30 (A) Complete Tea Chests filled made of plywood panels            | Rs. 105/- per 100 Sq. metres of surface area of Tea Chests. |
| (B) Plywood panels and fittings of Tea Chests                        |                                                             |
| (i) Plywood panels for tea Chests.                                   | Rs. 62.55 per 100 Sq. metres                                |
| (ii) Metal fittings of Tea Chests made of tin plate.                 | Rs. 0.40 per Kg.                                            |
| (iii) Wire nails, tentor hooks and rivets.                           | Rs. 0.13 per Kg.                                            |
| (iv) Tissue paper for wrapping battens or for lining Aluminium foil. | Rs. 0.42 per Kg.                                            |
| (v) Aluminium foil                                                   | Rs. 3.53 per Kg.”                                           |

[No. 79/F No. 600/40/70-DKB.F]

सं० का० नि० 1741.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 ( 1962 का 52 ) की धारा 160 की उपधारा ( 3 ) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा ( 2 ) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 ( 1944 का 1 ) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी ( साधारण ) 66वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी ( साधारण ) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में क्रम सं० 30 और उस से संबंधित प्रावियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“30(क) चाय की पूरी भरी पेटियाँ जो प्लाईवुड 105 रु० चाय की पटी के तल पेनल की बनी हों । श्रेष्ठ के प्रति 100 वर्ग मीटर पर ।

(ख) चाय पेटियों के प्लाईवुड पेनल और फिटिंग

(i) चाय पटी के प्लाईवुड पेनल 62.55 रु० प्रति 100 वर्ग मीटर ।

(ii) टिन चादर की बनी हुई चाय की पेटियों की धातु फिटिंग 0.40 प्रति कि० ग्राम ।

(iii) वायर नेल्स टेंटर हुकें और रिबटें 0.13 रु० प्रति कि० ग्रा० ।”

(iv) बैटनों या ऐलुमिनियम पन्नी अस्तर 0.42 रु० प्रति कि० ग्रा०  
को लपेटने के लिए ऊतक कागज ।

(v) ऐलुमिनियम पन्नी 3.53 प्रति कि० ग्रा०

[सं० 79-/फा० सं० 600/40/70-डी बी के]

**G.S.R. 1742.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 67th Amendment Rules, 1970.

2. In the Second Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial No. 124 and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—

“124. Gas Cylinders and parts thereof.”

[No. 80/F. No. 601/124/1/70-DBK.]

सं० फा० नि० 1712.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 66 वां संशोधन नियम, 1970 की जा सकेंगे ।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की तृतीय अनुसूची में क्रम सं० 124 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“124 गैस सिलिण्डर और उनके पुर्जे”

[सं० 80/एफ० सं० 601/124/1/70-डी बी के]

**G.S.R. 1743.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 68th Amendment Rules, 1970.

2. In the Second Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial No. 312 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“312. Pressure Cookers and parts thereof.”

[No. 82/F. No. 312/1/69-DBK.]

सांको० नि० 1743.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 68 वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की द्वितीय अनुसूची में क्रम सं० 312..... और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा,

अर्थात्:—

“312 प्रेशर कुकर और उनके पुर्जे”

[सं० 82/फा० सं० 312/1/69-ई बी के]

**G.S.R. 1744.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 69th Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial No. 61 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“61. Ropes, lines, cordages, twine, slings, mats, mattings made wholly or partly from the following fibres:—

- |                       |                                      |
|-----------------------|--------------------------------------|
| (a) Sisal fibre       | Rs. 214 per tonne of fibre content.  |
| (b) Manila hemp fibre | Rs. 573 per tonne of fibre content.” |

[No. 84/F.No. 600/20/70-DBK.]

सांको० नि० 1744.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 69वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2 सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में क्रम सं० 61 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

“61 पूर्णतः या भागतः निम्नलिखित तन्तुओं में बने रस्से, लाइने, जहाजी रस्से, टुआइन लिग मेंट, मैटिंग्स:—

(क) सिमल तन्तु तन्तु अर्न्तवस्तु का प्रति टन 214/-र०

(ख) मनीला सन तन्तु तन्तु अर्न्तवस्तु का प्रति टन 573/-र०

[सं० 84/फा० सं० 600/29/70-डी बी के]

**GS.R. 1745.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (5 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 70th Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, in serial number 4,—

(1) after item (D), the following item shall be inserted, namely:—

“(DD) Printed tinned plates/tinned sheets .. Rs. 400 per tonne:

Provided that rebate of duty of Central Excise on tinned plates/tinned sheets used in the manufacture of printed tinned plates/tinned sheets is not claimed by the exporter separately under the Central Excise Rules, 1944, and the export goods are made of duty paid tinned plate or tinned sheet.”;

(2) in item (G),—

(a) sub-item (36) shall be omitted;

(b) for sub-item (42) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“(42) Steel structurals light and heavy—non fabricated

(i) Ungalvanised .. Rs. 125 per tonne.

(ii) Galvanised .. Rs. 151 per tonne.”

[No. 85/F. No. 1/49/68-DBK.]

**सां०नि० 1745.**—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए एनद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनानी है, अर्थात् :—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 70वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।



2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में क्रम सं० 4 में —

(1) मद (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—  
“(घ) मुद्रित कलईदार प्लेटें/कलईदार चादरें 400/-र० प्रति टन ।

परन्तु यह तब जब कि मुद्रित कलईदार प्लेटों/कलईदार चादरों के विनिर्माण में प्रयुक्त कलईदार प्लेटों/कलईदार चादरों पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रिबेट का दावा निर्यातकर्ता द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944, के अधीन अलग से नहीं किया जाता है और निर्यात वस्तुएं शुल्कसंदत्त कलईदार प्लेट या कलईदार चादर से बनी हैं।”

(2) मद (छ) में,—

(क) उपमद (36) लुप्त कर दी जाएगी ;

(ख) उपमद (42) और उस से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“42 हल्की और भारी ईस्पात संरचनाएं—अनगढ़

(i) अजस्तेदार . . . 125 /-र० प्रति टन ।

(ii) जस्तेदार . . . 152/-र० प्रति टन ।

[सं० 85/1/49/68-डी बी के]

**G.S.R. 1746.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75 read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 71st Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, for Serial Nos. 73 and 74 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“73 All Aluminium Conductors. Rs. 1.27 per Kg.

74 Insulated Aluminium Cables or conductors.

(i) Rs. 1.27 per Kg. of Aluminium content.

(ii) Rs. 2.40 per Kg. of PVC content.

(iii) Rs. 1.70 per Kg. of Polythelene content.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1970.

[No. 86/F.No. 600/34/70-DBK.]

#### Explanatory Memorandum

The Central Excise duty on Aluminium has been increased under the Finance Act, 1970. The existing rates of drawback on the export of All Aluminium Conductors, and Insulated Aluminium Cables or Conductors have, therefore, been reviewed taking into consideration the enhanced duty incidence on Aluminium and

duty incidences on other materials used in the manufacture of the products so that the export products are relieved from the burden of the duties paid on the raw materials. It has been decided to allow drawback at the rates specified in column 3 of notification No. 86/F.No. 600/34/70-DBK dated the 3rd October, 1970. No one is likely to be adversely affected by such a retrospective effect.

सां० का० नि 1746 सीमा शुल्क अधिनियम 1962<sup>1</sup> (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2)<sup>1</sup> और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों वा प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम 1960 में, और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 71वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में क्रम सं० 73 और 74 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

- “73. समस्त ऐलुमिनियम चालक      1. 27 रु० प्रति कि० ग्रा०      ”
74. रोधी ऐलुमिनियम केबिल या चालक      (1) 1. 27 रु० प्रति कि० ग्रा०—ऐलुमिनियम अन्तर्वस्तु का
- (2) 2. 40 रु० प्रति कि० ग्रा० पी वी सी अन्तर्वस्तु का
- (3) 1. 70 रु० प्रति कि० ग्रा० पालिथिलिन अन्तर्वस्तु का

यह अधिसूचना जून, 1970 के प्रथम दिन से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 86/का० सं० 600/34/70 डी० बी० के०]

#### स्पष्टीकार : ज्ञापन

वित्त अधिनियम, 1970 के अधीन ऐलुमिनियम पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया गया है। अतः समस्त ऐलुमिनियम चालकों और रोधी ऐलुमिनियम केबिलों या चालकों की निर्यात वापसी की विद्यमान दरें, ऐलुमिनियम पर बढ़े हुए शुल्क भार और उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त अन्य सामग्री पर शुल्क भार को ध्यान में रखते हुए पुनरीक्षित की गई है ताकि निर्यात उत्पाद कच्ची सामग्री पर संवत्त शुल्कों के भार से अवमुक्त हो जाएं। अधिसूचना सं० 86/का० सं० 600/34/70 डी० बी० के० तारीख 3 अक्टूबर 1970 के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट दरों पर वापसी अनुज्ञात करना विनिश्चित किया गया है। ऐसे भूतलक्षी प्रभाव से किसी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की कोई संभावना नहीं है।

**G.S.R. 1747.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 72nd Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, after serial No. 126 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

“127. Starters for Electric Motors—

- |                                     |                  |
|-------------------------------------|------------------|
| (i) Hand operated                   | 6% of FOB value  |
| (ii) Automatic with pneumatic timer | 14% of FOB value |

NOTE.—Rate against item (ii) above is subject to the condition that—

- evidence is produced to the satisfaction of the Customs authorities of the port of export that the manufacturer has imported not earlier than one year preceding the export sets of pneumatic timers equal in number to the quantities of starters exported i.e. the rate being admissible subject to set off against imported pneumatic timers; and
- the import duty paid per set of pneumatic timer in the relevant import document (Bill of Entry) produced towards evidence of import is not less than 8% of the FOB value of starter. Where it is less in any particular case, the rate will be restricted to 8% of the FOB value of starters plus the actual duty paid in the relevant import document (Bill of Entry) for an equal number of sets of pneumatic timers.”

[No. 87/F. No. 80/2/69-DBK.]

सां. निं. 1747—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे संशोधन करने के लिए एनद्द्वारा निम्नलिखित नियम, बनाती है, अर्थात्:—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादशुल्क निर्यात वापसी (साधारण, 72वां संशोधन नियम, 1970 कहा जा सकेंगे।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण नियम, 1960 में क्रम सं० 126 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा:—

‘127 विद्युत् मोटरों के प्रवर्तक:—

- |                |                                   |
|----------------|-----------------------------------|
| (i) हस्त चालित | —पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 6% |
|----------------|-----------------------------------|

## (ii) न्यूमेटिक टाइमर सहित स्वचालित —पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य का 1.4%

टिप्पण:—उपरोक्त मद (ii) के मामले को दर 5 द्वितीय शर्त के अध्याधीन है कि:—

(क) उस निर्यात पत्र के सीमा शुल्क प्राधिकारियों के समाधान प्रद रूप से साक्ष्य प्रस्तुत किया जाय कि विनिर्याता ने निर्यात से पूर्व बर्ती एक वर्ष से पहले न्यूमेटिक टाइमरों का, जो निर्यात किए गए प्रवर्तकों की संख्या के बराबर है आयात नहीं किया है, अर्थात् दर आयात किए गए न्यूमेटिक टाइमरों के लिए किए गए मुजर्रा के अधीन अनुज्ञेय है, और

(ख) सुसंगत आयात दस्तावेज (आयात-पत्र) में, जो आयात के साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है, न्यूमेटिक टाइमर के प्रति सम्मुख के लिए संदत्त आयात शुल्क, प्रवर्तक के पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 8% से अन्यून है। जहां किसी मामले विशेष में यह कम है वहां दर प्रवर्तक को पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 6% तथा सुसंगत आयात दस्तावेज (आयात-पत्र) में न्यूमेटिक टाइमरों के समुच्चयों को बरा- बर संख्या के लिए संदत्त शुल्क तक निर्बन्धन होगी।”

[सं० सं० 80/2/69-डी०बी०के]

G.S.R. 1749.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 73rd Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960 for Serial No. 33 and the entries relating thereto, the following shall be substituted:—

“33 Biscuits packed in any type of containers, namely:—

(a) Salted Biscuits, that is to say, biscuits containing not less than 3 per cent but containing less than 16 per cent by weight of sucrose and containing at the same time not less than 16 per cent by weight of vegetable product.

(b) Semi sweet biscuits, that is to say, biscuits containing not less than 16 per cent but less than 24 per cent by weight of sucrose and containing at the same time not less than 13 per cent by weight of vegetable product.

Rs. 3.97 per Quintal.

Rs. 7.54 per Quintal.

(c) Sweet biscuits, that is to say, biscuits containing not less than 24 per cent but less than 26 per cent by weight of sucrose and containing at the same time not less than 17 per cent by weight of vegetable product.

Rs. 9.48 per Quintal.

(d) Cream biscuits, that is to say, biscuits containing not less than 26 per cent by weight of sucrose and not less than 20 per cent by weight of vegetable product.

Rs. 12.05 per Quintal.

NOTE.—In respect of packing materials used in the export of biscuits, the appropriate x rate under Schedule I to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, shall apply.”

[No. 88/F.No. 600/52/70-DBK.1

सं० का० नि० 1748. —सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनानी है अर्थात् :—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 73वां संशोधन नियम, 1970 बहे जा सकेंगे।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में, क्रम सं० 33 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“33. किसी भी प्रकार के आधानों में पैक किए हुए बिस्कुट, अर्थात् :—

(क) नमकीन बिस्कुट अर्थात् ऐसे बिस्कुट जिसमें भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अल्पतरु किन्तु 24 प्रतिशत से कम सुकरोज हो और साथ ही जिसमें भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अल्पतरु वनस्पति उत्पाद हो	3.97 रु० प्रति क्विन्टल।
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------

(ख) अर्ध मीठे बिस्कुट अर्थात् वे बिस्कुट जिसमें भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अल्पतरु किन्तु 24 प्रतिशत से कम सुकरोज हो और साथ ही जिसमें भार के अनुसार 13 प्रतिशत से अल्पतरु वनस्पति उत्पाद हो।	7.54 रु० प्रति क्विन्टल
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------

(ग) मीठे बिस्कुट अर्थात् वे बिस्कुट जिसमें भार के अनुसार 24 प्रतिशत से अल्पतरु किन्तु 26 प्रतिशत से कम सुकरोज हो और साथ ही जिसमें भार के अनुसार 17 प्रतिशत से अल्पतरु वनस्पति उत्पाद हो।	9.48 रु० प्रति क्विन्टल
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------

(घ) क्रीम वाले बिस्कुट अर्थात् वे बिस्कुट जिसमें भार के अनुसार 26 प्रतिशत से अल्पतरु सुकरोज और भार के अनुसार 20 प्रतिशत से अल्पतरु वनस्पति उत्पाद हो।	12.05 रु० प्रति क्विन्टल
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------

टिप्पण — बिस्कुटों के निर्यात में प्रयुक्त पैक करने की सामग्री के बारे में, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 की अनुसूची 1 के अधीन की समुचित दर लागू होगी।”

**G.S.R. 1749.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 74th Amendment Rules, 1970.

2. In the First Schedule to the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, in Serial No. 36, for item B and the entries relating thereto, the following item shall be substituted, namely:—

- "B(i) Aluminium utensils and other circular and oval shaped aluminium articles, of thickness between 0.56 mm and 1.22 mm. .. Rs. 1.34 per Kg.
- (ii) Aluminium articles made from plates, sheets, circles and strips but excluding aluminium utensils and other circular and oval shaped aluminium articles mentioned in sub-item (i) above. .. Rs. 1.83 per Kg.
- (iii) Aluminium articles other than those specified in Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the articles mentioned in sub-items (i) and (ii) above, not otherwise specified; .. Rs. 1.27 per Kg.

Provided that no benefit is availed of under rule 191-A or 191-B, and no rebate is claimed under rule 12-A, of the Central Excise Rules, 1944, in the manufacture and export of the Aluminium articles."

3. This notification shall be deemed to have come into force on the 1st day of June, 1970.

[No. 89/F. No. 600/47/70-DBK.]

#### *Explanatory Memorandum*

The Central Excise duty on Aluminium under item 27 of the Central Excise Tariff have been revised from 1st March, 1970 in the Finance Bill, 1970. With a view to relieve the export product from the burden of the Central Excise Duties, it has been decided to allow drawback at the rates specified in column 3 of notification No. 89/F. No. 600/47/70-DBK. dated the 3rd October, 1970. No one is likely to be adversely affected by such retrospective effect.

सा० का० नि 1749.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) औ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 74वां संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वापसी<sup>3</sup> (साधारण) नियम, 1960 की प्रथम अनुसूची में क्रम सं 36 में, मद ख और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :-

- “(ख) (i) ऐलूमिनियम के बर्तन तथा ऐलूमिनियम के अन्य गोलाकार और अण्डाकार वस्तुएं जिनकी मोटाई 0.56 मिलीमीटर और 1.22 मिलीमीटर के बीच है। 1.34 रु० प्रति किलो ग्राम
- (ii) जेटें, चादरें, सफ़िलें और पट्टियां किन्तु ऐलूमिनियम बर्तन और अन्य गोलाकार और अण्डाकार ऐलूमिनियम की वस्तुएं जो उपरोक्त उप मद (i) में वर्णित हैं 1.83 रु० प्रति किलो ग्राम
- (iii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 27 में विनिर्दिष्ट से भिन्न ऐलूमिनियम की वस्तुएं और वे वस्तुएं जो उपरोक्त उप-मद (i) और (ii) में वर्णित हैं, अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है। 1.27 रु० प्रति किलो ग्राम

परन्तु यह तब जब कि ऐलूमिनियम की वस्तुओं के विनिर्माण और निर्यात में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-क या 191-ख के अधीन कोई फायदा न उठाया गया हो और नियम 12-क के अधीन किसी रिबेट का दावा न किया गया हो।”

3. यह अधिसूचना जून, 1970 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी

[सं० 89/फा०सं० 600/47/70-डी०बी०के०]

### स्पष्टीकारक भाषण

वित्त विधेयक 1970 में 1-3-70 से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ की मद 27 के अधीन ऐलूमिनियम पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पुनरीक्षित कर दिया गया है। निर्यात उत्पाद को केन्द्रीय उत्पाद शुल्कों के भार से मुक्ति दिलाने की दृष्टि से अधिसूचना सं० 89/एफ० सं० 600/47/70-डी० बी० के० तारीख 3, अक्टूबर, 1970 के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट दरों पर वापसी अनुज्ञात करने के लिए यह विनिश्चय किया गया है। ऐसे भूतलक्षी प्रभाव से किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

## CUSTOMS

New Delhi, the 3rd October 1970

G.S.R. 1750.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. G.S.R. 575 (55/F. No. 34/86/60 Cus.IV), dated the 28th May, 1960, namely:—

In the Schedule to the said notification, for Serial No. 162 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“162. Gas cylinders and parts thereof”.

[No. 81/F. No. 601/124/1/70-DBK.]

## सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1970

सा० का० नि० 1750.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 575 (55/एफ० सं० 34/86/60—सीमा शुल्क iv) तारीख 28 मई, 1960 में एतद्वारा और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 162 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“162. गैस सिलिंडर और उनके पुर्जे”

[सं० 81/एफ० सं० 601/124/1/70—बी० बी० के०]

G.S.R. 1751.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. GSR-575 (55/F. No. 34/86/Cus.IV), dated the 28th May, 1960, namely:—

In the Schedule to the said notification for Serial No. 379 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“379. Pressure Cookers and Parts thereof.”

[No. 83/F. No. 312/1/69-DBK.]

P. K. KAPOOR, Under Secy.



सा० का० नि० 1751.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 575 (55/एफ० सं० 34/86/60—सीमा शुल्क IV) तारीख 28 मई, 1960, में एतद्वारा और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 379 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“379 प्रेशर कुकर और उनके पुर्जे।”

[अधिसूचना सं० 83/एफ० सं० 312/1/69—डी बी के]

पी० के० कपूर, उप सचिव

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1969

जी० एस० आर० 2776.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) में स्टाफ कार चालकों और सवार हरकारों के पदों पर भर्ती की पद्धति विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) स्टाफ कार चालक और सवार हरकारा भर्ती नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होता.—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में निर्दिष्ट है।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट है ;

5. निरर्हताएं.—(क) वह व्यक्ति उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है ।

(ख) वह स्त्री उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष आधार है, आदेश दे सकेगी, कि उसे छूट दी जाए।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, आदेश द्वारा व्यक्तियों या पदों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

7. निरसन और व्यावृत्ति :—इन नियमों के तत्स्थानी, और इन नियमों के प्रारम्भ होने से अव्यवहित पूर्व प्रवृत्त, कोई भी नियम लागू नहीं रहेंगे ।

परन्तु ऐसे लागू न रहने से पूर्व के नियमों के अधीन दिया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन दिया गया/की गई समझा जाएगा/समझी जाएगी ।

अनु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	क्या प्रवरण सीधी पद है	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अग्रवर्ण आयु सीमा	अर्हताएं
-----------	----------------	----------	---------	------------------------	--------------------------------------------------------------------	----------

1	2	3	4	5	6	7
स्टाफ कार चालक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 (अराज- पत्रित अनु- सचिवीय)	110-3-131 -4-155- द० रो० 175-5- 180 द०	लागू नहीं होता	23-30 वर्ष	आवश्यक . मोटर कार चलाने के लिए विधि- मान्य अनुज्ञप्ति का होना मोटर यांत्रिकी का ज्ञान और मोटर का चलाने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव ।  वांछनीय : आठवीं कक्षा पास ।
सवार हरकारा (स्कूटर चालक)	2	यथोक्त	100-3- 130-द०	यथोक्त यथोक्त		आवश्यक : मोटर साइकिल चलाने के लिए विधिमान्य अनु- ज्ञप्ति का होना

सूची

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विहित प्रायु और अधिक अर्हता प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी।	परिवीक्षा को कालावधि, यदि कोई हो होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रति-नियुक्ति/अन्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया जाना है।	यदि विभागीय वे प्रोन्नति समिति स्थितियां विद्यमान हैं तो उसकी संरचना क्या है।	परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ नोक सेवा प्रायोग से रामर्श किया जाना है।
--------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------

8 9 10 11 12 13

लागू नहीं होता	दो वर्ष	अन्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्टाफ कार चलाने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली संक्षमता स्तर के संबर्ध में इस पद के लिए उपयुक्तता जांच की दृष्टि से चालन-परीक्षण के परिणाम पर, वित्त मंत्रालय राजस्व और बीमा विभाग के नियमित सवार हरकारों और वर्ग 4 कर्मचारियों, जो स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं रखते हों, में से अन्तरण द्वारा।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
----------------	---------	----------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------	----------------

यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	मोटर साइकिल चलाने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली संक्षमता स्तर के संबर्ध में इस पद के लिए	यथोक्त	यथोक्त
--------	--------	--------	-----------------------------------------------------------------------------------------	--------	--------

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

और मोटर साइ-  
किल चलाने का  
कम से कम तीन  
वर्ष का अनुभव ।

बीछनीय :  
आठवीं कक्षा पास ।

8

9

10

11

12

13

उपयुक्तता जांचने की  
दृष्टि से चालन-परी-  
क्षण के परिणाम पर,  
वित्त मंत्रालय, राजस्व  
और बीमा विभाग के  
स्थापन के वर्ग 4  
कर्मचारियों जो स्तंभ  
7 में विनिर्दिष्ट अर्ह-  
ताएं रखते हों, में से  
अन्तरण द्वारा ।

[सं० 14/जी० एस० आर०/फा० सं० 15/2/68-ए जी० I-ए]

**जी० एस० आर० 2777.**—विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के अधीन प्रवर्तन निदेशालय में स्टाफ कार के चालक के पद पर भर्ती की पद्धति विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बताने हैं, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) ये नियम प्रवर्तन निदेशालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) स्टाफ कार चालक भर्ती नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।  
(2) ये ग्रामकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त होंगे।
2. **लागू होता.**—ये नियम इसमें उल्लेख अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।
3. **संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.**—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
4. **भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहंताएं आदि.**—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहंताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति-प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में, सीधी भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के माध्याग्न आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकेंगी।

5. **निरहंताएं.**—(क) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहने हुए ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है :  
(ख) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष आधार हैं, आदेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए।

6. **शिथिल करने की शक्ति.**—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, आदेश द्वारा व्यक्तिओं या पद के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।



7. **निरसन और व्याप्ति** :—अन्य नियमों के तत्स्थानी, और इन नियमों के प्रागल्भ्य होने में अव्यवहित पूर्व प्रवृत्त, कोई भी नियम लागू नहीं रहेंगे।

परन्तु ऐसे लागू न रहने से पूर्व के नियमों के अधीन, दिया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन दिया गया / की गई समझा जाएगा / समझी जायेगी।

अनु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद है [अथवा] अप्रवरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
-----------	----------------	----------	---------	-------------------------------------	-------------------------	-----------------------------------------------------------

1	2	3	4	5	6	7
स्टाफ कार चालक।	5	साधारण केन्द्रीय सेवा] वर्ग 3 (अराज-पत्रित, अनु-सचिवीय)	110-3-131-4-155 द०] 155 द०] रो०-4-175 -5-180 द०	लागू नहीं होता।	23-30 वर्ष।	आवश्यक: मोटर कार चलाने के लिए विधि-मान्य अनुशक्ति का होना, मोटर यांत्रिकी का ज्ञान और मोटर कार चलाने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव। बीकनीय आठवीं कक्षा पास।

मूची

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी	परि- वीक्षा की काला- मधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति. क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रति-नियुक्ति/अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति / प्रति-नियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिन से प्रोन्नति/प्रति-नियुक्ति/अन्तरण किया जाना है	यदि विभा- गीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है	वे परि-स्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
--------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता ।

दो वर्ष

अन्तरण द्वारा जिसके स्टाफ कार चलाने न हो सकने पर मोवी के लिए आवश्यक भर्ती द्वारा

समझी जाने वाली संक्षमता स्तर के संदर्भ में इस पद के लिए उपयुक्तता जांचने की दृष्टि से चलन-परीक्षण के परिणाम पर, प्रवर्तन निदेशालय के नियमित वर्ग 4 कर्मचारियों जो स्तर 7 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं रखते हों, में से अन्तरण द्वारा ।

लागू नहीं होता ।

नई दिल्ली 18 विसम्बर, 1969

सां. कां. निं. 2798.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) में ज्येष्ठ गेस्टेटनर प्रचालक के पद पर भर्ती को पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) ज्येष्ठ गेस्टेटनर प्रचालक भर्ती नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद पर भर्ती को लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान.—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न बेतनमान ये होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती को पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएँ.—भर्ती को पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उक्त पद से सम्बद्ध अन्य बातें व होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं;

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति-प्रवर्गों के अभ्याथियों की दशा में, सीधी भर्ती के लिए उक्त अनुसूचों के स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-समय पर निकाले गए कन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकेगी।

5. निरहताएँ :—(1) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है।

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हाँ जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष आधार हैं, आदेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए।

6. शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग या पद के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

7. निरसन और व्याप्ति.—इन नियमों के तत्स्थानी और इन नियमों के प्रारम्भ होने से अव्यवहित पूर्व प्रवृत्त कोई भी नियम लागू नहीं रहेंगे।

परन्तु ऐसे लागू न रहने से पूर्व के नियमों के अधीन दिया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्यवाही इन नियमों के तत्स्थानी उपबंध के अधीन दिया गया/की गई समझा जाएगा/समझी जाएगी।

## अनुसूची

वित्त मंत्रालय (राजस्व और बोमा विभाग) में ज्येष्ठ

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतमान	क्या प्रवर्णन पद है अथवा अप्रवर्णन पद	भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिन से प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया जाना है।
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ गेस्टेटनर प्रचालक।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 I (अराजपवित्त अनुसन्धीय)	110-3-131 रु०	अप्रवर्णन	(i) ऐसे कनिष्ठ गेस्टेटनर प्रचालक की प्रोन्नति द्वारा जिसकी इस श्रेणी में न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा हो : (ii) (i) के न हो सकने पर वित्त मंत्रालय के अन्य विभागों में के ऐसे कनिष्ठ गेस्टेटनर प्रचालक के/की अन्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसकी इस श्रेणी में न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा हो। (iii) (i) और (ii) के न हो सकने पर, सीधी भर्ती द्वारा।	

गेस्टेटर प्रचालक के पद के लिए भर्ती नियम

सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अभिन शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए बिहित आध और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी।	परिबीक्षा की कालावधि, यदि कोई हो	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है।	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
----------------------------	-------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------	-----------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------

8	9	10	11	12	13
22 से 25 वर्ष तक	आवश्यक : (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय या बोर्ड की मैट्रिक या उसके समतुल्य परीक्षा (ii) गेस्टेटर मशीन के प्रचालन और उसके अनु-रक्षण में प्रवीणता।	नहीं	2 वर्ष	वर्ग 3 विभागीय प्रोन्नति समिति।	लागू नहीं होता।

[सं०/जी०एस०आर०/फा० सं० 15/3/69-एडी०I-ए]

एस० के० मित्तल, अवर सचिव।

